अम्बर ऑफसेट प्रा. लि.
केडलगंज, अलवर
अत्याधुनिक छपाई का विश्वसनीय स्थान
अत्याधुनिक तकनीक से प्लेट मेकिंग, ग्राइडिंग एवं नेगेटिव, पोजिटिव के लिए सम्पर्क करें-
फोन नं.- 2335105

सांध्य ज्योति दर्पण

www.dainiksandhyajyotidarpan.com

वर्ष 35 | अंक 90 | अलवर, बुधवार, 26 मार्च 2025 | जयपुर, अलवर, नागौर व भरतपुर से एक साथ प्रकाशित | पृष्ठ 8 | मूल्य : एक रु.

अम्बर ऑफसेट प्रा. लि.
केडलगंज, अलवर
अत्याधुनिक छपाई का विश्वसनीय स्थान
अत्याधुनिक तकनीक से प्लेट मेकिंग, ग्राइडिंग एवं नेगेटिव, पोजिटिव के लिए सम्पर्क करें-
फोन नं.- 2335105

बहरोड़, भिवाड़ी, राजगढ़, तिजारा, कोटकासिम, थानागाजी, मालाखेड़ा, लक्ष्मणगढ़, किशनगढ़बास, कठूमर, खेड़ली, बानसूर, खैरथल, गुरुग्राम, धारूहेड़ा व रेवाड़ी से प्रसारित

चोरी की घटना में शामिल आरोपी गिरफ्तार

बहरोड़, 26 मार्च (निसं)। पुलिस थाना सदर ने चोरी की घटना में शामिल आरोपी को गिरफ्तार किया है।

थाना अधिकारी सीमा सिनसिनवार ने बताया कि उच्च अधिकारियों के निर्देशन में सोतानाला रिको इन्डस्ट्रियल एरिया की प्लाट संख्या एसपी 26, 26ए व 26(ए-1)-एम/एस इन्सैकसाईड इन्डिया एलटीडी में सरिये चोरी की घटना के समय फरार चल रहे आरोपी सैलेन्द्र सिंह उर्फ बन्टी पुत्र आशा सिंह सिकलीगर सरदार निवासी मकान न. 20/31 कल्याणपुरी दिल्ली को गिरफ्तार किया है।

मोबाईल टावर में आग लगाने के दो आरोपी और पकड़े

शाहजहांपुर, 26 मार्च (निसं)। स्थानीय पुलिस ने मोबाईल टॉवर में आग लगाने वाली गैंग के दो और आरोपियों को गिरफ्तार किया है। इस मामले में पुलिस अब तक पांच आरोपियों को गिरफ्तार कर चुकी है।

थाना अधिकारी मनोहरलाल ने बताया कि उच्च अधिकारियों के निर्देशानुसार फोलादपुर, रोडवाल गांव में मैसर्स इन्डस टॉवर्स प्राईवेट लिमिटेड कम्पनी के टावर्स में आग लगाने के मामले में पुलिस ने दो और आरोपियों सोहन सिंह चौहान 26 पुत्र महावीर सिंह राजपूत निवासी बालनाथ नगर प्लाट न. 87 बेनार रोड झोटवाड़ा थाना करधनी जयपुर व आलोक सोनिया 22 पुत्र ज्ञानचन्द बलाई निवासी जगदम्बा स्कूल के पास अरविन्द क्लिनिक वाली गली बेनार रोड झोटवाड़ा थाना करधनी जयपुर को गिरफ्तार किया है। आरोपियों ने नीमराना व बानसूर में भी टावरों में आग लगाना स्वीकार किया है।

सड़क किनारे खड़े खराब ट्रेलर को मारी टक्कर

बहरोड़, 26 मार्च (निसं)। नेशनल हाईवे 48 पर दादा की ढाणी के समीप सोमवार की देर रात लगभग 2 बजे शनि मंदिर के पास सड़क किनारे खड़े खराब ट्रेलर में कोयलों से भरे ट्रेलर ने टक्कर मार दी।

हादसे में कोयला वाहक ट्रेलर का केबिन पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया और चालक देवकरण रावत के हाथ, पैर और सिर में गंभीर चोटें आईं। हादसे की सूचना मिलते ही गश्त कर रहे हेड कांस्टेबल महेंद्र सिंह जाखा के साथ मौके पर पहुंचे और केबिन में फंसे चालक को निकालकर राजकीय जिला अस्पताल पहुंचाया। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि खराब खड़ा ट्रेलर नाला पार कर सर्विस रोड पर जा पहुंचा। वहां पहले से खड़े एक अन्य वाहन से टकरा गया। गनिमत रही कि बड़ा हादसा टल गया और चालक की जान बच गई।

भगवत-चिंतन

जीवन का स्वर्ग

हमारे जीवन का आनंद, हमारे जीवन की शांति और हमारे जीवन की प्रसन्नता ही हमारे जीवन का वास्तविक स्वर्ग है। मरने के बाद स्वर्ग की प्राप्ति से श्रेष्ठ बात जीते जी, जीवन में स्वर्ग जैसी परिस्थितियों का निर्माण कर लेना है। सबसे प्रेमपूर्ण व्यवहार रखते हुए, छल, कपट, दंभ रहित परस्पर प्रीति, परस्पर सहयोग एवं सर्व मंगल की कामना में समाविष्ट आनंदपूर्ण जीवन ही स्वर्ग है।

जहां पर दूसरों के साथ छल - कपट का व्यवहार किया जाता हो, जहाँ पर नित दूसरों को गिराने की योजनायें बनाई जाती हों और जहाँ पर ईर्ष्यावश दूसरों की उन्नति में अवरोध उत्पन्न किया जाता हो वह जीवन नरक के ही समान है। नरक अर्थात वह वातावरण जिसका निर्माण हमारी दुष्प्रवृत्तियों और हमारे दुर्गुणों द्वारा होता है और स्वर्ग अर्थात वह वातावरण जिसका निर्माण हमारी सदप्रवृत्तियों व हमारे सदगुणों द्वारा होता है।

-महंत सुमेर गिरी महाराज

श्रीराम मंदिर-श्री हनुमान जयंती

अयोध्या में विगत वर्ष बहुप्रतिक्षित राम मंदिर की स्थापना के बाद अपनाघर शालीमार में भी अयोध्या की तर्ज पर भव्य श्रीराम मंदिर का नव निर्माण किया गया है। इस मंदिर में श्रीराम दरबार की प्राण-प्रतिष्ठा का कार्यक्रम 2 अप्रेल से होने जा रहा है। प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव पं. भगवत दयाल वेदपाठी द्वारा किया जाएगा। कार्यक्रम के तहत 2 अप्रैल, बुधवार को सुबह 9 बजे भक्ति धाम मंदिर से श्री राम मन्दिर तक 301 कलशों के साथ भव्य कलश यात्रा निकाली जाएगी। प्राण प्रतिष्ठा पूजा 2 अप्रैल से 6 अप्रैल तक सुबह 8.30 से 11.30 बजे एवं मध्यकालीन पूजा 5 से 7.30 बजे तक होगी। विशाल भंडारा 6 अप्रैल, रविवार को होगा। दिव्य दर्शन अनावरण प्रथम महाआरती 12 बजे से, तदुपरान्त 12.30 बजे से विशाल भंडारा, 6 अप्रैल को सायं 6 बजे भजन कीर्तन एवं नृत्य प्रस्तुति, इसके बाद 1100 दीपों दीपोत्सव महाआरती होगी। इसी 12 अप्रेल को पांडुपोल दरबार तथा जिले में श्रीहनुमानजी महाराज की जयंती मनाई जाएगी, जिसकी तैयारियां शुरू कर दी गई है।

जीप ने बाईक को मारी टक्कर, युवक की मौत

अलवर, 26 मार्च (नसं)। जिले में जीप की टक्कर से बीती रात बाइक सवार युवक की मौत हो गई। वहीं उसका साथी घायल है। बताया जा रहा है कि जीप कठूमर के विधायक रमेश खींची के भाई भजन खींची की है। वहीं जीप चला रहा व्यक्ति भाग गया। घटना खेड़ली थाना क्षेत्र मे की है।

खेड़ली थाने के एएसआई सूरज यादव ने बताया कि हादसे में अरुण (20) पुत्र सुनील कुमार जाटव निवासी दांतिया की मौत हो गई। उसके साथी सोनू का निजी हॉस्पिटल में इलाज जारी है। पोस्टमार्टम के बाद आज सुबह शव परिजनों को सौंपा।

एएसआई ने बताया कि दोनों युवक बाइक से दांतिया गांव से खेड़ली बाजार आए थे। गैस एजेंसी के सामने जीप ने बाइक को टक्कर मार दी। सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची थी। दोनों युवकों को घायल अवस्था में उपचार के लिए खेड़ली हॉस्पिटल लेकर आए। वहां से अलवर रैफर किया गया। इलाज के दौरान अरुण ने दम तोड़ दिया। परिजनों की रिपोर्ट पर जांच होगी। मामले में विधायक रमेश खींची से संपर्क करने का प्रयास किया गया। उन्होंने फोन रिसीव नहीं किया।

खेड़ली थाने के एस एच ओ धीरेंद्र गुर्जर ने बताया कि कार विधायक रमेश खींची के भाई भजन खींची की है या नहीं। इसकी जांच की जा रही है। मामले की निष्पक्ष जांच के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी।

अवैध शराब तस्कर गिरफ्तार : बानसूर थाना पुलिस ने अवैध शराब बेचने के मामले में बड़ी कार्रवाई की है। पुलिस ने पाथरेड़ी निवासी जितेन्द्र कुमार बावरिया को हथकढ़ शराब के साथ गिरफ्तार किया है।

पेयजल समस्या समाधान के लिए 36 नए ट्यूबवेल एक माह के अंदर शुरू होंगे

अलवर, 26 मार्च (नसं)। जिला कलक्टर डॉ. आर्तिका शुक्ला की अध्यक्षता में मिनी सचिवालय स्थित कलक्ट्रेट सभागार में ग्रीष्म ऋतु में पेयजल उपलब्धता की तैयारियों एवं जल जीवन मिशन की प्रगति की समीक्षा बैठक आयोजित हुई।

जिला कलक्टर ने बैठक में जलदाय विभाग के अधिकारियों को निर्देशित किया कि ग्रीष्मकाल के दौरान समस्त अधिकारी तत्परता से कार्य करते हुए पेयजल संबंधित शिकायतों का त्वरित एवं गुणवत्तापूर्ण समाधान करें।

उन्होंने निर्देश दिये कि विधायक निधि के स्वीकृत 36 नए ट्यूबवेलों को अगले एक माह में चालू करावे तथा कंटीजेंसी फण्ड की स्वीकृति पश्चात कार्यों को धरातल पर लागू करने के लिए त्वरित कार्यवाही करना सुनिश्चित करे। उन्होंने जलदाय विभाग के सहायक अभियन्ताओं को निर्देश दिए कि अलवर शहर में कल से ही प्रात: पानी की सप्लाई के समय फील्ड विजिट एवं कार्यालय में प्रात: 11 बजे से 1 बजे तक नियमित जनसुनवाई करना सुनिश्चित करें। उन्होंने निर्देश कि गंदे पानी संबंधी शिकायतों का निस्तारण 24 घंटे में आवश्यक रूप से करें, इसके अतिरिक्त अन्य प्रकार की शिकायतों का भी यथाशीघ्र समाधान करना सुनिश्चित करें।

उन्होंने कहा कि शहर में अभी तक अतिरिक्त 5 एमएलडी पानी की बढोतरी हुई, अत: जलदाय विभाग सार्थक प्रयास करते हुए इसमें ओर अधिक बढोतरी करने के लिए शेष कार्यों को यथाशीघ्र धरातल पर अमलीजामा पहनावे।

जिला कलक्टर ने जलदाय विभाग के पेजलय शिकायत समाधान प्रकोष्ठ में प्राप्त शिकायतों की प्रगति एवं समाधान की जानकारी लेकर परिवादों के समयबद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण समाधान के निर्देश दिए तथा इसके अतिरिक्त 1 अप्रैल से कलक्ट्रेट में पेयजल समस्या संबंधी समाधान के लिए वार रूम प्रारंभ करवाने के निर्देश दिए।

उन्होंने पेयजल संबंधी शिकायतों के समाधान के लिए अतुल्य अलवर की तर्ज पर विकसित किया जा रहे 'अलवर वाटर मॉनिटरिंग सिस्टम' पोर्टल की प्रगति की जानकारी लेकर जल्द पोर्टल को क्रियाशील करवाने के निर्देश दिए।

उन्होंने जल जीवन मिशन की प्रगति की समीक्षा करते हुए निर्देश दिए कि निर्धारित लक्ष्य के विरुद्ध कार्यात्मक घरेलू नल कनेक्शन से जिले के 61.55 प्रतिशत कवरेज हुआ है, इसमें लक्ष्यानुसार प्रगति सुनिश्चित करें।

उन्होंने जेजेएम के तहत निरंतर प्रगति उच्च रखने के निर्देश दिए, ताकि जिले के ग्रामीण क्षेत्रों में हर घर पानी की कवरेज जल्द से जल्द सुनिश्चित हो सके।

बैठक में जिला परिषद के मुख्य कार्यकारी अधिकारी सालुखे गौरव रविंद्र, जलदाय विभाग के अतिरिक्त मुख्य अभियंता भवानी सिंह शेखावत, जलदाय विभाग अलवर सर्किल के अधीक्षण अभियंता रमेश चंद सैनी, जलदाय विभाग एनसीआर सर्किल के अधीक्षण अभियंता दिनेश कुमार वर्मा एवं विद्युत विभाग के अधीक्षण अभियंता सुधीर पांडेय सहित संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

तेज धूप व हवा से सूखने लगी फसल

कोटकासिम, 26 मार्च (निसं)। कोटकासिम सहित क्षेत्र में गत दिनों हुई बूंदा-बांदी एवं सर्दी से जो नमी बनी हुई थी वह इन दिनों पड़ रही तेज धूप व हवा के कारण सूख गई है और इससे गेहूं, जौ एवं चना की फसलों को भारी नुकसान हो रहा है। तेज धूप ने गेहूं को भी नुकसान पहुंचा दिया है। जिसके कारण किसानों के चेहरों पर चिंता की लकीरें देखी जा रही है।

क्षेत्र में करीब 15 दिन पूर्व हल्की बूंदा-बांदी से रबि की फसलो को कुछ राहत मिली थी। लेकिन इस समय तेज हवा व धूप के कारण सिंचाई के बावजूद भी फसले सूखने के कगार पर है।

आपको बता दे कि रबी के इस सीजन में किसान सरसों, जौ, गेहूं की फसले बोते हैं। क्षेत्र मे गिरते जल स्तर के कारण सरसों फसल बुवाई का क्षेत्र सर्वाधिक है।

बरसात से जौ, गेहूं, चना आदि फसलों में लाग सी उम्मीद पुन: पल्लवित हो गई। लेकिन अब मौसम ने पुन: करवट बदली और पिछले कुछ दिनों से दिन के समय तेज धूप खिलने के साथ हवा चलने लगी है। हालांकि धूप में इतनी तेजी है कि लोगों को गर्मी का अहसास होने लगा है।

इतना ही नही दिन के अलावा रात के समय भी पंखों ने रफ्तार पकड़ ली है। वहीं तेज हवा से मौसम इतना शुष्क हो गया है कि लगातार फसले सूखने के कागार पर चल रही है।

किसानों का कहना है कि इस समय फसलों में सिंचाई करना भी किसानों के लिए चुनौती बना हुआ है। सिंचाई करते समय तने में बालिया आने से काफी वजन बना हुआ है। ऐसे में फसल खेतों में पसर रही है। जिसके चलते फसल पकाव में नुकसान होने का अंदेशा बना हुआ है।

भीम नगर कॉलोनी में नल के 23 कनेक्शन काटे

अलवर, 26 मार्च (नसं)। भीम नगर कॉलोनी के आबादी में पानी सही नहीं पहुंचने के शिकायत पर मंगलवार को सघन निरीक्षण किया गया जहां सप्लाई लाइन से सीधे लिए हुए 23 अवैध कनेक्शन का संबंध विच्छेद किया गया।

सहायक अभियंता सुनील कुमार ने बताया मुख्य सचिव के निर्देशानुसार अवैध कनेक्शन अभियान के तहत भीम नगर कॉलोनी टीम के साथ 23 अवैध कनेक्शन विच्छेद किए / जिसके बाद कॉलोनोवासियो में हैडकंप मच गया। सहायक अभियंता का कहना है नल कनेक्शन जो नियमित नहीं है वह सभी विच्छेद किए जाएंगे। अवैध कनेक्शन के चलते नल उपभोक्ताओं को पाने की किल्लत उठानी पड़ रही है

बिजली ग्रिड के पास आग से 10 बीघा जंगल जलकर राख

नारायणपुर, 26 मार्च (नसं)। ग्राम पंचायत विजयपुरा में मंगलवार को बिजली ग्रिड के पास अचानक आग लग गई, जिससे करीब 10 बीघा जंगल जलकर राख हो गया। आग इतनी भयावह थी कि इसमें विलायती बबूल सहित कई वनस्पतियां, वन्यजीव और वनसंपदा पूरी तरह नष्ट हो गईं। आग लगने की सूचना मिलते ही प्रशासन सक्रिय हो गया।

विराटनगर और बानसूर से दमकल की गाड़ियां मौके पर बुलाई गईं। दमकल कर्मियों और स्थानीय लोगों की मदद से करीब 5 घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया गया।

समय रहते आग पर नियंत्रण पाने से आसपास के क्षेत्र में बड़ा नुकसान होने से टल गया। आग लगने के असली कारणों का अभी तक पता नहीं चल सका है, लेकिन प्रशासन इस मामले की गहराई से जांच कर रहा है।

प्रशासन ने लोगों से सतर्क रहने की अपील की है ताकि इस तरह की घटनाओं को रोका जा सके और पर्यावरण को नुकसान से बचाया जा सके। आग बुझाने के दौरान सरपंच मोहन लाल वर्मा, थानाधिकारी ओमप्रकाश मीणा, कानूनगो अशोक योगी और पटवारी शिवानी यादव सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण मौके पर मौजूद रहे।

नगर निगम के ड्राइवर का फोन छीन ले गए बाईक सवार बदमाश

अलवर, 26 मार्च (निसं)। शहर के बीचों बीच नगर निगम कार्यालय के मुख्य गेट पर खड़े ड्राइवर त्राहिमाम पुत्र आत्मस्वरूप निवासी मालाखेड़ा गेट अलवर से बदमाश मोबाइल छीन ले गए। पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर ली। लेकिन बदमाशों का पता नहीं चला है। जबकि यह अलवर शहर का मुख्य बाजार है।

नगर निगम में अस्थाई तौर पर काम कर रहे ड्राइवर त्राहिमाम सरीन ने पुलिस को रिपोर्ट दी कि 23 मार्च की रात करीब साढ़े 9 बजे वह नगर निग के मुख्य गेट पर खड़ा था।

किसी से बात करने के लिए मोबाइल हाथ में लिया हुआ था। तभी एक बाइक पर तीन युवक आए। जिन्होंने झपट्टा देकर मोबाइल छीन लिया और होपसर्कस की तरफ भाग गए। उनका पीछा भी किया। लेकिन तेजी से बाइक को भगा ले गए। पुलिस को शिकायत दर्ज करा दी। लेकिन अभी तक बदमाशों का पता नहीं चल सका है।

तस्कर स्मैक सहित गिरफ्तार

भिवाड़ी, 26 मार्च (निसं)। पुलिस ने अवैध मादक पदार्थों की तस्करी के खिलाफ बड़ी कार्रवाई की है। पुलिस ने स्मैक के साथ एक आरोपी को गिरफ्तार किया है।

एसपी जयेष्ठा मैत्रेयी के निर्देश पर थानाधिकारी देवेन्द्र प्रसाद के नेतृत्व में टीम ने यह कार्रवाई की। मुखबिर की सूचना पर पुलिस टीम कालाका गांव मोड पर पहुंची। वहां रेलवे लाइन के पुल के नीचे एक संदिग्ध व्यक्ति पावर बाइक पर बैठा मिला।

पूछताछ में आरोपी ने अपना नाम प्रियांशु उर्फ बबलू बताया। वह खुशखेड़ा थाना क्षेत्र के हुसैनपुर का रहने वाला है। तलाशी के दौरान उसके पास से एक प्लास्टिक डिब्बी में रखी 1.52 ग्राम स्मैक बरामद हुई। पुलिस ने आरोपी से स्मैक और पावर बाइक जब्त कर ली है। पुलिस ने इस मामले में एनडीपीएस एक्ट के तहत केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है। आरोपी को गैर जमानती धाराओं में गिरफ्तार किया गया है।

महिलाओं व बेटियों को विभिन्न योजनाओं का मिला लाभ

अलवर, 26 मार्च (नसं)। राजस्थान स्थापना दिवस (चैत्र शुक्ल प्रतिपदा, 30 मार्च) के उपलक्ष्य में आयोजित सात दिवसीय कार्यक्रमों की शृंखला में मंगलवार को अलवर के प्रताप ऑडिटोरियम में जिला स्तरीय महिला सम्मेलन आयोजित हुआ। कार्यक्रम का शुभारम्भ पर्यावरण एवं वन राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) संजय शर्मा ने दीप प्रज्ज्वलित कर किया।

बाडमेर के आदर्श स्टेडियम में आयोजित राज्य स्तरीय महिला सम्मेलन से वर्चुअली जुडकर मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने विभिन्न योजनाओं में लाभार्थी महिलाओं एवं बालिकाओं के खाते में डीबीटी के माध्यम से राशि का हस्तांतरण किया।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने राज्य स्तरीय कार्यक्रम से प्रदेश में 1.10 करोड परिवारों को 200 करोड रुपए की एलपीजी सब्सिडी, 30 हजार बालिकाओं को लाडो प्रोत्साहन योजना में 7.5 करोड रूपए, 31 हजार 790 बालिकाओं को गार्गी पुरस्कार, बालिका प्रोत्साहन एवं मुख्यमंत्री हमारी बेटियां योजनाओं में 13.16 करोड़ रूपए एवं 18 हजार 300 महिला समूहों को 100 करोड रूपए की राशि का हस्तांतरण किया।

वहीं प्रदेश की 5 हजार मेधावी छात्राओं को कालीबाई भील योजना में स्कूटी वितरित व 5 हजार महिलाओं को इंडक्शन कुक टॉप का वितरण किया। इसके साथ ही स्वामी विवेकानन्द स्कॉलरशिप फॉर एकेडमिक एक्सीलेंस योजना के तहत स्वीकृतियां जारी की।

वन मंत्री संजय शर्मा ने अपने संबोधन में कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के कुशल नेतृत्व में केंद्र व राज्य सरकार महिला सशक्तिकरण की दिशा में निरन्तर कार्य कर रही है। इसी प्रकार मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में राज्य सरकार महिला सशक्तिकरण के साथ प्रदेश का चहुंमुखी विकास के लिए प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रही है।

उन्होंने कहा कि डबल इंजन की सरकार द्वारा महिलाओं को ओर अधिक मजबूती प्रदान करने के उद्देश्य से मां वाउचर योजना, लाडो प्रोत्साहन योजना, सोलर दीदी योजना, बर्तन बैंक योजना जैसी अनेक योजनाएं संचालित कर सकारात्मक भाव से निरन्तर प्रदेश की महिलाओं को आगे बढाने का काम किया जा रहा है।

महिला सम्मेलन में 906 महिला समूहों को 6 करोड 14 लाख 88 हजार 750 रूपये की राशि हस्तांतरित की गई तथा गार्गी पुरस्कार योजनान्तर्गत सत्र 2024-25 में जिले की 12 हजार 411 बालिकाओं को 4 करोड 89 लाख 49 हजार रूपये की राशि हस्तांतरित की गई, जिसमें से 4427 बालिकाओं को गार्गी पुरस्कार की प्रथम किश्त स्वरूप 1 करोड 32 लाख 81 हजार रूपये, 2126 बालिकाओं को गार्गी पुरस्कार की द्वितीय किश्त स्वरूप 63 लाख 78 हजार रूपये एवं 5 हजार 858 बालिकाओं को बालिका प्रोत्साहन स्वरूप 2 करोड 92 लाख 90 हजार रूपये की राशि डीबीटी के माध्यम से उनके बैंक खातों में हस्तांतरित की गई। इसी प्रकार लाडो प्रोत्साहन योजना की 1249 लाभार्थियों बेटियों के खाते में कुल 31 लाख 22 हजार 500 रूपये प्रथम किश्त के 2500-2500 रूपये के रूप में डाले गए। इस योजना की 5 बालिकाओं को प्रतिकात्मक चेक वितरित किए गए। 19 मेधावी बेटियों को स्कूटी प्रदान की गई, जिसमें कालीबाई भील मेधावी छात्रा स्कूटी योजना में 17 एवं देवनारायण छात्रा स्कूटी योजना के तहत 2 स्कूटी प्रदान की गई तथा 15 महिलाओं को इंडक्शन कुक टॉप का वितरण किया गया।

कार्यक्रम में विधायक रामगढ़ सुखवंत सिंह, जिला कलक्टर डॉ. आर्तिका शुक्ला, जिलाध्यक्ष अशोक गुप्ता, जिला परिषद के मुख्य कार्यकारी अधिकारी सालुखे गौरव रविंद्र, एडीएम शहर बीना महावर, नगर निगम आयुक्त जितेंद्र कुमार नरुका, एसडीएम अलवर यशार्थ शेखर, महिला अधिकारिता विभाग के उपनिदेशक रिषीराज सिंगल, सतीश यादव, पं. जलेसिंह, जितेन्द्र राठौड़, लोचन यादव, राजेन्द्र सैनी सहित प्रबुद्ध व्यक्ति, जनप्रतिनिधिगण, संबंधित अधिकारी एवं बड़ी संख्या में महिला लाभार्थी उपस्थित रही।

गणगौर पर भी घेवर

तीज पर प्रसिद्ध घेवर का जलवा इस बार गणगौर पर भी नजर आ रहा है।

माइन्स विभाग की जयपुर टीम द्वारा बस्सी के हरड़ी हरध्यानपुरा में अवैध खनन में लिप्त 5 मशीनों सहित 14 वाहन जब्त कर पुलिस को सुपुर्द

जयपुर। माइन्स विभाग की जयपुर टीम ने मंगलवार को तड़के अवैध खनन के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए बस्सी तहसील के हरड़ी हरध्यानपुरा, दयारामपुरा में 3 एक्सक्रेटर मशीन, 1 डंपर, 2 कम्प्रेशर व 8 ट्रेक्टर ट्राली सहित 14 वाहन मशीनरी जब्त कर संबंधित पुलिस थाना में सुपुर्द किया है। खान विभाग जयपुर ने अधीक्षण खनि अभियंता श्री एनएस शक्तावत एवं अधीक्षण खनि अभियंता सतर्कता श्री प्रताप मीणा के निर्देशन में एमई जयपुर श्री श्याम कापड़ी की टीम ने एक मार्च, 25 से अब तक करीब 65 वाहन मशीनरी जब्त करने के साथ ही 25 लाख 79 हजार से अधिक की जुर्माना राशि भी वसूल कर ली है। खनि अभियंता जयपुर श्री श्याम कापड़ी ने बताया कि खनि

कार्यदेशक श्री अरुण कुमार, श्री जैद अली, श्री विश्राम मीणा, सोनू अवस्थी व श्री सुधीर कुमार, श्री राजकुमार मय बॉर्डर होमगार्ड की टीम द्वारा मंगलवार तड़के निजी वाहनों का उपयोग करते हुए इस अभियान को अंजाम दिया। श्री कापड़ी ने बताया कि अवैध खनन कर्ताओं को कार्रवाई की किसी तरह भनक नहीं लग सके इसी को ध्यान में रखते हुए निजी कार्रवाई के दौरान टीम द्वारा निजी वाहनों का उपयोग किया

और इसी का परिणाम रहा कि तड़के अवैध खनन के खिलाफ इतनी बड़ी कार्रवाई संभव हो सकी। खनि अभियंता श्री श्याम कापडी ने बताया कि अवैध खनन/निर्गमन के विरूद्ध जीरो टॉलरेंस अपनाते हुए बस्सी तहसील के हरध्यानपुरा, दयारामपुरा में अवैध खनन करते 3 एक्सक्रेटर मशीन, ब्लास्टिंग के उपयोग के लिए प्रयुक्त होने वाले 2 कंप्रेशर मशीन, एक डंपर और 8 ट्रेक्टर ट्रॉली जब्त कर पुलिस थाना बस्सी को सुपुर्द की गई।

उन्होंने बताया कि आज की कार्रवाई के अतिरिक्त एक मार्च 25 से अवैध खनिज गतिविधियों के प्रकरण में 2 अवैध खनन और 30 अवैध निर्गमन गतिविधियों पर कार्रवाई करते हुए 25 लाख 79 हजार 610 रु. की जुर्माना राशि वसूल कर राजकोष में जमा करा दी गई है।

कार्यवाही के दौरान एसएमई श्री एनएस शक्तावत, विजिलेंस श्री प्रताप मीणा के मार्गदर्शन में एमई श्री श्याम कापड़ी व विजिलेंस की टीम द्वारा कार्रवाई की जा रही है।

श्रीमद्भागवत कथा : समुद्र मंथन, गजग्रह उद्धार, वामन अवतार, राम जन्मोत्सव और नन्दोत्सव का किया वर्णन

धौलपुर। आरएसी रोड स्थित गंगा बेटी मन्दिर में आयोजित श्रीमद्भागवत कथा ज्ञान सप्ताह यज्ञ के चौथे दिन मंगलवार को श्रीधाम वृंदावन से आए कथा वाचक आचार्य कृपाशंकर ने समुद्र मंथन, गजग्रह उद्धार, वामन अवतार, राम जन्मोत्सव और नन्दोत्सव की कथा सुनाई। कथा की शुरुआत में मुख्य यजमान विजय सिंह और नीतू राना ने कथापीठ का पूजन किया। कथा को आगे बढ़ाते हुए कथा व्यास आचार्य कृपाशंकर ने कहा कि भक्ति एक ऐसा उत्तम निवेश है, जो जीवन में परेशानियों का उत्तम समाधान देती है। साथ ही जीवन के बाद मोक्ष भी सुनिश्चित करती है। उन्होंने बताया कि जब-जब पृथ्वी पर अधर्म का बोलबाला बढ़ जाता है तब सर्वत्र हिंसा और उपद्रव दिखाई देता है। गोमाता, संतों व सज्जनों पर जब दुष्ट लोग अत्याचार करते हैं तब प्रभु वैकुंठ त्याग कर धराधाम में अवतरित होते हैं। कथा प्रसंग में श्रीराम अवतार का संक्षिप्त में वर्णन करते हुए उन्होंने कहा कि भगवान कभी जन्म नहीं लेते, अवतार धारण करते हैं, प्रकट होते हैं और प्रकट वहीं होते हैं जो पहले से विद्यमान हो। भगवान तो कण कण में मौजूद रहते हैं।

पर्यटन,शिक्षा और कौशल विकास से होगी आर्थिक समृद्धि -राज्यपाल

कोटा विश्वविद्यालय का प्रथम औद्योगिक अकादमिक सम्मेलन

जयपुर/कोटा। राज्यपाल श्री हरिभाऊ बागडे ने कहा कि पर्यटन आर्थिक विकास का उत्प्रेरक है। भारतीय सभ्यता एवं संस्कृति में पर्यटन एक अभिन्न अंग के रूप में सदियों से विद्यमान रहा है। उन्होंने कहा कि भारत में चारधाम यात्रा एवं अन्य धार्मिक यात्राओं की प्राचीन परंपरा रही है, जो लोगों को आध्यात्मिक और सांस्कृतिक रूप से जोड़ती है। राज्यपाल मंगलवार को कोटा विश्वविद्यालय के प्रथम औद्योगिक अकादमिक सम्मेलन में संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि पर्यटन रोजगार और आर्थिक विकास से सीधा जुड़ा हुआ है। उन्होंने भारतीय स्थापत्य कला की प्रशंसा करते हुए कहा कि भारतीय मंदिरों और ऐतिहासिक धरोहरों की नक्काशी और विशिष्ट कलाकृतियों के कारण वे आज वैश्विक पहचान बना चुके हैं। उन्होंने कहा कि सिंगापुर जैसे देश की अर्थव्यवस्था पूरी तरह पर्यटन पर निर्भर है। भारत में भी पर्यटन को इसी दृष्टि से विकसित किया

जा सकता है। उन्होंने कहा कि कोटा शहर चंबल नदी के किनारे स्थित होने के कारण प्राकृतिक सौंदर्य और ऐतिहासिक महत्व रखता है। कोटा में एक प्रमुख पर्यटन स्थल के रूप में विकसित होने की अपार संभावनाएं हैं। राज्यपाल ने कौशल विकास पर जोर देते हुए कहा कि कौशल रोजगार और रोटी की गारंटी देता है। उन्होंने कहा कि वर्तमान समय में पर्यटन और कौशल विकास साथ-साथ चलते हैं। यदि युवाओं को पर्यटन उद्योग से जोड़ते हुए उन्हें आवश्यक कौशल प्रदान किया जाए, तो इससे रोजगार के अवसरों में वृद्धि होगी। उन्होंने होटल उद्योग, टूर गाइड, इको-टूरिज्म और सांस्कृतिक पर्यटन को बढ़ावा देने की आवश्यकता पर बल दिया, जिससे स्थानीय अर्थव्यवस्था को भी मजबूती मिलेगी। राज्यपाल ने राजस्थान के किलों, हवेलियों, मंदिरों, वन्यजीव अभयारण्यों और पारिस्थितिकी तंत्र का उल्लेख करते हुए कहा कि राजस्थान देश और विदेश के पर्यटकों के लिए हमेशा आकर्षण का केन्द्र रहा है। उन्होंने कहा कि पर्यटन एक ऐसा उद्योग है जो अन्य छोटे व्यवसायों को भी प्रोत्साहित करता है, जिससे स्थानीय स्तर पर रोजगार के अवसरों में वृद्धि होती है। मुख्य वक्ता हिमाचल प्रदेश की सेंट्रल यूनिवर्सिटी के प्रो. संदीप कुलश्रेष्ठ ने कहा कि भारतीय संस्कृति में अतिथि देवो भव की अवधारणा प्राचीन काल से चली आ रही है।

वार्षिक मेला पर पश्चिम एक्सप्रेस का श्री महावीरजी स्टेशन पर ठहराव

कोटा। यात्रियों की सुविधा के लिए कोटा मंडल के श्री महावीरजी स्टेशन पर दिनांक 06 अप्रैल से 14 अप्रैल, 2025 के बीच महावीर जयन्ती वार्षिक मेला के अवसर पर मुम्बई सेन्ट्रल-अमृतसर-मुम्बई सेन्ट्रल पश्चिम एक्सप्रेस का एक मिनट अस्थाई ठहराव ठहराव दिया गया है।

अस्थाई ठहराव का विवरण इस प्रकार है- गाड़ी संख्या 12925 मुम्बई सेन्ट्रल-अमृतसर पश्चिम एक्सप्रेस अपने प्रारम्भिक स्टेशन से दिनांक 06.04.25 से 13.04.25 तक के बीच प्रस्थान कर श्री महावीरजी आगमन सुबह 04.44 बजे एवं वापसी में गाड़ी संख्या 12926 अमृतसर-मुम्बई सेन्ट्रल पश्चिम एक्सप्रेस अपने प्रारम्भिक स्टेशन से दिनांक 07.04.25 से 14.04.25 तक के बीच प्रस्थान कर श्री महावीरजी 20.54 बजे आगमन कर गन्तव्य के लिए प्रस्थान करेगी। इस संबंध में वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक सौरभ जैन ने बताया कि यह निर्णय यात्रियों को मेला की भीड़ को ध्यान में रखते हुए लिया गया है। इस संबंध में सर्व-संबधित स्टेशनों और कर्मचारियों को निर्देशित किया गया है।

राजस्थान तकनीकी विश्वविद्यालय का 14वाँ दीक्षांत समारोह आयोजित

तकनीकी शिक्षा नवाचार, अनुसंधान और व्यावहारिक ज्ञान का संगम है- हरिभाऊ बागडे

कोटा। राजस्थान तकनीकी विश्वविद्यालय, कोटा द्वारा 14वाँ दीक्षांत समारोह 25 मार्च 2025 को केडीए ऑडिटोरियम, कोटा में आयोजित किया गया। दीक्षांत समारोह की अध्यक्षता माननीय राज्यपाल एवं कुलाधिपति श्री हरिभाऊ बागडे ने की एवं सम्मानित अतिथि के रूप में गुजरात केंद्रीय विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. रमा शंकर दुबे उपस्थित थे। इस अवसर पर माननीय राज्यपाल श्री हरिभाऊ बागडे ने विद्यार्थियों को डिग्रियां और स्वर्ण पदक प्रदान किए एवं दीक्षांत समारोह के सफल आयोजन के लिए विश्वविद्यालय और सभी छात्र-छात्राओं को बधाई व उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं प्रदान की। कुलसचिव भावना शर्मा ने 14वें दीक्षांत समारोह के समाप्ति पर विश्वविद्यालय की ओर से धन्यवाद ज्ञापन प्रदान किया। 14वें दीक्षांत समारोह में विभिन्न पाठ्यक्रमों में कुल 9521 उपाधियां प्रदान की गई । इनमें पीएचडी के 36, एमटेक के 212, एमआर्क के 1, एमबीए के 745, एमसीए के 595, बीटेक के 7817,

बीआर्क के 113 और बीएचएमसीटी के 2 विद्यार्थी सम्मिलित हैं। इस वर्ष कुल 7487 छात्र और 2034 छात्राओं को उपाधियां प्रदान की गई। इस समारोह में कुलाधिपति स्वर्ण पदक कौटिल्य इंस्टिट्यूट ऑफ़ टेक्नोलॉजी एंड इंजीनियरिंग, जयपुर के एमटेक (ट्रांसपोर्टेशन इंजीनियरिंग) पाठ्यक्रम के छात्र आदित्य शर्मा को प्रदान किया गया, जबकि कुलपति स्वर्ण पदक आर्या कॉलेज ऑफ़ इंजीनियरिंग एंड इनफार्मेशन टेक्नोलॉजी, जयपुर की बीटेक पाठ्यक्रम की छात्रा रश्मि कुमारी को प्रदान किया गया। इसके अतिरिक्त, विभिन्न पाठ्यक्रमों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले 20 विद्यार्थियों को स्वर्ण पदक प्रदान किए गए, जिनमें एमटेक के 4, एमबीए के 1, एमसीए के 1, बीटेक के 13 और बीआर्क के 1 विद्यार्थी शामिल हैं। इन 20 विद्यार्थियों में 11 छात्र एवं 9 छात्राएं सम्मलित हैं। समारोह के दौरान विभिन्न पाठ्यक्रमों में अभियांत्रिकी संकाय के 28, प्रबंधन संकाय में 03 एवं कम्प्यूटर एप्लीकेशन संकाय के 05 सहित कुल 36 विद्यार्थियों को पीएचडी की डिग्रियां प्रदान की गई। जिसके अंतर्गत 24 छात्र एवं 12 छात्राएं सम्मिलित है। 14वें दीक्षांत समारोह की अध्यक्षता करते हुए माननीय राज्यपाल एवं कुलाधिपति श्री हरिभाऊ बागडे ने दीक्षांत भाषण प्रदान करते हुए कहा कि दीक्षांत शिक्षा का अंत नहीं बल्कि आपके एक नये जीवन का आरंभ है। यह वह समय है जब आप अर्जित ज्ञान का उपयोग समाज व देश के प्रति समर्पित कर जन कल्याण हेतु करने के लिए तैयार हुए हैं। तकनीक शिक्षा की पहली आवश्यकता यह है कि हम जो भी बात कहें, तर्क से कहें। भारत विज्ञान और प्रौद्योगिकी में बहुत अग्रणी रहा है। तकनीकी शिक्षा केवल पुस्तकों तक सीमित नहीं है, यह नवाचार, अनुसंधान और व्यावहारिक ज्ञान का संगम है। नई शिक्षा नीति विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास पर आधारित है। उन्होंने विश्वविद्यालयों से आग्रह किया कि तकनीकी तथा विशिष्ट ज्ञान के क्षेत्रों के भी पाठ्यक्रम यहां अंग्रेजी के साथ हिन्दी में भी विकसित करें स्थानीय ज्ञान-विज्ञान से संबंधित शोध एवं अनुसंधान को भी अधिकाधिक मातृभाषाओं में लाने के प्रयास शिक्षण संस्थान करें। सम्मानित अतिथि गुजरात केंद्रीय विश्वविद्यालय, गांधीनगर के कुलपति प्रो. रमा शंकर दुबे ने अपने संबोधन में कहा कि राज्य में तकनीकी शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए राजस्थान सरकार द्वारा वर्ष 2006 में स्थापित राजस्थान तकनीकी विश्वविद्यालय ने एक समृद्ध विरासत और गौरवशाली इतिहास बनाया है। इसके प्रत्यायन पाठयक्रम प्रदेश में तकनीकी शिक्षा की उच्च गुणवत्ता के प्रमाण हैं। उन्होंने युवाओं को देश और समाज के प्रति अपनी सामाजिक दाइत्वों के निर्वहन का सन्देश देते हुए कहा कि हमारे विद्यार्थी सामाजिक बदलाव के पथ प्रदर्शक हैं, हम सफलता के पाँच मार्गदर्शक सिद्धांत मंत्र' नवोन्मेषी विचारों से भारत की आर्थिक वृद्धि को गति देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं। कुलपति प्रो.एसके सिंह ने दीक्षांत समारोह में माननीय राज्यपाल एवं कुलाधिपति महोदय श्री हरिभाऊ बागडे के आगमन एवं सानिध्य के लिए विश्वविद्यालय परिवार के ओर से हार्दिक आभार प्रकट किया। इस अवसर पर उन्होंने विश्वविद्यालय का विस्तृत प्रगति विवरण प्रस्तुत किया।

आज का राशिफल

बुधवार, 26 मार्च, 2025

- **मेष :** किसी खास कार्य को लेकर किए गए प्रयासों में बेहतरीन सफलता मिलने वाली है। सिर्फ कोई भी निर्णय लेने से पहले उचित विचार-विमर्श अवश्य कर लें। कहीं फंसा हुआ पैसा मिल जाने से घर की देखरेख संबंधी गतिविधियां शुरू होंगी।
- **वृष :** ग्रह स्थिति में सकारात्मक बदलाव आया है। पिछले कुछ समय से बनाई गई योजनाओं को क्रियान्वित करने का अनुकूल समय आ गया है। आप थकान और तनाव से राहत पाने के लिए आराम और मनोरंजन के मूड में रहेंगे।
- **मिथुन :** अपनी काबिलियत पर भरोसा रखें तथा आगे बढ़े। आपको कोई भी महत्वपूर्ण निर्णय लेने में सहजता महसूस होगी। पिछले कुछ समय से चल रहे कार्य संपन्न होंगे और अपना समय आराम और कलात्मक संबंधी कार्यों में व्यतीत करेंगे।
- **कर्क :** दिनचर्या में नयापन लाने के लिए कुछ रचनात्मक गतिविधियों पर भी समय व्यतीत करें। इससे मन प्रफुल्लित रहेगा। नए नए संपर्क बनेंगे और इनके मार्गदर्शन से आर्थिक समस्या भी दूर होगी। परिवार में कोई मांगलिक आयोजन की योजना बन सकती हैं।
- **सिंह :** अपने कार्यों को नियत समय पर करने का लिया गया संकल्प पूरा करने में सक्षम होंगे। किसी संबंधी अथवा मित्र के साथ चल रही गलतफहमियां दूर होगी तथा संबंध पुन: मधुर हो जाएंगे।
- **कन्या :** आज कोई रुकी हुई पेमेंट मिल सकती है, इसलिए प्रयासरत रहें। किसी पारिवारिक समस्या को दूर करने के लिए किया गया आपका प्रयास कामयाब रहेगा। अनुभवी लोगों के मार्गदर्शन और सलाह पर अमल करना फायदेमंद रहेगा।
- **तुला :** नई योजनाएं बनाने तथा उन्हें क्रियान्वित करने का अनुकूल समय है। सिर्फ चुनौतियों से घबराने की बजाय उनका मुकाबला करें। इससे सफलता के मार्ग भी खुलेंगे। रचनात्मक और धार्मिक क्रियाकलापों के प्रति रुझान रहेगा। किसी मित्र के साथ मुलाकात सकारात्मक साबित होगी।
- **वृश्चिक :** संबंधी के माध्यम से अथवा फोन द्वारा कोई खास सूचना मिलेगी। मानसिक रूप से बहुत अधिक सुकून का अनुभव करेंगे। समझदारी से किया गया धन का विनिमय आपके लिए फायदेमंद रहेगा। बच्चों का ध्यान अपनी पढ़ाई पर फोकस रहेगा।
- **धनु :** दिन का कुछ समय आध्यात्मिक अथवा धार्मिक गतिविधियों में व्यतीत होगा, जिससे सकारात्मक ऊर्जा महसूस करेंगे। संतान के करियर से संबंधित समस्या का भी हल जरूर निकलेगा।
- **मकर :** आज कोई पारिवारिक मसला हल होने से व्यवस्था ठीक हो जाएगी। सामाजिक व धार्मिक क्रियाकलापों में समय व्यतीत करने से आपको मानसिक सुकून और शांति मिलेगी। प्रॉपर्टी के लेनदेन संबंधी गतिविधियां भी आगे बढ़ेंगी।
- **कुंभ :** आप घर की साज-सज्जा व रचनात्मक कार्य में अपने आप को व्यस्त रखेंगे। घर के रखरखाव संबंधी सामान की ऑनलाइन शॉपिंग में भी समय व्यतीत होगा। विद्यार्थियों को करियर संबंधी कोई शुभ सूचना मिल सकती हैं।
- **मीन:** आर्थिक गतिविधियां सुधरेंगी। आपके सभी काम सुचारू रूप से संपन्न होते जाएंगे। किसी राजनीतिक व्यक्ति की भी सहायता मिलेगी। विद्यार्थियों तथा युवाओं को ऑनलाइन प्रतिस्पर्धा में सफलता मिल सकती हैं।

पर्यटन, शिक्षा और कौशल विकास से होगा आर्थिक समृद्धि का विस्तार-राज्यपाल

कोटा विश्वविद्यालय का प्रथम औद्योगिक अकादमिक सम्मेलन भारतीय संस्कृति में पर्यटन की अनूठी परंपरा-राज्यपाल

कोटा, 26 मार्च। राज्यपाल श्री हरिभाऊ बागडे ने मंगलवार को कोटा विश्वविद्यालय के प्रथम औद्योगिक अकादमिक सम्मेलन में मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत की। राज्यपाल श्री बागडे ने अपने संबोधन में कहा कि पर्यटन आर्थिक विकास का उत्प्रेरक है। भारतीय सभ्यता एवं संस्कृति में पर्यटन एक अभिन्न अंग के रूप में सदियों से विद्यमान रहा है। उन्होंने कहा कि भारत में चारधाम यात्रा एवं अन्य धार्मिक यात्राओं की प्राचीन परंपरा रही है, जो लोगों को आध्यात्मिक और सांस्कृतिक रूप से जोड़ती है।

पर्यटन से रोजगार और आर्थिक वृद्धि- राज्यपाल बागडे ने कहा कि पर्यटन रोजगार और आर्थिक विकास से सीधा जुड़ा हुआ है। उन्होंने भारतीय स्थापत्य कला की प्रशंसा करते हुए कहा कि भारतीय मंदिरों और ऐतिहासिक धरोहरों की नक्काशी और विशिष्ट कलाकृतियों के कारण वे आज वैश्विक पहचान बना चुके हैं। उन्होंने कहा कि सिंगापुर जैसे देश की अर्थव्यवस्था पूरी तरह पर्यटन पर निर्भर है। भारत में भी पर्यटन को इसी दृष्टि से विकसित किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि कोटा शहर चंबल नदी के किनारे स्थित होने के कारण प्राकृतिक सौंदर्य और ऐतिहासिक महत्व रखता है। कोटा में एक प्रमुख पर्यटन स्थल के रूप में विकसित होने की अपार संभावनाएं हैं।

पर्यटन के साथ कौशल विकास भी अनिवार्य- राज्यपाल ने अपने संबोधन में कौशल विकास पर जोर देते हुए कहा कि लोगों के हाथों में कौशल होना अत्यंत आवश्यक है क्योंकि कौशल रोजगार और रोटी की गारंटी देता है।

उन्होंने कहा कि वर्तमान समय में पर्यटन और कौशल विकास साथ-साथ चलते हैं। यदि युवाओं को पर्यटन उद्योग से जोड़ते हुए उन्हें आवश्यक कौशल प्रदान किया जाए, तो इससे रोजगार के अवसरों में वृद्धि होगी। उन्होंने होटल उद्योग, टूर गाइड, इको-टूरिज्म और सांस्कृतिक पर्यटन को बढ़ावा देने की आवश्यकता पर बल दिया, जिससे स्थानीय अर्थव्यवस्था को भी मजबूती मिलेगी।

राजस्थान के पर्यटन स्थलों की अपार संभावनाएं- राज्यपाल ने राजस्थान के किलों, हवेलियों, मंदिरों, वन्यजीव अभयारण्यों और पारिस्थितिकी तंत्र का उल्लेख करते हुए कहा कि राजस्थान देश और विदेश के पर्यटकों के लिए हमेशा आकर्षण का केन्द्र रहा है। उन्होंने कहा कि पर्यटन एक ऐसा उद्योग है जो अन्य छोटे व्यवसायों को भी प्रोत्साहित करता है, जिससे स्थानीय स्तर पर रोजगार के अवसरों में वृद्धि होती है।

धार्मिक पर्यटन का नया आयाम- कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे कोटा विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. कैलाश सोडानी ने कहा कि भारत में धार्मिक पर्यटन अब एक नए क्रांतिकारी इतिहास की ओर बढ़ रहा है। उन्होंने कहा कि महाकुंभ, अयोध्या मंदिर निर्माण और तिरुपति जैसे धार्मिक स्थल करोड़ों श्रद्धालुओं को आकर्षित करते हैं, जिससे पर्यटन उद्योग को नई ऊर्जा मिलती है। उन्होंने बताया कि पहले पर्यटन को कुछ गिने-चुने ऐतिहासिक स्थलों तक सीमित माना जाता था, लेकिन अब इसे नवाचार और सतत विकास के साथ जोड़ा जा रहा है।

कोटा एक उभरता हुआ पर्यटन केंद्र- उन्होंने कोटा के पर्यटन स्थलों का उल्लेख करते हुए कहा कि मुकुंदरा टाइगर रिजर्व, मथुराधीश मंदिर, रिवर फ्रंट, ऑक्सीजन पार्क, एयरोसिटी, एक्सप्रेस-वे के कारण कोटा में पर्यटन की अपार संभावनाएं हैं।

अतिथि देवो भवः भारत की प्राचीन परंपरा- मुख्य वक्ता हिमाचल प्रदेश की सेंट्रल यूनिवर्सिटी के प्रो. संदीप कुलश्रेष्ठ ने अपने संबोधन में कहा कि भारतीय संस्कृति में 'अतिथि देवो भव' की अवधारणा प्राचीन काल से चली आ रही है। उन्होंने कहा कि भारत में हमेशा से ही लोगों का एक स्थान से दूसरे स्थान पर भ्रमण होता आया है, जिसका उल्लेख वेदों और रामायण-महाभारत में भी मिलता है। उन्होंने कहा कि आने वाले समय में पर्यटन का नेतृत्व एशिया करेगा और भारत इसमें महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

वैश्विक मंच पर भारतीय पर्यटन की बढ़ती भूमिका- उन्होंने महाकुंभ का उदाहरण देते हुए बताया कि हाल ही में महाकुंभ में 65 करोड़ से अधिक श्रद्धालुओं ने स्नान किया। इतने लोगों के प्रयागराज आने से वहां की आर्थिक गतिविधियों को बढ़ावा मिला। उन्होंने कहा कि महाकुंभ का आयोजन न केवल पर्यटन का केन्द्र बिंदु बना, बल्कि इसने सामाजिक एकता का भी संदेश दिया।

पर्यटनः आर्थिक और सामाजिक विकास का साधन- कार्यक्रम की निदेशक प्रो. अनुकृति शर्मा ने पर्यटन की आर्थिक और सामाजिक भूमिका पर प्रकाश डालते हुए कहा कि हाड़ौती में पर्यटन के नए आयामों पर विचार-विमर्श करने और पर्यटन शिक्षा तथा पर्यटन उद्योग को बढ़ावा देने के उद्देश्य से इस सम्मेलन का आयोजन किया गया है। उन्होंने कहा कि यदि भारत में पर्यटन को नवाचार, डिजिटलाइजेशन और सतत विकास के साथ जोड़ा जाए, तो यह देश की अर्थव्यवस्था को नई ऊंचाइयों तक पहुंचा सकता है। सम्मेलन में पर्यटन से जुड़े छात्रों के साथ शिक्षा, पर्यटन एवं उद्योग जगत के प्रतिनिधियों ने बड़ी संख्या में हिस्सा लिया।

बाल विवाह की रोकथाम को लेकर प्रशासन अलर्ट

ग्राम व तहसील स्तर पर कमेटियां गठित, नियंत्रण कक्ष स्थापित, निमंत्रण पत्र में वर-वधू की जन्मतिथि प्रकाशित करना अनिवार्य

उदयपुर, 26 मार्च। आगामी अक्षय तृतीया 30 अप्रैल तथा पीपल पूर्णिमा 12 मई पर संभावित बाल विवाहों की रोकथाम के लिए जिला प्रशासन अलर्ट है। जिला मजिस्ट्रेट नमित मेहता ने ग्राम व तहसील स्तर पर कमेटियां गठित करते हुए नियंत्रण अधिकारी नियुक्त किए हैं। इसके अलावा अधिसूचना जारी कर जिले के सभी मुद्रकों को विवाह के निमंत्रण पत्रों पर वर-वधू की जन्मतिथि अंकित करने के लिए पाबंद किया है। बाल विवाह की सूचनाओं के त्वरित आदान प्रदान और अपेक्षित कार्यवाही के लिए जिला स्तर पर नियंत्रण कक्ष स्थापित किया गया है।

जिला मजिस्ट्रेट एव कलक्टर नमित मेहता ने बताया कि अक्षय तृतीया व पीपल पूर्णिमा पर बाल विवाह होने की संभावना रहती है। बाल विवाह कानूनन अपराध होने के साथ ही एक सामाजिक बुराई भी है। कम आयु में विवाह होने से वर-वधू दोनों के स्वास्थ्य पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है। अतः बाल विवाह की रोकथाम के लिए जिला प्रशासन पूरी तरह से अलर्ट है।

सतर्कता दल एवं समितियां गठित- जिले में बाल विवाह की प्रभावी रोकथाम के लिए जिले के प्रत्येक उपखण्ड क्षेत्र में संबंधित उपखण्ड अधिकारी, वृत्ताधिकारी तथा महिला एवं बाल विकास विभाग के परियोजना अधिकारी को शामिल करते हुए सतर्कता दल गठित किए गए हैं। इसके अलावा ग्राम एवं तहसील स्तर पर समितियां बनाई हैं। ग्राम स्तरीय समिति में संबंधित ग्राम विकास अधिकारी, हल्का पटवारी, बीट कॉनिस्टेबल तथा आषा सहयोगिनी -आंगनवाड़ी कार्यकर्ता को शामिल किया गया है। इसी प्रकार तहसील स्तरीय समिति में तहसीलदार, संबंधित विकास अधिकारी तथा थानाधिकारी को नियुक्त किया है।

इसके अलावा जिला मजिस्ट्रेट श्री मेहता ने हर 9-10 ग्राम पंचायतों पर एक नियंत्रण अधिकारी भी नियुक्त किया है। ये अधिकारी संबंधित उपखण्ड अधिकारियों से समन्वय रखते हुए क्षेत्र में बाल विवाह की रोकथाम के लिए वांछित कार्यवाही सुनिश्चित करेंगे।

7 दिन पहले जन्मतिथि दस्तावेजों के साथ देनी होगी सामूहिक विवाह की सूचना- जिला मजिस्ट्रेट श्री मेहता ने भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता 2023 की धारा 163 के तहत अधिसूचना जारी की। बाल अधिकारिता विभाग के सहायक निदेषक को नोडल अधिकारी नियुक्त किया है। जिले में मुद्रण कार्य से जुड़े सभी व्यक्तियों को विवाह निमंत्रण पत्र प्रकाषन से पूर्व वर-वधू के जन्मतिथि के दस्तावेज लेने, कार्ड में जन्मतिथि प्रकाषित करने तथा कार्ड की एक प्रति संबंधित उपखण्ड अधिकारी कार्यालय में अनिवार्य रूप से प्रस्तुत करने के लिए पाबंद किया गया है।

इसी प्रकार सामूहिक विवाह समारोहों में आयोजकों को पंजीबद्ध वर-वधू की जन्मतिथि बाबत् रेकार्ड प्राप्त एवं संधारित करने तथा संग्रहित सभी सूचनाएं सामूहिक विवाह आयोजन से 7 दिन पहले संबंधित उपखण्ड अधिकारी को प्रस्तुत करने के लिए भी निर्देशित किया गया है।

कंट्रोल रूम स्थापित- जिला मजिस्ट्रेट ने बाल विवाह की रोकथाम को लेकर सूचनाओं के त्वरित आदान प्रदान के लिए जिला स्तर पर कलेक्ट्रेट कार्यालय में नियंत्रण कक्ष स्थापित किया है। यह नियंत्रण कक्ष 26 मार्च से प्रारंभ होकर 15 मई तक 24 घंटे क्रियाशील रहेगा। नियंत्रण कक्ष के दूरभाष नंबर 0294-2414620 है। इसके अलावा उपखण्ड मजिस्ट्रेट कार्यालय तथा पुलिस अधिकारी कार्यालयों व थानों में भी नियंत्रण कक्ष स्थापित किए जा रहे हैं।

निर्वाणी अखाड़ा परिषद के महामंत्री ने देखी नर सेवा- नारायण सेवा

उदयपुर, 26 मार्च। अयोध्या हनुमानगढ़ी के महंत एवं निर्वाणी अखाड़ा परिषद के राष्ट्रीय महामंत्री सत्यदेव महाराज ने मंगलवार को नारायण सेवा संस्थान के निःशुल्क दिव्यांग चिकित्सा शिविर का उद्घाटन किया एवं सेवा प्रकल्पों का अवलोकन किया। संस्थान संस्थापक पद्मश्री कैलाश 'मानव', अध्यक्ष प्रशांत अग्रवाल और निदेशक वंदना अग्रवाल ने उनका पुष्पहार, पाग व उपरणा ओढ़ाकर स्वागत किया। उनके साथ फतह नगर स्थित श्री लक्ष्मीनारायण मंदिर के महंत श्री शिव शंकर दास महाराज भी थे।

स्वागत समारोह में विष्णु शर्मा हितैषी, अनिल आचार्य, कुलदीप सिंह शेखावत, गोविंद सोलंकी, महिम जैन सहित बड़ी संख्या में दिव्यांग व उनके परिजन मौजूद थे।

दुग्ध उत्पादक वार्षिक सम्मेलन गोलासन में आज

बाड़मेर, 26 मार्च। सोसायटी टु अपलिफ्ट रूरल इकोनामी बाड़मेर द्वारा केयर्न फाउंडेशन के सौजन्य से संचालित डेयरी विकास एवं पशुपालन परियोजना क्षेत्र के गांबो मैं संचालित दुग्ध संकलन केदो के सदस्यों एवं महिला स्वयं सहायता समूह के सदस्यों के लिए एक दिवसीय दुग्ध उत्पादक वार्षिक सम्मेलन 2025 का आयोजन दुग्ध उत्पादक सहकारी समिति परिसर गोलासन ग्राम पंचायत गोलासन में बुधवार को करवाया जा रहा है। डेयरी विकास एवं पशुपालन कार्यक्रम के कार्यक्रम प्रबंधक हनुमान राम चौधरी ने बताया कि इस वार्षिक सम्मेलन 2025 का मुख्य उद्देश्य दुग्ध उत्पादकों को एक मंच उपलब्ध करवा कर उनमें जागरूकता लाने के साथ दुग्ध उत्पादन एवं कृषि के क्षेत्र में नई तकनीकी एवं ज्ञानवर्दी के साथ उन्नत पशु तबेला को बढ़ावा देना व दुग्ध उत्पादकों को सरकारी गैर सरकारी एवं परियोजना के तहत संचालित विभिन्न योजनाओं उन्नत तकनीकी गर्मी के मौसम में दूध फटने की समस्या पर विस्तार से चर्चा एवं उनकी रोकथाम स्वच्छ दूध उत्पादन जैविक एवं मसाला खेती उत्पादन को बढ़ावा देने इत्यादि विषयों की महत्वपूर्ण जानकारियां प्रदान कर उनके सशक्तिकरण उनका आर्थिक उन्नयन व स्वरोजगार को बढ़ावा देने के साथ उन्नत तकनीकी के माध्यम से दुग्ध उत्पादको महिला स्वयं सहायता समूह सदस्यों एवं किसानों का सर्वांगीण विकास करने के साथ समितियां द्वारा किए जा रहे प्रयासों एवं कार्यों की समीक्षा कर आगामी कार्य योजना तैयार करवाना है। उक्त सम्मेलन में अलग-अलग विषय के विषय विशेषज्ञ कृषि पशुपालन डेयरी उन्नत जैविक खेती महिला सशक्तिकरण महिला कुटीर उद्योग एवं आयवर्धन इत्यादि के बारे में अपनी महत्वपूर्ण जानकारियां प्रदान करेंगे। उक्त सम्मेलन में अनुमानित 260 दुग्ध उत्पादक पुरुष एवं महिलाएं शिरकत करेंगे।

छोटी सादड़ी रोड़ पर राजस्थान लोक परिवहन सेवा बस से 1-010 किलाग्राम अवैध अफीम बरामद

कोटा, 26 मार्च। अधीक्षक (निवारक) उप नारकोटिक्स आयुक्त कार्यालय कोटा (राज.) की ओर से अवैध मादक पदार्थों की तस्करी पर रोक लगाने के लिए के चलाए जा रहे अभियान के तहत 24 मार्च 2025 को सीबीएन को एक ओर सफलता प्राप्त हुई है। केन्द्रीय नारकोटिक्स ब्यूरो (सी.बी.एन.) राजस्थान के उप नारकोटिक्स आयुक्त कोटा (राज.) श्री नरेश बुन्देल के मार्गदर्शन में यह अभियान पूरे प्रदेश में चलाया जा रहा है। उप नारकोटिक्स आयुक्त कोटा (राज.) श्री नरेश बुन्देल ने बताया की एक गुप्त सूचना मिली की 24 मार्च 2025 को एक व्यक्ति आवैध अफीम लेकर राजस्थान लोक परिवहन सेवा बस से चित्तौडगढ़ होते हुए गंगानगर जा रहा है। सीबीएन प्रतापगढ़ सेल के अधिकारियों ने संदिग्ध मार्ग पर कडी निगरानी रखी गई और मधुरा तालाब चौराहा प्रतापगढ़ से छोटी सादड़ी रोड़ पर राजस्थान लोक परिवहन सेवा बस से 1-010 किलाग्राम अवैध अफीम बरामद की गई। कानूनी औपचारिता पूरा करने के पश्चात बरामद अफीम को जब्त कर लिया गया और एनडीपीएस अधिनियम 1985 के प्रासंगिक प्रावधानों के तहत एक व्यक्ति को गिरफतार किया गया है।

राज्य स्तरीय युवा एवं रोजगार उत्सव 29 मार्च को

कोटा, 26 मार्च। राजस्थान दिवस के उपलक्ष्य में मुख्यमंत्री श्री भजन लाल शर्मा के मुख्य आतिथ्य में राज्य स्तरीय युवा एवं रोजगार उत्सव का आयोजन 29 मार्च, शनिवार को श्रीराम रंगमंच दशहरा मैदान में किया जाएगा। उत्सव में मुख्यमंत्री विभिन्न विभागों में नव नियुक्त कार्मिकों से संवाद कर नियुक्ति पत्र प्रदान करेंगे।

रोजगार सहायता शिविर- जिला प्रशासन एवं रोजगार कार्यालय के संयुक्त तत्वावधान में रोजगार सहायता शिविर का आयोजन 29 मार्च, शनिवार को प्रातः 10 से सायं 4 बजे तक श्रीराम रंगमंच दशहरा मैदान में आयोजित किया जाएगा जिसमें युवाओं को निजी क्षेत्र में रोजगार एवं रोजगार परक प्रशिक्षण के विशेष अवसर प्राप्त होंगे। उप निदेशक उप क्षेत्रीय रोजगार कार्यालय मनोज कुमार पाठक ने बताया कि शिविर में भाग लेने के लिए आशार्थियों द्वारा क्यू-आर कोड के माध्यम से पंजीयन किया जा रहा है। शिविर स्थल पर भी आशार्थी क्यू-आर कोड के माध्यम से अपना पंजीयन कर सकते हैं। शिविर में राज्य एवं राज्य से बाहर की विभिन्न निजी कंपनियां टेक्निशियन, रिलेशनशिप ऑफिसर, फील्ड ऑफिसर, सर्विस इंजीनियर, टेक्निकल ऑपरेटर, फाईनेन्स एडवाइजर, सेल्स मैनेजर एवं सिक्योरिटी सुपरवाइजर आदि पदों के लिए रिक्तियां प्राप्त हुई हैं।

कार्यालय नगरपालिका पावटा-प्रागपुरा (कोटपूतली-बहरोड)

क्रमांक : न.पा.पा.प्रा. / 2024-25 / 467 दिनांक : 20.03.2025

निविदा सूचना संख्या (33/2024-25)
(NIB NUMBER - DLB2425A6685)

एतदद्वारा यह है कि नगर पालिका पावटा प्रागपूरा में नगरीय विकास कर का सर्वे का कार्य हेतु मोहरबन्द निविदाएं आमन्त्रित की जाती है। निविदा सम्बन्धित अधिक जानकारी वेबसाईट www.sppp.rajasthan.gov.in पर उपलब्ध हैं एवं किसी भी कार्य दिवस को कार्यालय में आकर देखी जा सकती है।

UBN - DLB2425WSRC21593

अधिशाषी अधिकारी
नगरपालिका पावटा-प्रागपुरा

राज.संवाद / सी / 24 / 13843

पर्यटन मंत्री दिया कुमारी को कोटा टूरिज्म से संबंधित पुस्तक भेंट

पुस्तक 'कोटा टूरिज्म - विजिट कोटा - यादगार कोटा'

कोटा, 26 मार्च। राजस्थान लेखा सेवा के सेवा निवृत अधिकारी एवं यूआईटी के पूर्व राजस्व सलाहकार परमानन्द गोयल द्वारा लिखित पुस्तक 'कोटा टूरिज्म- विजिट कोटा - यादगार कोटा' के द्वितीय संस्करण की प्रति विधानसभा जयपुर में कोटा दक्षिण के विधायक संदीप शर्मा के नेतृत्व में राजस्थान सरकार की उप मुख्यमंत्री, पर्यटन मंत्री एवं वित्त मंत्री श्रीमती दिया कुमारी को भेंट की गई।

पर्यटन की दृष्टि से समृद्ध हाड़ौती में पर्यटन को दिशा देने के लिए होटल फेडरेशन ऑफ़ राजस्थान कोटा डिवीज़न, कोटा विकास प्राधिकरण, कोटा व्यापार महासंघ, चंबल इंटरनेशनल फ़िल्म फ़ेस्टिवल, अर्बन हेराल्ड जैसी संस्थाओं के द्वारा पिछले कुछ समय से सतत प्रयास किए जा रहे हैं। कोटा संभाग में ऐतिहासिक धरोहरों, विश्वस्तरीय कलाकृतियों, मनोरंजन स्थल, पुरातत्व संरक्षण, धार्मिक स्थल, सामाजिक एवं सांस्कृतिक दृष्टि से विभिन्न दर्शनीय स्थल, इन्फ्रास्ट्रक्चर, फ़िल्म शूटिंग के लिए शानदार लोकेशंस का खजाना है। पर्यटन की दृष्टि से कोटा संभाग का नाम विश्व के मान चित्र के पटल पर उभर कर सामने आए इस हेतु आवश्यक है इन सबके साथ कनेक्टिविटी, नवाचार, कोचिंग, उद्योग, कृषि, सिंचाई, जलवायु, होटल - रिसॉर्ट्स आदि के संबंध में हो। इस क्रम में इस दृष्टि से इस पुस्तक में विस्तृत जानकारी दी गई है।

देवेन्द्र सिंह चौहान द्वारा बताया कि पुस्तक भेंट करने में पुस्तक के लेखक एवं संपादक परमानन्द गोयल, राजस्थान अधीनस्थ लेखा सेवा के पूर्व प्रदेशाध्यक्ष व रिटायर्ड ऑफ़िसर्स एसोसिएशन के अध्यक्ष दिनेश जैन, अजय सोरल, आर के जैन, बी के शर्मा, रवि गुप्ता, के पी गोरवाल, दिनेश विजय, धीरेन्द्र जैन, महावीर जैन, लक्ष्मण सिंह, रणवंत सिंह राणा उपस्थित रहे। पुस्तक के द्वितीय संस्करण में कई जानकारियों को अद्यतन करते हुए एवं नवीन सामग्री सहित कोटा संभाग से संबंधित पर्यटन स्थलों की नवीनतम जानकारी एवं फोटोग्राफ्स का समावेश किया गया है। इस संस्करण में कोटा संभाग से संबंधित कई और जानकारियां भी दी गई है।

इस पुस्तक को इंटरनेशनल स्टैण्डर्ड बुक नंबर भी आवंटित हो गए हैं। इस पुस्तक में कोटा संभाग के पर्यटन की दृष्टि से के संबंध में विस्तृत जानकारी दी गई है। यह पुस्तक पर्यटन स्थलों के संबंध में जो रुचि रखते हैं तथा विद्यार्थियों के लिए भी बहुत उपयोगी है। यह पुस्तक विशेष रूप से कोटा संभाग के पर्यटन को गति देने में सहायक होगी।

जल ही जीवन है इसे बचाइये

कार्यालय नगर पालिका किशनगढ बास (खैरथल-तिजारा) राज0

क्रमांक - 6077 दिनांक- 22.03.2025

ऑनलाईन निविदा सूचना सं. ....

नगर पालिका किषनगढ बास द्वारा परिषद क्षेत्र में लाईट कार्य हेतू ऑनलाईन निविदा http://eproc.rajasthan.gov.in के माध्यम से आमन्त्रित की जाती है। निविदा सूचना राजस्थान लोक उपागम पोर्टल की वेबसाईट http://sppp.raj.nic.in एवं http://eproc.rajasthan.gov.in पर निम्नानुसार विवरण के द्वारा देखी जा सकती है-

NIB CODE : DLB2425A6837

Work No.	Estimated Cost	UBN No. on SPPP PORTAL	Tender ID on Eproc Portal
1	49.84 Lac.	DLB2425WSRC22237	2025_DLB_454409_1

अधिशाषी अधिकारी
नगर पालिका किशनगढ़ बास

राज.संवाद / सी / 24 / 13851

RAJASTHAN STATE GANGANAGAR SUGAR MILLS LIMITED
Regd. Office: Center of Excellence for Revenue Research & Analysis
तृतीय मंजिल, अरण्य भवन के पास, झालानाडूंगरी, जयपुर-302004
Tel: 0141-2740841, Fax: 0141-2740676, Email-ID : dgmpurchase.rsgsm@rajasthan.gov.in

NOTICE INVITING BIDS

UBN	NIB No.	Particulars	Last Date of Submission Of Bids
UBN: GSM2425GLR C00113	26	RATE CONTRACT FOR PROCUREMENT OF BOPP TAPE	Till date 16.04.2025 6.00 pm
UBN: GSM2425GLR C00114	27	RATE CONTRACT FOR CORRUGATED BOXES FOR 180 ML PET NIPS & GLASS NIPS	Till date 24.04.2025 6.00 pm

Other particulars of the bid may be visited on the procurement portal (http://eproc.rajasthan.gov.in, http://sppp.rajasthan.gov.in) of the state; http://excise.rajasthan.gov.in/, departmental website. Further updates about the bidding will be available only on http://eproc.rajasthan.gov.in therefore interested bidders are advised to visit above website regularly for updates.

Raj.Samwad/C/24/13829 Dy. General Manager (Purchase)

कार्यालय ग्राम पंचायत रातंगा, पंचायत समिति जायल (नागौर)

क्रमांक: ग्रा.पं./निविदा/2024-25/22 दिनांक: 19-03-25

ई-निविदा सूचना / 2024-25

ग्राम पंचायत रातंगा, पंचायत समिति जायल में विधायक स्थानीय क्षेत्र विकास योजना के तहत करवाये जाने वाले निर्माण कार्य के लिये सक्षम श्रेणी के संवेदकों व विनिर्माताओं से ई-निविदा आमंत्रित की जाती हैं। निविदा संबंधित विस्तृत विवरण बेब पोर्टल www.sppp.rajasthan.gov.in व www.eproc.rajasthan.gov.in पर देखा जा सकता है। निविदाऐं निर्धारित दिनांक को उपस्थित निविदादाताओं के समक्ष कय समिति द्वारा खोली जायेगी।

NIB- ZNR2425A0707
UBN- ZNR2425WSOB01184, ZNR2425WSOB01185, ZNR2425WSOB01186,
NIB- ZNR2425A0706, UBN- ZNR2425WSOB01183

प्रशासक, ग्राम पंचायत रातंगा, पंचायत समिति जायल, जिला-नागौर (राज.)
ग्राम विकास अधिकारी, ग्राम पंचायत रातंगा, पंचायत समिति जायल, जिला-नागौर (राज.)

डीआईपीआर/सी/4225/25

कार्यालय अधिशाषी अभियंता, जन स्वा. अभि. विभाग खण्ड, मेडतासिटी

क्रमांकः- अअमे/निविदा/2024-25/6772 दिनांकः- 17.03.2025

निविदा सूचना सं. 59-62/2024-2025

राजस्थान के राज्यपाल महोदय की ओर से इस खण्ड के अधीन विभिन्न जलयोजनाओं के संचालन एवं संधारण कार्य हेतु उपर्युक्त श्रेणी में जन स्वास्थ्य अभियान्त्रिक विभाग राजस्थान में पंजीकृत संवेदकों एवं राज्य सरकार/केन्द्र सरकार के अधिकृत संगठनों/केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग/डाक एवं दूरसंचार विभाग/रेल्वे इत्याद में पंजीकृत संवेदकों, जो कि राजस्थान सरकार के एए, ए, बी, सी, डी श्रेणी के संवेदकों के समकक्ष हो, से निर्धारित प्रपत्र में ई-टेन्डरिंग प्रक्रिया हेतु ऑनलाईन निविदाएं आमंत्रित की जाती हैं। निविदा फार्म दिनांक 17.03.2025 को 5.30 बजे से दिनांक 03.04.2025 को 18.00 बजे तक डाउनलोड किए जा सकेंगे। निविदाएं दिनांक 04.04.2025 को 12:00 बजे खण्डीय कार्यालय में खोली जावेगी। निविदा से संबंधित विवरण वेबसाईट http://dipr.rajasthan.gov.in/tender.asp तथा http://eproc.rajasthan.gov.in व http://sppp.raj.gov.in पर देखा जा सकता है। इच्छुक संवेदकों को अपने डिजिटल हस्ताक्षर के माध्यम से वेबसाईट http://eproc.rajasthan.gov.in पर रजिस्टर्ड करवाना आवश्यक है।

एसपीपी एनआईबी नंबरः- PHE2425A5317

निविदा सूचना संख्या	एसपीपी यूबीआई नम्बर	निविदा सूचना संख्या	एसपीपी यूबीआई नम्बर
59/2024-25	PHE2425WSRC11648	61/2024-25	PHE2425WSRC11650
60/2024-25	PHE2425WSRC11649	62/2024-25	PHE2425WSRC11651

(सुरेश कुमार माली) अधिशाषी अभियंता
जन स्वा. अभि. विभाग खण्ड, मेडतासिटी
मोबाइल नं.: 8279108040

डीआईपीआर/सी/3972/2025

कार्यालय अधीक्षण अभियंता एवं परियोजना प्रबन्धक वाटरशेड सेल कम डाटा सेन्टर डीडवाना-कुचामन
(कार्यालय पंचायत समिति डीडवाना परिसर)

मेलः sewdsc.deed.kuchaman@rajasthan.gov.in

क्रमांकः WCDC/निविदा/PMKSY-2.0/2024-25/368 दिनांकः 17.03.2025

ई-निविदा सूचना संख्या- 07/PMKSY-2.0/2024-25

राजस्थान के राज्यपाल महोदय की ओर से जलग्रहण विकास एवं भू-संरक्षण विभाग जिला डीडवाना-कुचामन में PMKSY-2.0 अन्तर्गत स्वीकृत कार्यों के कुल 1 पैकेज टांका निर्माण कार्य के लिए उपर्युक्त श्रेणी में सार्व. निर्माण विभाग, जल संसाधन विभाग, जन स्वा. अभि. विभाग, सिंचित क्षेत्र विकास में पंजीकृत संवेदकों एवं राज्य सरकार/केन्द्रीय सरकार के अधिकृत संगठनों/केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग/डाक एवं दूर संचार विभाग/रेलवे इत्यादि में पंजीकृत संवेदकों जो कि राजस्थान सरकार के विभिन्न सक्षम श्रेणी के संवेदकों के समकक्ष हो से निर्धारित प्रपत्र में ई-प्रोक्योरमेंट प्रक्रिया द्वारा दिनांक 27.03.2025 को सायं 06.00 बजे तक ऑनलाइन निविदाएं आमंत्रित की जाती हैं। कार्य का विस्तृत विवरण "https://sppp.rajasthan.gov.in", "https://eproc.rajasthan.gov.in" वेबसाइट पर देखा जा सकता है।

NIB Code: WSC2425A0673, UBN No.: WSC2425WSOB01406
(2025_WDSC_453202_1)

अधीक्षण अभियंता एवं परियोजना प्रबन्धक
वाटरशेड सेल कम डाटा सेन्टर, डीडवाना-कुचामन

डीआईपीआर/सी/3997/2025

कार्यालय अधिशाषी अभियंता, जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग, खण्ड अलवर
ई-मेलः phed_eealw@rediffmail.com
पताः जलदाय परिसर, मनुमार्ग, जिला अलवर, पिनकोड-301001

क्रमांकः 5560-74 दिनांकः 17.03.2025

निविदा सूचना संख्या 62-64/2024-25

राजस्थान के राज्यपाल महोदय की ओर से निम्न निर्माण कार्यों के लिए पी.डब्ल्यू.एफ. एण्ड ए.आर. पार्ट द्वितीय अपेण्डिक्स-16 दिनांक 01.07.99 से लागू एवं समय-समय पर पंजीयन नियमों संबंधी वित्त विभाग द्वारा जारी संशोधित प्रपत्रों आज तक के अनुरूप पंजीकृत/योग्य ठेकेदारों से मोहरबंद निविदाएं आमंत्रित की जाती हैं। निविदा प्रपत्र संख्या 62-64 दिनांक 17.03.2025 से वेबसाइट http://dipr.rajasthan.gov.in/tenders.asp पर देखी जा सकती है तथा निविदा तथा निविदा प्रपत्र sppp.rajasthan.gov.in तथा विभागीय वेबसाईट rajwater.gov.in पर देखे एवं यहां से डाउनलोड किया जाकर प्राप्त की जा सकती है। **निविदा शुल्क ई-ग्रास पोर्टल पर ई-चालान के माध्यम से स्वीकार होगी।** बिना निविदा शुल्क निविदा को निरस्त माना जावेगा। निविदा अपलोड की तिथि 27.03.2025 को सायंकाल 5:00 बजे तक निविदा इस कार्यालय में प्राप्त की जावेगी एवं अगले दिन प्रात 11:00 बजे उपस्थित निविदादाताओं के समक्ष खोली जावेगी। निविदा निविदा प्राप्त करने/बेचेने की दिनांक को यदि राजकीय अवकाश हो तो निविदा अगले कार्यदिवस में बेची/खोली जावेगी। निविदा संवेदक अथवा उसके अधिकृत प्रतिनिधि को ही विक्रय की जावेगी। निम्न हस्ताक्षरकर्ता को बिना कारण बताये किसी भी निविदा अथवा भाग को निरस्त करने का अधिकार होगा। निविदा की लागत कम या अधिक की जा सकती है।

NIB No.: PHE2425A5331, UBN No.: PHE2425WSRC11669
UBN No.: PHE2425WSRC11671, UBN No.: PHE2425WSRC11674

निविदा का कार्य	संलग्न प्रपत्र अनुसार
कुल राशि	5553072/-
कुल धरोहर राशि (रुपयों में)	111061/-
निविदा प्रपत्र/डाउनलोड एवं विक्रय की तिथि	17.03.2025 से 27.03.2025 सायं 5.00 बजे तक
धरोहर राशि जमा कराने की तारीख	17.03.2025 से 27.03.2025 सायं 5.00 बजे तक
निविदा जमा कराने की तारीख	17.03.2025 से 27.03.2025 सायं 5.00 बजे तक
निविदा खोलने की तारीख	28.03.2025 प्रातः 11.00 बजे

अधिशाषी अभियंता
जन स्वा. अभि. विभाग,
खण्ड अलवर

डीआईपीआर/सी/3994/2025

रेलवे में धूम्रपान करने वालों पर रेलवे सुरक्षा बल ने की कार्रवाई

कोटा, 26 मार्च। भारतीय रेलवे ने यात्रियों और कर्मचारियों की स्वास्थ्य सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए रेलवे स्टेशनों और ट्रेनों में धूम्रपान पर प्रतिबंध किया है। यह कदम रेलवे द्वारा यात्रियों को स्वच्छ, सुरक्षित और स्वास्थ्यप्रद वातावरण प्रदान करने एवं आगजनी की घटनाओं को रोकने के लिए उठाया गया है। पश्चिम मध्य रेल, रेलवे सुरक्षा बल ने यह सुनिश्चित करने के लिए ठोस कदम उठाए हैं कि रेलवे परिसर, स्टेशन और ट्रेन में कहीं भी धूम्रपान न किया जाए। इसके लिए रेल अधिनियम की धारा 167 एवं सिगरेट और अन्य तम्बाकू उत्पाद अधिनियम 2003 के तहत यह प्रतिबंध लागू है, और इसका उल्लंघन करने वालों पर जुर्माना लगाकर कानूनी कार्रवाई की जाती है। वर्ष 2024 में रेलवे सुरक्षा बल द्वारा रेलवे परिसर में धुम्रपान करने वाले 8,304 व?यक्तियों के विरूद्ध कार्रवाई कर 16,35,120/- रूपये का जुर्माना वसूला गया तथा वर्ष 2025 में अब तक 1,836 व्यक्तियों के विरूद्ध कार्रवाई कर 3,48,700/- रूपये का जुर्माना वसूला गया। धूम्रपान करने से रेल परिसर एवं ट्रेनों में आग लगने का खतरा बढ़ सकता है, खासकर ट्रेनों में जहां कई इलेक्ट्रिकल और ज्वलनशील सामग्री होती है। रेल प्रशासन यात्रियों से अनुरोध करता है कि वे रेलवे परिसर में धूम्रपान करने से बचें और नियमों का पालन करें ताकि यात्रियों को एक स्वस्थ और सुरक्षित यात्रा का अनुभव हो सके।

विश्व रंगमंच दिवसः थिएटर फोटोग्राफी कार्यशाला में प्रतिभागी सीखेंगे रंगमंच छायाचित्रण की बारीकियां

उदयपुर, 26 मार्च। विश्व रंगमंच दिवस (27 मार्च) के उपलक्ष्य में पश्चिम क्षेत्र सांस्कृतिक केंद्र उदयपुर की ओर से दो दिवसीय थिएटर फोटोग्राफी वर्कशॉप का आयोजन किया जा रहा है। पश्चिम क्षेत्र सांस्कृतिक केंद्र उदयपुर के निदेशक फुरकान खान ने बताया कि तकनीक के बेतहाशा विकास और डिजीटल एरा के इस आधुनिक युग में हर मुट्ठी मोबाइल ने छायांकन कला को बहुत सुलभ और विस्तृत कर दिया है। लेकिन छायांकन कला की आधारभूत जानकारी का अभाव और कैमरा-लाइट-एंगल के बेहतर उपयोग नहीं समझ पाने की दशा में अच्छे फोटोग्राफ्स नहीं आते और बिना सोचे समझे क्लिक करते रहने से डिजीटल कचरा ही संग्रहित होता है।

कार्यालय नगर परिषद, सवाई माधोपुर-राज.

क्रमांक / न.प.स.मा. / 2024-25 / 17232 दिनांकः 17.03.2025

-:: ई-निविदा सूचना वर्ष 2024-25 ::-

केन्द्र एवं राज्य सरकार में उपयुक्त श्रेणी के ठेकेदारों एवं नगर पालिका/परिषद/निगम/स्वायत्त शासन विभाग के निविदाताओं से आयुक्त/अधिशाषी अभियन्ता द्वारा सम्बन्धित निविदा आमंत्रित की जाती है कार्यो की अनुमानित लागत 10.00 लाख से 15.00 लाख तक है। टेण्डर बेचे जाने तथा प्राप्त करने की तारिख, टेण्डर शर्त आदि सम्पूर्ण विवरण राजस्थान सरकार के पोर्टल Website:- www.sppp.raj.nic.in. www.eproc.rajasthan.gov.in देखा जा सकता है।

स्टेट पब्लिक प्रोक्योरमेंट का UBN Code-DLB2425WSOB21734, DLB2425WSOB21740

राज.संवाद / सी / 24 / 13914 आयुक्त, नगर परिषद, सवाई माधोपुर

आज का दिन

चैत्र कृष्ण पक्ष द्वादशी, विक्रम सं. 2081, शक संवत् 1946, हिजरी 1446, तद्नुसार अंग्रेजी दिनांक 26 मार्च, सन् 2025 ईस्वी।
वार- बुधवार, सूर्य-उत्तरायण, ऋतु-शिशिर

सम्पादकीय

हास्य-व्यंग्य को बर्दाश्त की राजनीति की क्षमता पर सवाल

स्टैंडअप कमीडियन कुणाल कामरा के शो के बाद जिस तरह से गुस्साए शिवसैनिकों ने आयोजनस्थल में तोड़फोड़ मचाई और उन्हें धमकियां दे रहे हैं, वह न केवल कानून-व्यवस्था के हालात पर प्रतिकूल टिप्पणी है बल्कि हास्य-व्यंग्य को बर्दाश्त करने की राजनीति की क्षमता पर भी सवाल उठाता है। अफसोस की बात है कि देश में ऐसे मामले बढ़ते जा रहे हैं, जिनमें आहत होती भावनाएं अभिव्यक्ति की आजादी पर भारी पड़ जाती हैं। जहां तक मुंबई पुलिस की इस घटना पर प्रतिक्रिया का सवाल है तो यह अच्छी बात है कि उसने दोनों पक्षों की शिकायतों पर ध्यान दिया है। कमीडियन कुणाल कामरा के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है तो तोड़फोड़ करने वालों के खिलाफ भी एफआईआर दर्ज की गई है। लेकिन यह पहला ही कदम है। आगे उसकी जांच किस तरह से आगे बढ़ती है और दोनों पक्षों के खिलाफ कार्रवाई कैसी दिशा लेती है, यह देखना बाकी है। इस पूरे प्रकरण का एक निराशाजनक नतीजा मुंबई के खार स्थित हैबिटेट कॉमिडी क्लब बंद किए जाने की घोषणा के रूप में सामने आया। क्लब के मालिकों के मुताबिक, जब भी किसी शो को लेकर विवाद होता है तो उन्हें टारगेट किया जाने लगता है। हालांकि शो के दौरान जो भी परफॉरमेंस होती है, उसके कंटेंट से उनका कोई लेना-देना नहीं होता। बहरहाल, इस तरह के क्लब का बंद होना कला और संस्कृति की उन्नत चेतना के लिए जाने जाने वाले महाराष्ट्र जैसे राज्य की छवि के लिए नुकसानदेह है। मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने इस मामले में शो के कंटेंट पर आपत्ति जताते हुए कहा है कि राज्य में कॉमिडी करने की स्वतंत्रता है, लेकिन इसका मतलब यह नहीं कई कुछ भी बोले। इसमें दो राय नहीं कि अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के साथ जिम्मेदारी भी आती है। और हर कोई अपने बोले शब्दों के लिए कानून के आगे जिम्मेदार है। लेकिन क्या यह जिम्मेदारी सुनिश्चित करने के लिए किसी ग्रुप को कानून अपने हाथ में लेने दिया जाएगा? खबरों के मुताबिक, इस शो में निशाना महाराष्ट्र के उप-मुख्यमंत्री और शिवसेना के लीडर एकनाथ शिंदे को बनाया गया था। शो में कही गई बातों से सहमत होना कतई जरूरी नहीं है। लेकिन आखिरकार वह एक हंसी-मजाक का शो था और उसे इसी नजर से देखा जाना चाहिए।

कमीडियन कुणाल कामरा के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है तो तोड़फोड़ करने वालों के खिलाफ भी एफआईआर दर्ज की गई है। लेकिन यह पहला ही कदम है। आगे उसकी जांच किस तरह से आगे बढ़ती है और दोनों पक्षों के खिलाफ कार्रवाई कैसी दिशा लेती है, यह देखना बाकी है।

विदेशी अखबारों से

सरकार के खिलाफ मुकदमे करने वाले वकीलों पर होगी कार्रवाई

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने अटॉर्नी जनरल पाम बॉन्डी को उन वकीलों और कानूनी फर्मों के आचरण की समीक्षा करने का निर्देश दिया, जिन्होंने प्रशासन के खिलाफ़ तुच्छ मुकदमे दायर किए हैं या आव्रजन पहल को रोकने का प्रयास किया है, सीएनएन ने रिपोर्ट किया। ट्रम्प ने उन वकीलों के खिलाफ पिछली शिकायतों को फिर से हवा दी, जिन्होंने उनका विरोध किया था और उन व्यक्तियों और फर्मों को उनकी सुरक्षा मंजूरी रद्द करके और उनके पास मौजूद किसी भी संघीय अनुबंध को समाप्त करके दंडित करने का वचन दिया। इस कदम ने अमेरिका में कानूनी समुदाय पर ट्रम्प की कार्रवाई को और व्यापक बना दिया। शनिवार को व्हाइट हाउस द्वारा जारी एक राष्ट्रपति ज्ञापन में ट्रम्प ने कहा कि बहुत से वकीलों और कानूनी फर्मों ने संघीय सरकार के खिलाफ मुकदमा चलाने या निराधार पक्षपातपूर्ण हमलों को आगे बढ़ाने में इन आवश्यकताओं को लंबे समय से अनदेखा किया है। बॉन्डी को निर्देश दिया गया है कि उन वकीलों और कानूनी फर्मों के खिलाफ प्रतिबंध लगाने की मांग करें जो संयुक्त राज्य अमेरिका के खिलाफ या संयुक्त राज्य अमेरिका के कार्यकारी विभागों और एजेंसियों के समक्ष मामलों में तुच्छ, अनुचित और परेशान करने वाले मुकदमेबाजी में संलग्न हैं। जनवरी के आखिर से ट्रम्प प्रशासन पर 100 से ज़्यादा मुकदमे दर्ज हुए हैं। हालांकि, मेमो का असली असर अनिश्चित बना हुआ है, क्योंकि इसकी अस्पष्ट भाषा में यह स्पष्ट रूप से परिभाषित नहीं किया गया है कि किस तरह का आचरण वकीलों या फर्मों के खिलाफ दंडात्मक कार्रवाई को उचित ठहराएगा।

प्रेरक प्रसंग

राम भजो

कुंदन काका एक फैक्ट्री में पेड़ काटने का काम करते थे. अधिकतर मजदूर उनसे जलते थे। एक दिन एक नौजवान युवक मजदूर सामने आया और बोला- मालिक! आप हमेशा इन्ही काका की तारीफ़ करते हैं। इस पर मालिक बोले अगर ऐसा ही है तो क्यों न कल पेड़ काटने की प्रतियोगिता हो जाए। अगले दिन प्रतियोगिता शुरू हुई। मजदूर बाकी दिनों की तुलना में जल्दी-जल्दी हाथ चला रहे थे। सबने देखा कि शुरू के आधा दिन बीतने तक काका ने 4-5 ही पेड़ काटे थे। ऊपर से रोज की तरह वे अपने समय पर एक कमरे में चले गए जहां वो रोज आराम करने जाया करते थे। अब मालिक ने पेड़ों की गिनती शुरू की। बाकी मजदूर तो कुछ ख़ास नहीं कर पाए। उन्होंने 11 पेड़ काटे। अब काका के काटे पेड़ों की गिनती होने लगी तो आखिरी पेड़ बारहवां था। तभी हारे हुए मजदूर ने पूछा- काका, मैं अपनी हार मानता हूँ। लेकिन यह तो बताइये कि आप में ताकत भी कम है और ऊपर से आप काम के बीच आधे घंटे विश्राम भी करते हैं, फिर भी आप सबसे अधिक पेड़ कैसे काट लेते हैं? इस पर काका बोले- बेटा सीधा सा कारण है। जब मैं विश्राम करने जाता हूं तो उस दौरान कुल्हाड़ी की धार तेज कर लेता हूं, जिससे बाकी समय में मैं कम मेहनत के साथ तुम लोगों से अधिक पेड़ काट पाता हूं। सभी मजदूर आश्चर्य में थे कि सिर्फ थोड़ी देर धार तेज करने से कितना फर्क पड़ जाता है। इसी प्रकार जब भी आराम का समय मिले बेफिक्र ना बन जाएं बल्कि उस समय को प्रभु स्मरण में लगाए, जिससे कठिन समय मे भी आप उतने ही सार्थक बने रहें।

छावा विवाद से किसका नफा, किसका नुकसान

उमेश चतुर्वेदी

समाजशास्त्री और चुनाव शास्त्री मानते हैं कि धार्मिक ध्रुवीकरण का फायदा राजनीति के उस हिस्से को होता है, जो मध्यमार्गी नहीं होती। उन्हें इसमें एक और तथ्य भी जोड़ देना चाहिए कि ध्रुवीकरण का फायदा राष्ट्रविरोधी ताकतों को भी मिलता है। तीन सौ साल पुराने शहर नागपुर का दंगों की आग में झुलसना तो यही बताता है। यह भी ध्यान देने की बात है कि नागपुर में अब तक कभी दंगा नहीं हुआ। बाबरी ध्वंस के बाद महाराष्ट्र के कई इलाके जब सुलग रहे थे, तब भी नागपुर शांत था। लेकिन औरंगजेब के चरित्र पर जब 'छावा' फिल्म ने सवाल उठाए तो नागपुर जल उठा।

विक्की कौशल और रश्मिका मंदाना अभिनीत फिल्म 'छावा' फिल्म के चलते मुगल बादशाह औरंगजेब इन दिनों चर्चा में है। औरंगजेब भी चर्चा में तब आया, जब मुंबई के एक विधायक अबू आजमी ने उसकी प्रशंसा कर दी। इसके बाद विवाद इतना बढ़ा कि महाराष्ट्र से लेकर देश की राजनीति सुलगने लगी। वामपंथी और राष्ट्रवादीय ऐतिहासिक दृष्टि तो पहले से ही औरंगजेब को लेकर बंटी हुई है, ऐसे में राजनीति नहीं बंटती तो हैरत ही होती। राजनीति के इस बंटवारे पर निगाह जमाए बैठी भारत विरोधी ताकतों को मौका मिला और नागपुर में दंगा फैल गया। अब दंगे की जांच जैसे-जैसे आगे बढ़ रही है, पता चल रहा है कि औरंगजेब को लेकर जैसे-जैसे विवाद बढ़ा, धार्मिक आधार पर वैचारिक ध्रुवीकरण बढ़ा। इसने सामाजिक समरसता के पथ के नीचे जैसे बारूद बिछा दी। इस बारूद के इंतजार में बैठी भारत विरोधी ताकतों को मौका माकूल लगा और उन्होंने अफवाह की माचिस धीरे से जलाकर बारूद के ढेर पर फेंक दी। नागपुर के दंगों में बांग्लादेशी कनेक्शन के संकेत तो यही हैं। समाजशास्त्री और चुनाव शास्त्री मानते हैं कि धार्मिक ध्रुवीकरण का फायदा राजनीति के उस हिस्से को होता है, जो मध्यमार्गी नहीं होती। उन्हें इसमें एक और तथ्य भी जोड़ देना चाहिए कि ध्रुवीकरण का फायदा राष्ट्रविरोधी ताकतों को भी मिलता है। तीन सौ साल पुराने शहर नागपुर का दंगों की आग में झुलसना तो यही बताता है। यह भी ध्यान देने की बात है कि नागपुर में अब तक कभी दंगा नहीं हुआ। बाबरी ध्वंस के बाद महाराष्ट्र के कई इलाके जब सुलग रहे थे, तब भी नागपुर शांत था। लेकिन औरंगजेब के चरित्र पर जब 'छावा' फिल्म ने सवाल उठाए तो नागपुर जल उठा।

औरंगजेब महान था या क्रूर, इसे लेकर इतिहासकार कभी एकमत नहीं हो सकते। वैसे इतिहास लेखन की जो नई धाराएं हैं, उनमें किसी भी ऐतिहासिक शख्सियत का सम्यक मूल्यांकन नहीं होता। बल्कि इतिहासकार अपने-अपने वैचारिक खेमे के लिहाज से अपनी सरपरस्त राजनीतिक धारा को फायदा पहुंचाने को लेकर ऐतिहासिक चरित्रों को पेश करता है। औरंगजेब के चरित्र को लेकर लिखे गए इतिहास की भी यही कहानी है। यह बताने की जरूरत नहीं कि औरंगजेब को वामपंथी इतिहासकार महान शासक बताते रहे हैं। स्कूली पाठ्यक्रमों में औरंगजेब के बारे में पढ़ाया ही जाता रहा है कि बादशाह होने के बावजूद वह टोपी सिलकर और कुरान बेचकर अपना खर्च चलाता था। इस तथ्य को स्कूली स्तर से ही भारत की दो पीढ़ियों में इस कदर घोलकर पिला दिया गया है, उसके अन्य क्रूर कार्यों की छाप कहीं नेपथ्य में चली जाती है। बेशक औरंगजेब कुरान बेचकर और टोपी सिलकर अपना दैनंदिन खर्च चलाता था, लेकिन यह भी सच है कि उसने सल्तनत अपने नाम करने के लिए अपने ही भाई दाराशिकोह की हत्या करा दी थी, अपने ही पिता शाहजहां और माता को आगरा के किले में कैद कर रखा था। औरंगजेब के खाते में अपने शासन के दौरान हिंदुओं पर तरह-तरह के अत्याचार भी दर्ज हैं। नागपुर के दंगों को लेकर महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने जो कहा है, उसे लेकर भी विवाद हो रहा है। फड़णवीस ने कहा है कि छावा फिल्म को लेकर मुस्लिम समुदाय में गुस्सा था। वैसे नागपुर में अफवाह फैलाई गई कि कुरान को जलाया जा रहा है। इसके बाद नागपुर का मुस्लिम समुदाय आक्रामक हो उठा और देखते ही देखते संतरा उत्पादन इलाके की राजधानी के रूप में विख्यात नागपुर धधक उठा। जब से शिवसेना के रास्ते बीजेपी से अलग हुए हैं, तब से उद्धव ठाकरे वाली शिवसेना बीजेपी और उसके मराठी अगुआ देवेंद्र फड़णवीस पर हमले और तंज कसने का कोई मौका नहीं छोड़ती। मराठी मानुष की नजर में हिंदू हृदय सम्राट रहे बाला साहब देवरस की वैचारिक उत्तराधिकारी होने का दावा करने वाली शिवसेना के लिए देवेंद्र फड़णवीस का बयान बढ़िया अवसर लगा। उसने देवेंद्र फड़णवीस पर हमला बोल दिया। उद्धव की शिवसेना इस बहाने देवेंद्र को यह साबित करने में जुटी रही कि दरअसल वे सिर्फ हिंदुओं के वोट के लिए हिंदुतव की राजनीति करते हैं, अलबत्ता उनका नजरिया दूसरा है। यह बात और है कि बीजेपी की ओर से शिवसेना के बयानों पर वैसी प्रतिक्रियाएं नहीं आई हैं, जैसी उसकी प्रतिक्रिया अबू आजमी के बयान के बाद आई थी, जिसमें आजमी ने औरंगजेब की प्रशंसा की थी।

अगर हम मान लेते हैं कि छावा की वजह से मुस्लिम समुदाय में गुस्सा था, क्योंकि इस फिल्म में औरंगजेब के चरित्र को उनके जेहनी छवि से अलग रूप में पेश किया गया है, तो इसका मतलब यह है कि फिल्म किताब की तुलना में कहीं ज्यादा प्रभावी माध्यम है। यह फिल्म मराठी के मशहूर उपन्यासकार शिवाजी सावंत के इसी नाम के उपन्यास पर आधारित है। दिलचस्प यह है कि यह उपन्यास करीब 46 साल पहले 1979 में प्रकाशित हुआ था, जिसका हिंदी समेत कई अन्य भाषाओं में अनुवाद हो चुका है। छावा का मतलब बच्चा या बेटा होता है। यह उपन्यास शिवाजी के बेटे संभाजी के जीवन पर केंद्रित है। इस उपन्यास में छत्रपति संभाजी के साथ औरंगजेब के युद्ध और मराठा साम्राज्य पर औरंगजेब के अत्याचार की कहानियां हैं। फिल्म में इसे ही उभारा गया है।

वैसे एक सवाल यह भी उठता है कि ऐतिहासिक चरित्रों को लेकर कोई समुदाय इस कदर क्यों खुद की भावनाओं को जोड़ लेता है? औरंगजेब के चरित्र को लेकर इतना गुस्से में भरने की जरूरत ही क्यों पड़े कि अपने आज के पड़ोसियों के साथ विवाद खड़ा करना पड़े। अगर किसी चरित्र का ऐतिहासिक स्वरूप क्रूरता से भरा है तो क्रूरता का बचाव ही क्यों करना? सवाल राजनीति से भी पूछे जा सकते हैं कि राजनीतिक लाभ-हानि के हिसाब को कब परे रखकर ऐतिहासिक चरित्रों का समग्रता से मूल्यांकन करेगी? सवाल यह भी उठ सकता है कि क्या हम इतिहास को लेकर रोज-रोज के अपने रिश्तों को इतना बिगाड़ लेंगे कि हम वर्तमान में अपने साथियों और पड़ोसियों के साथ सुकून के साथ बैठ नहीं सकें, दो बोल बोल नहीं सकें। सवाल इतिहासकारों से भी पूछा जाना चाहिए कि वे कब अपनी वैचारिक खेमेबाजी से उठकर किसी ऐतिहासिक घटना और चरित्र का आकलन करेंगे और कब तक अपने वैचारिक आकाओं के राजनीतिक मोहरे बनते रहेंगे?

इन सबमें दिलचस्प यह है कि छावा फिल्म के जरिए फिल्मकार की मोटी कमाई हो रही है। इन पंक्तियों के लिखे जाने तक यह फिल्म साढ़े सात सौ करोड़ रुपए से ज्यादा की कमाई कर चुकी थी। यानी विवादों ने फिल्म को आर्थिक फायदा खूब पहुंचाया है। इस पूरे विवाद में अगर नुकसान हुआ है तो सिर्फ और सिर्फ भारत के लोक का, जो लोकतंत्र का आधार है। जो आपस में ही लड़ने को उतारू है। उसे ऐतिहासिक चरित्रों को लेकर अपनी खेमेबंदी अपने वैचारिक आधारों की बुनियाद पर खड़ी करने की बजाय समग्रता में करनी होगी। अन्यथा उसकी भावनाओं के जरिए कारोबार भी होगा और राजनीति भी होती रहेगी।

न्यायपूर्ण परिसीमन की लड़ाई!

राजेंद्र शर्मा

केंद्र सरकार के, शिक्षा के लिए तमिलनाडु राज्य के फंड उल्लेखनीय पैमाने पर रोकने ने इस टकराव को तेज किया और केंद्र सरकार के इसके ऐलान ने इस टकराव को विस्फोटक बिंदु पर पहुंचा दिया कि 2020 की राष्ट्रीय शिक्षा नीति और विशेष रूप से त्रिभाषा फार्मूले को जब तक तमिलनाडु लागू नहीं करता है, उसको रुका हुआ फंड नहीं दिया जाएगा। तमिलनाडु सरकार ने, जो त्रिभाषा फार्मूले को तमिलनाडु समेत गैर-हिंदीभाषी इलाके पर हिंदी थोपने की कोशिश के रूप में देखती है, न सिर्फ फंड रोकने के डंडे के बल पर केंद्र की शिक्षा नीति तथा भाषा नीति थोपने की इन कोशिशों को ठुकरा दिया बल्कि अवज्ञापूर्ण रुख अपनाते हुए, केंद्र की इस मनमानी का हर कीमत पर विरोध करने का भी ऐलान कर दिया।

यह समस्या का आदर्श समाधान नहीं है। सत्ताधारी पार्टी का कुल मिलाकर जो रुख नजर आता है, उसके चलते ही विपक्ष को, एक बचाव उपाय के रूप में ही यह रुख अपनाना पड़ा लगता है। वर्ना होना तो यही चाहिए था कि इस दिशा में किसी भी तरह के कदम उठाने से पहले, केंद्र सरकार सभी राजनीतिक शक्तियों के साथ खुली चर्चा कर, गैर-हिंदी राज्यों की चिंताओं का समाधान खोजती। है रानी की बात नहीं है कि नरेंद्र मोदी सरकार ने अपनी करनियों और अकरनियों से इस देश की राजनीतिक व्यवस्था में उत्तर और दक्षिण के पुराने विभाजन को फिर से भड़का दिया है। जैसाकि हमने इससे पहले एक लेख में जिक्र किया था, इस विभाजन को बढ़ाने का काम मौजूदा केंद्र सरकार की भाषा नीति और शिक्षा रीति-नीति ने किया है। केंद्र सरकार के, शिक्षा के लिए तमिलनाडु राज्य के फंड उल्लेखनीय पैमाने पर रोकने ने इस टकराव को तेज किया और केंद्र सरकार के इसके ऐलान ने इस टकराव को विस्फोटक बिंदु पर पहुंचा दिया कि 2020 की राष्ट्रीय शिक्षा नीति और विशेष रूप से त्रिभाषा फार्मूले को जब तक तमिलनाडु लागू नहीं करता है, उसको रुका हुआ फंड नहीं दिया जाएगा। तमिलनाडु सरकार ने, जो त्रिभाषा फार्मूले को तमिलनाडु समेत गैर-हिंदीभाषी इलाके पर हिंदी थोपने की कोशिश के रूप में देखती है, न सिर्फ फंड रोकने के डंडे के बल पर केंद्र की शिक्षा नीति तथा भाषा नीति थोपने की इन कोशिशों को ठुकरा दिया बल्कि अवज्ञापूर्ण रुख अपनाते हुए, केंद्र की इस मनमानी का हर कीमत पर विरोध करने का भी ऐलान कर दिया।

इसी दौरान, मोदी सरकार के इरादों को लेकर गंभीर आशंकाओं से भड़के एक और मुद्दे ने, उत्तर-दक्षिण के विवाद को और उग्र बना दिया है। यह मुद्दा है, आने वाले समय में होने वाली जनगणना के बाद, होने वाले परिसीमन या जन-प्रतिनिधित्व की इकाई के रूप में लोकसभाई क्षेत्रों के पुनर्सीमांकन का। जन प्रतिनिधित्व की व्यवस्था में संतुलन बनाए रखने के लिए आवश्यक समायोजन की व्यवस्था करते हुए, देश के संविधान में इसका प्रावधान किया गया था कि हरेक दस साला जनगणना के बाद, उसके आधार पर संसदीय क्षेत्रों का पुनर्सीमांकन किया जाए, ताकि इस दौरान आए जनसांख्यिकीय बदलावों को हिसाब में लिया जा सके। इन बदलावों के लिए दो अलग-अलग स्तरों पर, परिसीमन के जरिए परिवर्तन किए जाते हैं। राज्यों के स्तर पर यानी राज्यों के अंदर परिवर्तन और राज्यों के बीच में परिवर्तन। इसी आधार पर, दशकीय जनगणना को आधार बनाकर, पहला परिसीमन 1952 में हुआ था और उसके बाद 1963 तथा 1973 में परिसीमन हुआ था और इसके जरिए लोकसभा की सीटों की संख्या क्रमश: 494, फिर 522 और फिर 543 तय की गयी थी। बहरहाल, 1976 में एक संविधान संशोधन के जरिए, परिसीमन की प्रक्रिया को 25 साल के लिए स्थगित कर दिया गया और लोकसभा की सीटों की संख्या को तब तक के जहां का तहां रोक दिया गया। इसके पीछे विचार यह था कि जिन राज्यों में आबादी ज्यादा बढ़ रही थी, उन्हें इसी के बल पर लोकसभा सीटों की संख्या में बढ़ोतरी के जरिए प्रोत्साहित नहीं किया जाए। बहरहाल, इसके बाद यानी 2001 की जनगणना के बाद भी दक्षिण भारतीय राज्यों के कड़े विरोध के सामने, अटल बिहारी वाजपेयी की सरकार को भी सीटों की कुल संख्या के लिहाज से परिसीमन पच्चीस साल और यानी 2026 तक रोके रखने और सीटों की संख्या जहां की तहां बनाए रखने का कदम उठाना पड़ा था। इसके बाद, परिसीमन आयोग का गठन तो किया गया, लेकिन उसे जनगणना के आंकड़ों के आधार पर राज्यों की सीमाओं के अंदर ही सीमित परिसीमन करना था।

2026 के बाद होने वाले इसी पूर्ण परिसीमन ने दक्षिण भारतीय राज्यों और अन्य गैर-हिंदीभाषी राज्यों की भी इसकी आशंकाओं को भड़का दिया है कि यह परिसीमन, लोकसभा की उनकी सीटों की संख्या के रूप में, उनका राजनीतिक वजन घटाने का औजार बनने जा रहा है। इसका कारण आसानी से समझा जा सकता है। आबादी में वृद्धि की दर कम करने के मामले में, दक्षिण भारतीय राज्यों और उत्तर भारतीय राज्यों के बीच अब भी बहुत भारी अंतर बना हुआ है। यह अंतर बेशक घटा है, फिर भी उल्लेखनीय रूप से बड़ा बना हुआ है और इन पचास वर्षों में आबादी वृद्धि दरों से आबादियों के बीच का फासला बहुत ज्यादा बढ़ गया है।

ऐसे हालात में यदि आबादी के आधार पर ही परिसीमन किया जाता है, तो संसदीय प्रतिनिधित्व के अनुपात के लिहाज से गैर-हिंदी प्रदेशों का राजनीतिक वजन उल्लेखनीय तरीके से घट जाएगा और हिंदी भाषी क्षेत्र का राजनीतिक वजन उसी अनुपात में बढ़ जाएगा। ऐसा होने में आज केंद्र में सत्ता में बैठे संघ-भाजपा को राजनीतिक फायदा नजर आ रहा है क्योंकि गैर-हिंदी क्षेत्र ही उनका मजबूत राजनीतिक गढ़ है, जबकि खासतौर पर दक्षिणी भारत में उनकी ताकत बहुत ज्यादा नहीं है। इस संबंध में वर्तमान सत्ताधारियों की नीयत को लेकर संदेह इसलिए और भी बढ़ जाते हैं कि उनके पसंदीदा प्रोजैक्ट के रूप में बनाये गए नये संसद भवन में, जिसकी संकल्पना में किसी व्यापक राजनीतिक परामर्श का कोई दखल नहीं था, भविष्यदृष्टि के नाम पर लोकसभा में 800 से ज्यादा सीटों की व्यवस्था रखी गयी है। यह इसका स्पष्ट संकेत करता है कि वर्तमान सरकार, परिसीमन के फलस्वरूप लोकसभा की सीटों में उल्लेखनीय बढ़ोतरी होने का अनुमान लगाकर चल रही है। और जैसाकि हमने पीछे कहा, आबादी पर आधारित परिसीमन के जरिए सीटों की बढ़ोतरी का अर्थ होगा, हिंदी-भाषी क्षेत्र का संसदीय वजन उल्लेखनीय रूप से बढ़ जाना और विशेष रूप से दक्षिण का वजन उसी अनुपात में घट जाना। इस सिलसिले में विशेष रूप से दक्षिण भारतीय राज्यों की गंभीर आशंकाओं तथा चिंताओं को एक हद तक शांत करने की कोशिश में, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कुछ ही हफ्ते पहले, तमिलनाडु के अपने एक दौरे के क्रम में यह आश्वासन दिया था कि यह सुनिश्चित किया जाएगा कि परिसीमन से किसी भी राज्य की सीटें घटेंगी नहीं बल्कि सभी की सीटों में बढ़ोतरी होगी।

हास्य-व्यंग्य

आलोक पुराणिक

डांस, धमाल, स्टार और क्रिकेट भी...

आ लिया जी आईपीएल आ लिया।

आईपीएल है क्या जी है।

आईपीएल डांस है, चीयर लीडर है, धमाल है, ग्लैमर है, नोट भर भर हैं, चकर मचर है, डांस धमाल का शो खास भी है, सिद्धू की कमेंट्रीनुमा बकवास भी है। बवाल है, सवाल है, आईपीएल बहुत कुछ है। शो में दम है, बहुत रकम है।

ओके ओके हमने तो सुना है कि आईपीएल क्रिकेट टूर्नामेंट है।

जी थोडा बहुत क्रिकेट भी होता है, मतलब हो जाता है। पर क्रिकेट ऐसा होता है कि जिसका कोई आफिशियल रिकार्ड ना रखा जाता है। आफिशियल रिकार्ड में आईपीएल की कोई वैल्यू नहीं होती।

अजी छोड़िये, आफिशियल की क्या खाक वैल्यू होती है। हमारे परिचय में है पुलिस में एक कांस्टेबिल हैं, आफिशियल सेलरी पच्चीस हजार रुपये है, अनआफिशियल ऊपर से वह ढाई लाख कमाते हैं। इसकी वैल्यू है। आफिशियल को पूछता कौन है। पाकिस्तान के आफिशियल प्राइम मिनिस्टर शहबाज शरीफ हैं, पर उनकी वैल्यू क्या है कौन पूछता है उनको।

ओके तो हम मान सकते हैं कि आईपीएल क्रिकेट का आफिशियल टूर्नामेंट नहीं है फिर इसमें दुनिया भर के वड्डे वड्डे प्लेयर क्यों खेलते हैं। जब आईपीएल के रिकार्डों की आफिशियल वैल्यू है ही नहीं, तो फिर वड्डे वड्डे प्लेयर क्यों खेलते हैं आईपीएल में।

प्लेयर रिकार्डों के लिए नहीं पैसे के लिए खेलते हैं। पैसे बहुत हैं आईपीएल में, रिकार्ड विकार्ड की चिंता किसी को नहीं हैं। रिकार्ड से क्या होता है, पैसों से सब कुछ होता है। खिलाड़ी रिकार्ड के लिए नहीं पैसे के लिए खेलते हैं। पैसों के लिए ही चीयर लीडर डांस करती हैं। अरे कैसी बात कर रहे हैं, चीयर लीडर डांसरों को खिलाड़ियों के लेवल पर रख रहे हैं। डांस अलग कला है, क्रिकेट अलग खेल है। चीयर लीडर की कला अलग है, डांस समारोह में डांस की कला का प्रदर्शन होता है, आईपीएल अगर क्रिकेट का टूर्नामेंट है, तो इसमें क्रिकेट की बात होनी चाहिए, यह चीयर लीडर डांस का जिक्र क्यों है।

देखो जी मजमा जुटाना है, तो डांस भी होगा और सर्कस भी होगा। बंदर डांस भी हो सकता है, पब्लिक आनी चाहिए। पब्लिक आयेगी तो पैसा बनेगा। पैसा है, तो क्रिकेट है।

अरे क्या बात कर रहे हैं, पैसा है तो क्रिकेट है। क्रिकेट कला है, क्रिकेट को ऐसे मत कहिये। क्रिकेट को सिर्फ पैसे से ना जोड़िये, क्रिकेट से पैसा आ जाता है, यह बात अलग है, पर क्रिकेट का मतलब सिर्फ पैसा नहीं है।

पुणे बिली जीन किंग कप एशिया-ओसनिया ग्रुप-1 टूर्नामेंट की मेजबानी करेगा

पुणे। पुणे देश के टेनिस इतिहास में पहली बार प्रतिष्ठित बिली जीन किंग कप एशिया-ओसनिया ग्रुप-1 टूर्नामेंट की मेजबानी करेगा, जबकि महाराष्ट्र 25 साल के अंतराल के बाद 8 से 12 अप्रैल तक म्हालुंगे बालेवाड़ी टेनिस कॉम्प्लेक्स में इस आयोजन की मेजबानी करेगा। न्यूजीलैंड, चीनी ताइपे, हांगकांग, कोरिया और थाईलैंड सहित एशिया ओसनिया क्षेत्र की छह टीमें, मेजबान भारत के अलावा, राउंड-रॉबिन प्रारूप में खेलेंगी, जिसमें सभी मुकाबलों में तीन मैच होंगे - दो एकल और उसके बाद युगल। मुंबई ओपन डब्ल्यूटीए और महा ओपन एटीपी चैलेंजर की सफलता के बाद, एआईटीए और पीएमडीटीए के सहयोग से एमएसएलटीए उच्चतम स्तर का एक और आयोजन पाकर रोमांचित है। अय्यर ने कहा, एमएसएलटीए ने पुणे में लगभग सभी बड़े टेनिस आयोजनों की मेजबानी की है, लेकिन हमने कभी भी बीकेजेसी या फेड कप की मेजबानी नहीं की है। एआईटीए और एमएसएलटीए ने इस आयोजन के लिए बोली लगाई है, ताकि लड़कियों के लिए घरेलू परिस्थितियों में उच्चतम स्तर पर प्रतिस्पर्धा करना आसान हो सके। घरेलू समर्थन और परिचित परिस्थितियों के साथ, भारतीय टीम प्रतियोगिता में अपनी पिछली सफलता को दोहराने और क्षेत्र से उपलब्ध दो योग्यता स्थानों में से एक के लिए मजबूत बोली लगाने का लक्ष्य रखेगी। अंकिता रैना की अगुआई वाली भारतीय महिला टेनिस टीम में सहजा यमलापल्ली, श्रीवल्ली भामिदीपती और वैदेही चौधरी (सभी 300 और 358 के बीच रैंक की हैं) भी शामिल हैं।

अनुभवी युगल विशेषज्ञ प्रार्थना थोम्बरे (युगल में 137 रैंक की हैं), जो हाल ही में डब्ल्यूटीए मुंबई ओपन में उपविजेता रहीं, के शामिल होने से कप्तान विशाल उप्पल को टूर्नामेंट में जाने के लिए कई रणनीतिक विकल्प मिलते हैं।

जापान, चीन और कजाकिस्तान जैसी कुछ शक्तिशाली टीमों की अनुपस्थिति के बावजूद, भारतीय टीम को न्यूजीलैंड, थाईलैंड, कोरिया, ताइवान और हांगकांग की कड़ी चुनौती का सामना करना पड़ेगा। न्यूजीलैंड की लुलु सन, जो वर्तमान में विश्व में 44वें स्थान पर हैं, निस्संदेह प्रतियोगिता की मुख्य खिलाड़ी हैं। उन्हें अपनी टीम की साथी मोनिक बैरी और आइशी दास का समर्थन प्राप्त होगा, क्योंकि वे एक मजबूत छाप छोड़ने का लक्ष्य रखती हैं। इस बीच, थाईलैंड में मननचया सवांगकेव (111) और लैनलाना तरारुडी (173) के रूप में दो उच्च रैंक वाली एकल खिलाड़ी हैं, साथ ही थासापोर्न नाकलो, पैचरिन चीपचंदेज और अनुभवी युगल विशेषज्ञ पींगटार्न प्लिप्यूच की एक अच्छी टीम है।

शरीक खान ने जीती 36वीं वीवा सीनियर मिस्टर चंडीगढ़ बॉडी बिल्डिंग चैंपियनशिप

चंडीगढ़। चंडीगढ़ एमेच्योर बॉडीबिल्डिंग एसोसिएशन द्वारा रानी लक्ष्मी भवन महिला ऑडिटोरियम सेक्टर 38 चंडीगढ़ में 23 मार्च 2025 को आयोजित बॉडीबिल्डिंग चैंपियनशिप में 100 से अधिक बॉडीबिल्डरों ने भाग लिया। हितेश छिकारा ने 33वीं जूनियर मिस्टर चंडीगढ़ का खिताब जीता और उन्हें 32 इंच की एलईडी टीवी से सम्मानित किया गया।

विमन और मेन फिजिक डिवीजन में क्रमशः नंदिका और कृष्ण सिंह विजेता घोषित किए गए। दोनों को 42 इंच की एलईडी टीवी, 5,100 रुपये का नकद

पुरस्कार और डबल बेड गद्दे दिए गए।

मास्टर श्रेणी में सुमित को ओवरऑल चैंपियन का ताज पहनाया गया और उन्हें 5,100 रुपए के नकद पुरस्कार के साथ 42 इंच की एलईडी टीवी से सम्मानित किया गया।

सांसद मनीष तिवारी इस मौके पर मुख्य अतिथि थे और उन्होंने विजेताओं को पुरस्कार प्रदान किए।

व्यापार समाचार

मुथूट फाइनेंस को एसएंडपी ग्लोबल रेटिंग्स से मिली 'बीबी+' रेटिंग

कोच्चि, एजेंसी। भारत की सबसे बड़ी स्वर्ण ऋण (गोल्ड लोन) एनबीएफसी, मुथूट फाइनेंस लिमिटेड को एसएंडपी ग्लोबल रेटिंग्स से 'बीबी+/बी' रेटिंग मिली है, जिसका दृष्टिकोण (आउटलुक) स्थिर (स्टेबल) है। इस रेटिंग से कंपनी के सुरक्षित वित्तीय आधार, विवेकपूर्ण जोखिम प्रबंधन और बदलते नियामक ढांचे के साथ आगे बढ़ने के प्रति इसका लचीलापन रेखांकित होता है। कंपनी की इस बेहतर रेटिंग से निवेशकों का भरोसा और बढ़ने की उम्मीद है और इससे मुथूट फाइनेंस की दीर्घकालिक वृद्धि से योजनाओं को समर्थन भी मिलेगा।

मुथूट फाइनेंस के प्रबंध निदेशक, जॉर्ज अलेक्ज़ेंडर मुथूट ने कहा कि कंपनी की रेटिंग में बढ़ोतरी (अपग्रेड) से हमारी बैलेंस शीट, लाभप्रदता बढ़ाने, परिचालन दक्षता बढ़ाने और सतत विकास से जुड़ी रणनीतियों को क्रियान्वित करने के लिहाज़ से हमारी निरंतर प्रगति ज़ाहिर होती है। इससे वित्तीय लचीलापन और स्थिरता बनाए रखते हुए गतिशील बाज़ार स्थितियों से निपटने से जुड़ी हमारी क्षमता पर निवेशकों, भागीदारों और ग्राहकों सहित बाहरी हितधारकों का भरोसा रेखांकित होता है।

एसएंडपी ग्लोबल रेटिंग्स ने अपने आकलन में कहा कि हमने मुथूट फाइनेंस के लिए अपनी जारीकर्ता क्रेडिट रेटिंग को 'बीबी/बी' से बढ़ाकर 'बीबी+/बी' कर दिया है। यह हमारे इस दृष्टिकोण को दर्शाता है कि कंपनी अगले 12 महीनों में अपनी उत्कृष्ट पूंजी और आय बरकरार रखते हुए भारत में विशेष रूप से उच्च स्तर के फिनको से जुड़े बेहतरीन विनियमनों का लाभ उठाएगी।

जीतो धन धना धन हर टाटा आईपीएल मैच में 100 विजेताओं के साथ वापस आ गया है

मुंबई, एजेंसी। टाटा आईपीएल 2025 सीजन के शुरू होने में 24 घंटे से भी कम समय बचा है, ऐसे में जियोस्टार ने आज अपने लोकप्रिय प्रिडिक्ट-एंड-विन फैंस एंगेजमेंट प्रतियोगिता जीतो धन धना धन (JDDD) की वापसी की घोषणा की है और My11Circle को लगातार दूसरे सीजन के लिए टाइटल प्रायोजक बनाया गया है। जीतो धन धना धन जियोहॉटस्टार पर एक फ्री-टू-प्ले प्रतियोगिता है, जिसमें दर्शक भाग ले सकते हैं और रियल टाइम की प्रिडिक्शन और सामान्य ज्ञान के सवालों के साथ टाटा आईपीएल को लाइव देखते हुए पुरस्कार, ब्रांड कूपन जीत सकते हैं, जिससे देखने का अनुभव और भी रोमांचक और फायदेमंद हो जाता है। जियोस्टार ओपनिंग वीकेंड और टाटा आईपीएल 2025 के फाइनल के दौरान जीतो धन धना धन खेलने वाले दर्शकों को रोमांचक एसयूवी देगा। दर्शक गेम देखते समय फोन को पोर्ट्रेट मोड में रख सकते हैं और ऐप पर समर्पित 'जीतो' टैब पर जा सकते हैं, जहां हर ओवर से पहले चार विकल्पों के साथ सवाल दिखाई देता है। 18वें सीज़न के हर एक मैच में सबसे सही जवाब देने वाले दर्शकों को स्मार्ट टीवी, रेफ्रिजरेटर, वॉशिंग मशीन, माइक्रोवेव ओवन सहित 100 पुरस्कार दिए जाएंगे। जीतो धन धना धन को दूसरे स्क्रीन पर जुड़ाव का अनुभव बनाने के इरादे से, इस सीजन में स्टार स्पोर्ट्स पर दर्शकों को एक क्यूआर कोड या यूआरएल jeeto.jiohotstar.com के माध्यम से लाइव मैचों के दौरान अभूतपूर्व स्तर की जुड़ाव का अनुभव मिलेगा।

जियोस्टार-खेल प्रवक्ता ने कहा, हमारे विजेताओं में उत्साह और खुशी का माहौल है।

भीलवाड़ा एनर्जी लिमिटेड करेगा एलएनजे ग्रीनपेट में रु 750 करोड़ का निवेश

दिल्ली, एजेंसी। भीलवाड़ा एनर्जी लिमिटेड ने आधुनिक बी2बी फूड ग्रेड पीईटी रेज़िन मैनुफैक्चरिंग प्लांट का लॉन्च किया है। राजस्थान में 95 एकड़ में फैला यह मैनुफैक्चरिंग प्लांट नौकरियों के 700 से अधिक अवसर उत्पन्न करेगा। एलएनजे ग्रीनपेट, राजस्थान के टोंक ज़िले में स्थित भारत का सबसे बड़ा सिंगल-प्रिमाइसेस बॉटल-टू-बॉटल (बी2बी) रीसायकल्ड पीईटी रेज़िन मैनुफैक्चरिंग प्रोजेक्ट होगा।

इस अवसर पर श्री रीजु झुनझुनवाला, मैनेजिंग डायरेक्टर, भीलवाड़ा एनर्जी लिमिटेड ने कहा, "हम विश्वस्तरीय रेज़िन युनिट बनाने के लिए प्रयासरत हैं, जो भारत के शुद्ध-शून्य दृष्टिकोण के अनुरूप उद्योग जगत की बदलती ज़रूरतों को पूरा कर सके। 2014 में आरसीपीएफ युनिट की स्थापना ग्रूप का पहला सफल बेंचमार्क था, हमारा मानना है कि भारतीय उद्योगों को सर्कुलेरिटी को अपनाना चाहिए। एलएनजे ग्रीनपेट स्थायित्व की दिशा में एक और बड़ा कदम है जो प्लास्टिक रीसायक्लिंग के महत्व को पहचान कर प्लास्टिक व्यर्थ प्रबन्धन के लिए उचित समाधान उपलब्ध कराएगा।"

प्रोजेक्ट के संचालन की शुरूआत सितम्बर 2026 में हो जाएगी और इसमें प्रति दिन 20 मिलियन पीईटी बोतलों को रीसायकल करने तथा सालाना 100 किलोटन फूड ग्रेड बी2बी आर पीईटी रेज़िन उत्पादन की क्षमता होगी। यह पीईटी बोतल रीसायक्लिंग में ग्रुप की दूसरी पहल है, इससे पहले 2014 में रीसायकल्ड पॉलिस्टर फाइबर युनिट की स्थापना सफलतापूर्वक की गई थी, जो वर्तमान में रोज़ाना 6 मिलियन पीईटी बोतलों को रीसायकल करती है तथा सालाना 43000 + एमटी से अधिक फाइबर ग्रीन का उत्पादन करती है।

सेलर्स के लिए अमेज़न का बड़ा कदम: 1.2 करोड़ से अधिक प्रोडक्ट्स पर ज़ीरो रेफरल फीस

बेंगलुरु, एजेंसी। अमेज़न इंडिया ने आज देश भर में amazon.in पर बिक्री करने वाले लाखों छोटे व्यवसायों की मदद के लिए सेलर्स फीस में अपनी अब तक की सबसे बड़ी कटौती की घोषणा की। ड्डद्वड्ड5श्ठ्ठ.द्बठ्ठ पर सेलर्स की वृद्धि को और बढ़ावा देने के उद्देश्य से कंपनी ने ?300 से कम कीमत वाले 1.2 करोड़ से अधिक प्रोडक्ट्स पर से रेफरल फीस पूरी तरह हटाने (ज़ीरो रेफेरल फीस) का प्रावधान किया है। रेफरल फीस एक तरह का कमीशन है, जो सेलर्स बेचे गए हर प्रोडक्ट के लिए अमेज़न को देते हैं। शून्य रेफरल फीस का यह प्रावधान 135 से अधिक प्रोडक्ट कटेगोरिएस पर लागू होगा।

अमेज़न ने ईज़ी शिप और सेलर फ्लेक्स जैसे वाह्य फुलफिलमेंट चैनलों का उपयोग करने वाले सेलर्स के लिए सरलीकृत फ्लैट दर भी पेश किया है, जिसमें राष्ट्रीय शिपिंग दरें अब रु.77 से कम होकर रु.65 से शुरू होती हैं। ईज़ी शिप एक फुलफिलमेंट चैनल है जिसके तहत अमेज़न सेलर्स के स्थान से पैकेज इकट्ठा करती है और उन्हें ग्राहकों तक पहुंचाता है। अमेज़न सेलर फ्लेक्स के अंग के रूप में, सेलर्स के गोदाम के एक हिस्से को अमेज़न फुलफिलमेंट सेंटर के रूप में प्रबंधित करती है।

इसके अलावा, कंपनी ने 1 किलोग्राम से कम वज़न वाले सामानों के लिए वज़न प्रबंधन फीस में रु.17 तक की कटौती की है, जिससे सेलर्स को अब अमेज़न को कम फीस का भुगतान करना पड़ता है। एक बार में एक से अधिक प्रोडक्ट इकाई की शिपिंग करने वाले सेलर्स को दूसरी इकाई पर बिक्री फीस में 90त्न से अधिक तक की बचत देखने को मिलेगी। इन बदलावों से सेलर्स को व्यापक सेलेक्शन, प्रतिस्पर्धी ऑफर देने और अपने व्यवसाय को बढ़ाने में मदद करेंगे। संशोधित फीस 7 अप्रैल, 2025 से लागू होंगे।

अमेजन इंडिया के सेलिंग पार्टनर सर्विसेज के निदेशक, अमित नंदा ने कहा, अमेजन इंडिया में, हम सभी सेलर्स को आगे बढ़ने में मदद करने के लिए प्रतिबद्ध हैं क्योंकि हमारा दृढ़ विश्वास है कि हमारी सफलता उनकी सफलता में निहित है। हम करोड़ों प्रोडक्ट्स पर रेफरल फीस को समाप्त कर और शिपिंग लागत को कम कर सेलर्स के लिए amazon.in पर बिक्री को और अधिक आकर्षक बना रहे हैं। यह पहल अमेज़न पर सेलर्स की वृद्धि का समर्थन करती है, जिससे उन्हें व्यापक चयन प्रदान करने और ग्राहकों को अधिक प्रतिस्पर्धी ऑफर पेश करने में सक्षम बनाया जाता है, खासकर रोज़मर्रा की कम कीमत वाली वस्तुओं पर। अपने परिचालन में दक्षता हासिल करने के साहत साथ-साथ हम सुनिश्चित करते हैं कि वे लाभ हमारे सेलर्स और ग्राहकों तक पहुंचें। रेफरल फीस खत्म होने और शिपिंग लागत कम होने से सेलर्स को काफी बचत हो जाती है।

अमेज़न ने 2013 में, भारत में अपना ई-कॉमर्स व्यवसाय सिर्फ 100 सेलर्स, चुनिंदा शहरों में डिलीवरी और मुख्य रूप से विभिन्न किस्म के किताब आदि की बिक्री के साथ शुरू किया था। आज, amazon.in के मार्केटप्लेस पर 1.6 मिलियन (16 लाख) से ज़्यादा सेलर्स हैं जो स्मार्टफोन से लेकर घरेलू सामान, स्टेशनरी से लेकर रसोई के प्रोडक्ट और बागवानी के औज़ारों से लेकर संगीत वाद्ययंत्रों तक विभिन्न किस्म के प्रोडक्ट भारत के सभी सेवा योग्य पिन-कोड पर ग्राहकों को बेचते हैं।

कंपनी छोटे व्यवसायों को डिजिटल बनाने का प्रयास कर रही है ताकि प्रोडक्ट्स का संग्रह बड़ा हो, टेक्नोलॉजी का उपयोग कर अड़चनों को दूर किया जा सके और ग्राहकों को मूल्य प्रदान किया जा सके। यह भारत में खरीदारी और बिक्री के तरीके को बदलने के अमेज़न के दृष्टिकोण के अनुरूप है। amazon.in पर 90% से ज़्यादा सेलर्स छोटे और मध्यम व्यवसाय हैं, और 50% से ज़्यादा सेलर्स आधार टियर 2, 3 और 4 शहरों में स्थित हैं। यह देश भर में स्थानीय उद्यमियों और व्यवसायों को सशक्त बनाने के प्रति अमेज़न की प्रतिबद्धता को दर्शाता है, जो भारत की डिजिटल अर्थव्यवस्था के विकास में योगदान देता है।

टीसीएस कोडवीटा 2025 में 'विश्व के सर्वश्रेष्ठ कोडर' का खिताब जीता 24 वर्षीय ताइवानी छात्र ने

चेन्नई, एजेंसी। वैश्विक स्तर पर आईटी सेवा, परामर्श और व्यावसायिक समाधान क्षेत्र की अग्रणी कंपनी, टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) (बीएसई: 532540, एनएसई: टीसीएस) ने चेन्नई स्थित टीसीएस सिरुसेरी परिसर में आयोजित एक भव्य समारोह में अपनी वैश्विक कोडिंग प्रतियोगिता, कोडवीटा के विजेताओं की घोषणा की। ताइवान के 24 वर्षीय जेफरी हो ने इस प्रतियोगिता में विजेता का खिताब जीता।

यह प्रतियोगिता दुनिया की सबसे बड़ी कंप्यूटर प्रोग्रामिंग प्रतियोगिता के रूप में गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्डटीएम में दर्ज है। 'यूनाइटेड बाय कोड' थीम पर आधारित, कोडवीटा के इस सीज़न में प्रोग्रामिंग के सबसे प्रतिभाशाली लोग एक मंच पर आए, जिससे कोडिंग उत्कृष्टता का दायरा बढ़ा। इस प्रतियोगिता के 12वें संस्करण में 96 देशों से 537,000 से अधिक पंजीकरण हुए जो अब तक का उच्चतम स्तर है। टीसीएस कोडवीटा छात्रों के बीच कोडिंग के प्रति जागरूकता को बढ़ावा देने के लिए एक गेमीफाइड दृष्टिकोण अपनाता है। पिछले कुछ वर्षों में, सैकड़ों छात्रों ने टीसीएस में इंटर्नशिप पूरी की है। इस प्रावधान के तहत हर सीज़न में शीर्ष तीन कोडर को सीधे टीसीएस अनुसंधान एवं नवोन्मेष (रिसर्च एंड इनोवेशन) टीम के साथ इंटर्नशिप करने का अवसर दिया जाता है। कोडवीटा में कोडिंग चुनौतियों के तीन दौर होते हैं। पहले राउंड में, प्रतियोगियों को आगे बढ़ने के लिए कम से कम एक चुनौती को हल करना होता है। दूसरे राउंड में, उन्हें नई जटिल समस्याओं (प्रॉब्लम) का सामना करना पड़ता है। हर साल, केवल शीर्ष 25 प्रतियोगी ही अंतिम दौर में पहुंच पाते हैं। टीसीएस के मुख्य प्रौद्योगिकी अधिकारी, हैरिक विन ने कहा, टीसीएस कोडवीटा न केवल प्रतिभागियों को अपने कोडिंग कौशल को बढ़ाने के लिए चुनौती देता है, बल्कि वास्तविक दुनिया के अनुप्रयोगों (एप्लीकेशन) और उभरते प्रौद्योगिकी रुझानों परखने का एक अनूठा अवसर भी प्रदान करता है। वैश्विक कोडिंग प्रतियोगिता अब अपने 12वें सीज़न में है और यह निरंतर प्रतिभा के लिए मानकों को आगे बढ़ा रही है, नए दृष्टिकोणों को प्रेरित कर रही है और इंजीनियरिंग उत्कृष्टता को बढ़ावा दे रही है। टीसीएस कोडवीटा जैसे प्लेटफॉर्म के माध्यम से, कंपनी समस्या समाधानकर्ताओं की अगली पीढ़ी को सशक्त बना रही है और युवा नेतृत्व का एक समुदाय तैयार कर रही है जो कल के प्रौद्योगिकी परिदृश्य को आकार देगा। टीसीएस की अनुसंधान एवं नवोन्मेष (रिसर्च) टीम ने एक ऐसा ढांचा विकसित किया है जो प्रतियोगियों के कोड के सबमिशन, संकलन और मूल्यांकन को स्वचालित करता है। इससे कोडवीटा के लिए आठ प्रोग्रामिंग लैंग्वेज (भाषाओं) में कोड के सबमिशन, संकलन और मूल्यांकन में भी मदद मिलती है।

कार्यालय ग्राम पंचायत सौरखा कलां पंचायत समिति मुंडावर (खैरथल-तिजारा) राज.

क्रमांक : निविदा/2024-25/91 — दिनांक : 21/3/25

ई- निविदा सूचना : ..../2024-25

कार्य का नाम इंटरलोकिंग टाईल्स निर्माण कार्य जानवीर के घर से पानी की टंकी की ओर गांव बड़ी के लिए विभिन्न विभागों में विभिन्न श्रेणी में पंजीकृत संवेदकों/व्यापारिक फर्मों से ई-निविदाऐं आमंत्रित की जाती है। जिनकी अनुमानित लागत 10.00 लाख रू. है।

निविदा का कार्य	:	इंटरलोकिंग टाईल्स निर्माण कार्य जानवरी के घर से पानी की टंकी की ओर गांव बड़ी
निविदा की कुल लागत	:	10 लाख
कुल धरोहर राशि (रूपयों में)	:	अनुमानित लागत की दो प्रतिशत 20,000/-
निविदा आवेदन डाउनलोड करने की तारीख	:	23/3/25 प्रातः 10.00 बजे से 1/4/25 सायं : 6.00 बजे तक
ऑनलाईन निविदा जमा कराने की तारीख	:	23/3/25 प्रातः 10.00 बजे से 1/4/25 सायं 6.00 बजे तक
इस कार्यालय में भौतिक रूप से डीडी एवं निविदा प्रपत्र जमा कराने की अंतिम तिथि निविदा शुल्क एवं धरोहर राशि तथा ई-टेण्डर प्रक्रिया शुल्क जमा कराने की तारीख	:	1/4/25 सायं 2.00 बजे तक
ऑनलाईन निविदा खोलने की तारीख	:	3/4/25 सायं 3.00 बजे से

उक्त निविदा से संबंधित विवरण वेब साईट http://eproc.rajasthan.gov.in, http:/ sppp.raj.nic.in पर देखा जा सकता है। NIB NO. : ZAL2425A1345 UBN NO. : ZAL2425WSOB02584

बबीता - सरपंच
ग्राम पंचायत सौरखा कलां
पं.स. मुंडावर (अलवर)

योगेश कुमार
ग्राम विकास अधिकारी
ग्राम पंचायत सौरखा कलां पं.स. मुंडावर (अलवर)

एनबीएसएल ने लॉन्च किया भारत इंटरफेस फॉर मनी (भीम) 3.0

भीम 3.0 उपयोगकर्ताओं के लिए उन्नत फीचर, व्यवसायों और बैंकों के लिए नई पेशकश प्रदान करेगा

मुंबई, एजेंसी। भारतीय राष्ट्रीय भुगतान निगम (एनपीसीआई) की पूर्ण स्वामित्व वाली सहायक कंपनी, एनपीसीआई भीम सर्विसेज लिमिटेड (एनबीएसएल), ने भारत इंटरफेस फॉर मनी (भीम) 3.0 लॉन्च किया है। भारतीय रिजर्व बैंक के कार्यकारी निदेशक, विवेक दीप ने एनपीसीआई के गैर-कार्यकारी अध्यक्ष और स्वतंत्र निदेशक, अजय कुमार चौधरी और बैंकिंग एवं फिनटेक उद्योग के वरिष्ठ नेतृत्व की उपस्थिति में एप्लिकेशन और सेवाओं का शुभारंभ किया। भीम 3.0, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा 2016 में लॉन्च किए जाने के बाद से इसका तीसरा विकसित प्रारूप है। नया भीम 3.0 ऐप ग्राहक के अनुकूल और अधिक सहज अनुभव प्रदान करता है। भीम 3.0 अब इन सुविधाओं की पेशकश करता है:

पहले की अपेक्षा अधिक भाषा का विकल्प -बेहतर पहुंच के लिए 15 से अधिक भारतीय भाषाओं में उपलब्ध।

धीमे इंटरनेट वाले क्षेत्रों में काम करता है-धीमे या अस्थिर नेटवर्क कनेक्शन के साथ भी सहज लेन-देन सुनिश्चित करने के लिए तैयार।

बेहतर धन प्रबंधन- खर्चों को आसानी से ट्रैक करने, प्रबंधित करने और विभाजित करने के लिए उन्नत टूल

अजय कुमार चौधरी ने इस कार्यक्रम में कहा, भीम ने हमेशा हर भारतीय के लिए डिजिटल भुगतान को सुरक्षित और सरल बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। भीम 3.0 का लॉन्च लाखों उपयोगकर्ताओं, व्यापारियों और बैंकों को सशक्त बनाने की दिशा में एक और कदम है, जिससे भारत को डिजिटल रूप से समावेशी भविष्य की ओर आगे बढ़ने में मदद मिलेगी।

एनबीएसएल की मुख्य कार्यकारी, सुश्री ललिता नटराज ने कहा, भीम 3.0 को डिजिटल भुगतान की तेज़ी से विकसित हो रही दुनिया में आज के दौर के उपयोगकर्ताओं की ज़रूरतों को पूरा करने के लिए डिज़ाइन किया गया है। भारत के लिए बनाया गया, यह इंटरफेस सुरक्षा, सुविधा और समावेश को प्राथमिकता देता है। भीम 3.0 समाज के सभी वर्गों में वित्तीय सशक्तिकरण को बढ़ावा देते हुए उपयोगकर्ता अनुभव को बढ़ाएगा।

उपयोगकर्ताओं के लिए उन्नत फीचर- खर्च बांट सकते हैं-उपयोगकर्ता अब मित्रों और परिवार के साथ बिल को सहजता से बांट कर सकते हैं। चाहे वह बाहर भोजन करना हो, किराए का भुगतान करना हो या सामूहिक खरीदारी हो, भीम ऐप उपयोगकर्ताओं को व्यय विभाजित करने और सीधे भुगतान करने की अनुमति देता है, जिससे परेशानी मुक्त निपटान सुनिश्चित होता है।

पारिवारिक मोड- उपयोगकर्ता अब परिवार के सदस्यों को शामिल कर सकते हैं, साझा किए गए व्यय को ट्रैक कर सकते हैं और विशिष्ट भुगतान असाइन कर सकते हैं। यह सुविधा परिवारों को उनके व्यय का समेकित दृश्य देकर बेहतर वित्तीय नियोजन सक्षम बनाती है।

खर्च का विश्लेषण- नया डैशबोर्ड भीम ऐप पर किए गए व्यय के लिए उपयोगकर्ता के मासिक व्यय पैटर्न का सहज दृश्य प्रदान करता है। यह स्वचालित रूप से व्यय को वर्गीकृत करता है, जिससे उपयोगकर्ताओं को जटिल स्प्रेडशीट की आवश्यकता के बिना अपने बजट का विश्लेषण और प्रबंधन करने में मदद मिलती है।

आवश्यक कार्रवाई- एक बिल्ट-इन सहायक (टास्क असिस्टेंट) जो उपयोगकर्ताओं को भीम ऐप से जुड़े लंबित बिलों की याद दिलाता है, उन्हें यूपीआई लाइट एनेबल करने के लिए संकेत देता है, और जब उनका लाइट बैलेंस कम होता है तो उन्हें सचेत करता है। यह सुनिश्चित करता है कि उपयोगकर्ता अपनी वित्तीय गतिविधियों पर नज़र रखें।

कार्यालय ग्राम पंचायत कोलगांव
पंचायत समिति किशनगढ़बास (खैरथल-तिजारा)

क्रमांकः 20 — दिनांक : 25.03.2025

निविदा सूचना सं. 72/2024-25

ग्राम पंचायत कोलगांव में राज्य वित आयोग पष्ठम योजनान्तर्गत मद से निम्न कार्य पंचायतीराज अधिनियम 1996 के नियम 181 के तहत पंचायत राज विभाग सार्वजनिक निर्माण विभाग/जल संसाधन विभाग/नगर निगम एवं राजस्थान में पंजीकृत संवेदको एवं केन्द्रीय/राज्य सरकार व उनके अधिकृत संगठनों मे पंजीकृत उपयुक्त श्रेणी के/वाणिज्य कर विभाग में वस्तु एवं सेवाकर अधिनियम के अन्तर्गत पंजीकृत संवेदकों से निर्धारित प्रपत्र में निविदाएं आमंत्रित की जाती हैं। निविदा स्वीकृत/अस्वीकृत करने का पूर्ण अधिकार निविदा समिति का होगा। सदिनांक उस दिन अवकाश रहता हैं तो निविदाऐं अगले कार्य दिवस को खोली जावेगी।

क्र. सं.	कार्य का नाम	स्वीकृत राशि	निविदा शुल्क	अमानत राशि	निविदा प्रपत्र विक्रय की अंतिम तिथि व समय	निविदा प्रपत्र प्रस्तुत की अंतिम तिथि व समय	निविदा खोलने की तिथि व समय	कार्य पूर्ण करने की अवधि
1.	सी.सी. सड़क निमार्ण फजरू के घर से कालू मियाजी के घर की और कोलगांव	600000	500	12000	28.3.2025 दोपहर 12.00 बजे तक	31.3.2025 सायं 4.00 बजे तक	01.4.2025 दोपहर 12.00 बजे तक	3 माह

नोट - उक्त कार्यो के दोष निवारण एवं उनके सुधार/डिफेक्ट लाईबिलिट पीरियड का उत्तरदायित्व कार्य पूर्णता के पश्चात नियमानुसार रहेगा। NIB No. ZAL2425A1355 UBN No. ZAL2425WSOB02595

रज्जो देवी - प्रशासक
ग्राम पंचायत कोलगांव
पं.स. किशनगढ़बास

ग्राम विकास अधिकारी
ग्राम पंचायत कोलगांव
पं.स. किशनगढ़बास

किरोड़ी बोले- मौसम के हिसाब से बदलना चाहिए

सीएम से मुलाकात पर कहा- कभी मिल जाते हैं, कभी नहीं,सुकून है कि कृषि मंत्री हूं

बीकानेर, 26 मार्च। बीकानेर में कृषि मंत्री किरोड़ीलाल मीणा ने मीडिया के कई सवालों का बेबाकी से जवाब दिया। फोन टेपिंग मामले पर पूछे गए सवाल को उन्होंने पुरानी बात कहकर टाल दिया। जब उनके बदले तेवरों पर सवाल किया गया तो मंत्री ने मुस्कुराते हुए कहा- मौसम के हिसाब से बदलना भी चाहिए। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा से मुलाकात और दोनों की कोई फोटो सामने न आने के सवाल पर किरोड़ी ने कहा- क्या फर्क पड़ता है, कभी मिल जाते हैं, कभी नहीं मिल पाते। फोटो भी खिंचवा लेंगे। नए कोचिंग बिल पर उन्होंने स्पष्ट किया कि यह जनता और कोचिंग संचालकों, दोनों के हित में है। राजस्थान एग्रीकल्चर यूनिवर्सिटी के कृषि मेले में पहुंचे किरोड़ी ने एग्रो बिजनेस मैनेजमेंट कैंपस में देशभर से आए छात्रों से संवाद किया। इस दौरान उन्होंने कहा- मुझे सुकून है कि मैं राजस्थान का कृषि मंत्री हूं। मीडिया ने डॉ. किरोड़ी से उनके उठाए मुद्दों को लेकर सवाल किया तो उन्होंने कहा- सभी स्थितियां आपके सामने हैं, उस पर ज्यादा चर्चा करना उचित नहीं है। किरोड़ी ने कृषि कार्यक्रम को लेकर बात करते हुए कहा कि हमारे पीएम मोदी किसानों को लेकर चिंतित रहते हैं। बता दें कि बुधवार को मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा का बीकानेर दौरा है। इससे ठीक एक दिन पहले डॉ. किरोड़ी यहां आए। वे सीधे ही एग्रीकल्चर यूनिवर्सिटी पहुंचे। उनके लिए रेस्ट हाउस में कमरा बुक था। जबकि सर्किट हाउस में उनके नाम से कोई कमरा बुक नहीं था। नए कोचिंग बिल पर किरोड़ी ने कहा- 10वीं पास होने के बाद ही बच्चा खुद कोचिंग करने जाना चाहता है इसमें कोई बुराई की बात नहीं है। जनता लुटे नहीं, अभिभावकों के जेब का भार नहीं बढ़े। ये बिल अभिभावकों-छात्रों के इंटरेस्ट में बिल है। कोचिंग चलाने वाले भी इंटरेस्ट ले रहे हैं। बस मनमानी नहीं होनी चाहिए, चाहे कोई हो। बेलगाम फीस नहीं होनी चाहिए। स्वामी केशवानन्द एग्रीकल्चर युनिवर्सिटी में चल रहे रिसर्च वर्क में अधिकांश में कुलपति अरुण कुमार की बेटी का नाम होने के विवाद पर मंत्री ने कहा कि अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद ने उन्हें ज्ञापन दिया है। मामले की तह तक जाने के लिए निष्पक्ष जांच की जाएगी।

बाड़मेर लिफ्ट पानी-प्रोजेक्ट मेन पाइपलाइन से चोरी का आरोपी गिरफ्तार

बाड़मेर 26 मार्च। बाड़मेर जिले की शिव पुलिस ने बाड़मेर लिफ्ट पेयजल परियोजना की मुख्य लाइन से पानी चोरी करने वाले एक खेत मालिक को गिरफ्तार किया है। प्रोजेक्ट अधिशाषी अभियंता के निरीक्षण के दौरान मोटर लगाकर पाइप चोरी करते पाया गया। तब शिव थाने में मामला दर्ज करवाया था। फिलहाल पुलिस जांच पड़ताल कर रही है। पुलिस के अनुसार श्रीमोहनगढ़ खंड परियोजना के अधिशाषी अभियंता नेमाराम बामनिया ने शिव थाने में रिपोर्ट दी थी। लिफ्ट पेयजल परियोजना में मुख्य पाइप लाइन पर टोल प्लाजा के पास खेत मालिक नवाब खान पुत्र सुमार खान निवासी निंबासर ने मेन लाइन से एक अवैध कनेक्शन कर मोटर लगातार अवैध रूप से पानी की चोरी करता पाया गया।

झामरकोटड़ा माइंस के बाहर से 39 गाड़ियां जब्त

29 बिना टैक्स देने वाली और 10 अन्य राज्यों की गाड़ियां थी, जुर्माना वसूला

उदयपुर, 26 मार्च। वित्तीय वर्ष के आखिरी महीने में टैक्स वसूलने के लिए शुरू किए अभियान के तहत रीजनल ट्रांसपोर्ट ऑफिस ने कार्रवाई करते हुए उदयपुर शहर के पास स्थित झामरकोटड़ा माइंस पर जाकर वहां खड़े वाहनों को खंगाला।

टीम ने 39 गाड़ियां जब्त की, जिनका टैक्स बकाया था। 10 गाड़ियां राजस्थान के बाहर की थी। उनसे जुर्माना भी वसूला गया।

प्रादेशिक परिवहन अधिकारी ज्ञानदेव विश्वकर्मा ने बताया- एडिशनल आरटीओ नानजी राम गुलसर व डीटीओ नितिन बोहरा आरएसएमएम की झामर कोटड़ा खदान क्षेत्र में पहुंचें।

राज्य का बिना कर जमा कराए 29 और अन्य राज्यों के 10 वाहन पाए गए। दोनों अधिकारियों ने सोमवार को इन वाहनों के कर संबंधी दस्तावेजों की जांच की, जिसमें राजस्थान राज्य का कर जमा होना नहीं पाया गया। इसके साथ ही पूरे उदयपुर परिवहन क्षेत्र में सोमवार शाम तक विभिन्न प्रकार के यात्री और भारी वाहनों के नियम विरूद्ध संचालन की जांच क्षेत्र के 15 विभागीय उड़नदस्तों की ओर से संबंधित जिला परिवहन अधिकारियों के साथ की गई।

चैकिंग के दौरान कुल 522 वाहनों के चालान बनाए जाकर 15 लाख रुपए की जुर्माना राशि वसूल करते हुए 327 वाहनों को जब्त किया गया है। उन्होंने बताया- वित्तीय वर्ष 2024-25 में राज्य सरकार की ओर से विभाग को आवंटित राजस्व लक्ष्य का उदयपुर क्षेत्र में 82 प्रतिशत राजस्व अर्जित की जा चुकी है।

आरटीओ विश्वकर्मा ने कर चोरी करने वाले वाहन स्वामियों के विरूद्ध और अधिक कठोर रुख अपनाते हुए अधीनस्थ जिला परिवहन अधिकारियों व उड़नदस्ता प्रभारियों को निर्देश दिए हैं कि बिना कर जमा कराकर संचालन करने वाले वाहनों से न सिर्फ कर मय ब्याज, पेनल्टी वसूला जाए बल्कि इन वाहनों के विरूद्ध परमिट शर्तों के उल्लंघन की धाराओं को जोड़ते हुए चालान बनाये जाए ताकि वाहन स्वामी को चालान भुगतने के लिए 10 हजार रुपए का और अधिक भुगतान करना पड़े।

खड़े ट्रेलर को दूसरे ट्रेलर ने मारी टक्कर,युवक की मौत, एक को बीकानेर रेफर किया

फलोदी, 26 मार्च। फलोदी-नागौर मार्ग पर श्रीलक्ष्मणनगर के पास सोमवार-मंगलवार की रात को सड़क हादसा हुआ। सड़क किनारे खड़े एक ट्रेलर में पीछे से आ रहे दूसरे ट्रेलर ने टक्कर मार दी। भोजासर थानाधिकारी अशोक कुमार के अनुसार, श्रीलक्ष्मणनगर पुलिस चौकी की टीम तुरंत मौके पर पहुंची। पुलिस और स्थानीय लोगों ने ट्रेलर में फंसे दोनों व्यक्तियों को बाहर निकाला।

दोनों को पहले आऊ सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया। प्राथमिक उपचार के बाद उन्हें फलोदी रेफर किया गया। रणजीतपुरा निवासी रामपाल पुत्र किशनाराम जाट की रास्ते में ही मौत हो गई। फलोदी अस्पताल में डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। दूसरे घायल की स्थिति गंभीर होने के कारण उसे बीकानेर रेफर किया गया है। हादसे में दोनों ट्रेलर बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गए। मृतक का शव मॉर्च्युरी में रखा गया है। पुलिस ट्रेलर के रुकने और टक्कर की वजह की जांच कर रही है।

पशुपालन विभाग के 30 कर्मचारियों के निलंबन का विरोध

हनुमानगढ़ , 26 मार्च। पशुपालन विभाग के 30 कर्मचा?रियों के निलंबन के खिलाफ काली पट्टी बांधकर किया विरोध। हनुमानगढ़ में पशुपालन विभाग के कर्मचारियों के खिलाफ बड़ी कार्रवाई की गई है। विभाग ने 30 से अधिक कर्मचारियों को निलंबित कर दिया है।

इस कार्रवाई के विरोध में अखिल राजस्थान संयुक्त कर्मचारी महासंघ ने मंगलवार को काली पट्टी बांधकर विरोध प्रदर्शन किया। महासंघ के जिलाध्यक्ष चन्द्रभान ज्याणी ने बताया कि पिछले कुछ महीनों से पशुपालन विभाग के कर्मचारियों पर लगातार कार्रवाई की जा रही है। कर्मचारी संघ ने सक्षम अधिकारियों से शिकायत की, लेकिन निलंबित कर्मचारियों को अभी तक बहाल नहीं किया गया है। विरोध के पहले चरण में सोमवार को जिला कलेक्टर के माध्यम से मुख्यमंत्री और शासन सचिव को ज्ञापन भेजा गया। दूसरे चरण में मंगलवार से सभी कर्मचारी काली पट्टी बांधकर काम कर रहे हैं। महासंघ ने चेतावनी दी है कि अगर निलंबित कर्मचारियों को बहाल नहीं किया गया तो 26 मार्च से फार्मर रजिस्ट्री शिविरों में ऑनलाइन कार्यों का बहिष्कार किया जाएगा। महासंघ के जिला मंत्री राम निवास के अनुसार प्रदेश के इतिहास में पहली बार इतनी बड़ी संख्या में कर्मचारियों को बिना कारण निलंबित किया गया है। कर्मचारी अपने मोबाइल और इंटरनेट खर्च से काम कर रहे हैं। राजकीय छुट्?टी के दिन भी काम करने के बावजूद एक उच्च अधिकारी ने कर्मचारियों को कामचोर बताया है। इस कारण प्रदेश के कर्मचारियों में भारी आक्रोश है।

दो बाइकों की टक्कर में 12वीं के छात्र की मौत

चूरू, 26 मार्च। चूरू के राजलदेसर में दो बाइक की टक्कर में 12वीं के छात्र की मौत। मृतक की पहचान सिमसिया निवासी 19 वर्षीय मूलचंद के रूप में हुई है। वह 12वीं कक्षा का छात्र था। घायलों में मूलचंद के साथ बाइक पर सवार सिमसिया निवासी देवेंद्र जाट और रामचंद्र जाट के साथ धातरी निवासी 30 वर्षीय तारामणि जाट शामिल हैं। पुलिस जांच में सामने आया कि देवेंद्र और मूलचंद राजलदेसर से सिमसिया की ओर जा रहे थे। इसी दौरान सामने से आ रहे रामचंद्र की बाइक से उनकी टक्कर हो गई। टक्कर इतनी जोरदार थी कि बाइक का संतुलन बिगड़ गया और सभी सवार नीचे गिर गए। घायलों को 108 एंबुलेंस की मदद से राजलदेसर के सरकारी अस्पताल लाया गया। इलाज के दौरान मूलचंद की मौत हो गई। अन्य घायलों को प्राथमिक उपचार के बाद हायर सेंटर रेफर कर दिया गया। पुलिस ने मृतक के शव को पोस्टमॉर्टम के बाद परिजनों को सौंप दिया। हादसे की खबर फैलते ही अस्पताल में घायलों और मृतक के परिजनों की भीड़ जमा हो गई।

दो मंजिला इमारत से गिरकर मजदूर घायल

पाली, 26 मार्च। पाली में मंगलवार को एक 20 साल का मजदूर काम के दौरान निर्माणाधीन मकान की दो मंजिल से नीचे गिरकर घायल हो गया। उपचार के लिए उसे पाली के बांगड़ हॉस्पिटल लाया गया। जहां उसका उपचार जारी है।

पुलिस के अनुसार पाली जिले के खिंवाड़ा थाना क्षेत्र के मगरतलाब गांव में मंगलवार दोपहर को क्र के फतेहपुर हाल खिंवाड़ा निवासी 20 साल का राम मिलन पुत्र निर्मल एक निर्माणाधीन मकान की दूसरी मंजिल पर काम कर रहा था। इस दौरान अचानक पैर फिसलने से वह नीचे गिर गया। गनीमत रही कि गिरते समय उसने अपने सिर को बचाने के लिए उसके नीचे हाथ को लगा दिया। इस हादसे में युवक का एक हाथ फ्रैक्चर हो गया और पीठ पर भी गंभीर चोट लगी। जिसे खिंवाड़ा हॉस्पिटल से प्राथमिक उपचार के बाद पाली के बांगड़ हॉस्पिटल लाया गया। जहां उसका उपचार जारी है। हादसे में मजदूर दो मंजिला इमारत से जहां नीचे गिरा वहां मकान निर्माण में काम आने वाली घंटी पड़ी हुई थी। ईंटों पर गिरने से उसका हाथ फ्रेक्चर हो गया और पीठ में भी चोट आई।

एचटी लाइन के विरोध में ग्रामीणों का प्रदर्शन

झुंझुनूं , 26 मार्च। झुंझुनूं के देरवाला क्षेत्र में हाई टेंशन (एचटी) लाइन को लेकर ग्रामीणों में आक्रोश बढ़ता जा रहा है। मुख्य सड़क से पहाड़ी स्थित क्रेशर तक आम रास्ते और घरों के ऊपर से गुजरने वाली 11केवी की एचटी लाइन के विरोध में ग्रामीणों ने अधीक्षण अभियंता (एसई) से मुलाकात कर ज्ञापन सौंपा और विरोध प्रदर्शन किया। ज्ञापन में बताया कि एचटी लाइन देरवाला-बीबासर मुख्य सड़क से होते हुए पहाड़ी स्थित क्रेशर तक पहुंचाई जा रही है। इसके लिए बिजली के पोल सड़क सीमा में गाड़ दिए गए हैं, जिससे न केवल रास्ता बाधित हो गया है, बल्कि स्थानीय लोगों के घरों के ऊपर से हाई वोल्टेज के तार गुजरने लगे हैं। यह स्थिति किसी भी बड़े हादसे का कारण बन सकती है। ग्रामीणों का कहना है कि पहले ही इस समस्या को लेकर संबंधित अधिकारियों को अवगत कराया गया था। लेकिन ठेकेदार ने उनकी आपत्तियों को नजरअंदाज करते हुए बिजली के पोल को सड़क सीमा में ही लगा दिया। जिससे लोगों को आने-जाने में परेशानी हो रही है और घरों की सुरक्षा को भी खतरा पैदा हो गया है। इस समस्या को लेकर ग्रामीणों ने मंगलवार को एसई कार्यालय पहुंचकर ज्ञापन सौंपा और जल्द समाधान की मांग की। ग्रामीणों ने अधिकारियों को चेतावनी दी कि यदि जल्द ही एचटी लाइन को नहीं हटाया गया, तो वे उग्र आंदोलन करेंगे और मजबूरन सड़क जाम करने जैसी कार्रवाई करनी पड़ेगी। विरोध प्रदर्शन और ज्ञापन देने वालों में ज्वाला प्रसाद, राजेन्द्र अवाना, राजेश बेनीवाल, संदीप, गिरधारी लाल, जगदीश, महेश हर्षवाल, रणवीर, महेंद्र, श्रीराम, रोहिताश, सुभाष, अनिल सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण शामिल थे।

शिक्षा विभाग का लिपिक रिश्वत लेते गिरफ्तार

बीकानेर, 26 मार्च। बीकानेर के खाजूवाला में मुख्य ब्लॉक शिक्षा अधिकारी के ऑफिस में कार्यरत लिपिक बीस हजार रुपए की रिश्वत लेते रंगे हाथों गिरफ्तार किया गया है। एक पीटीआई के निलंबन काल का भुगतान दिलाने के लिए पचास हजार रुपए की रिश्वत मांगी गई थी, जिसमें बीस हजार रुपए की डिमांड पहले पूरी करने पर एसीबी ने लिपिक को दबोच लिया। एसीबी की बीकानेर चौकी के एडिशनल एसपी महावीर प्रसाद शर्मा ने बताया कि सीबीओ ऑफिस में कार्यरत पीटीआई को निलंबित किया गया था। परिवादी पीटीआई का आरोप है कि निलंबन काल का भुगतान दिलाने और उसे फिर से बहाल करने के नाम पर पचास हजार रुपए की रिश्वत मांगी गई थी। इसके तहत बीस हजार रुपए रिश्वत मांगी गई थी। परिवादी ने इस संबंध में एसीबी की चौकी को शिकायत दर्ज कराई। जिस पर शिकायत की पुष्टि की गई। मंगलवार को परिवादी ने बीस हजार रुपए की रिश्वत देने पहुंचा। जैसे ही लिपिक चोरुराम ने रिश्वत की राशि हाथ में ली, वैसे ही एसीबी टीम मौके पर पहुंच गई। उसे गिरफ्तार कर लिया गया। उसके हाथ से रुपयों पर लगा रंग भी आ गया। फिलहाल चोरुराम को गिरफ्तार कर लिया गया है।

उसके घर और बैंक खातों से भी जानकारी खंगाली जा रही है। एसीबी की एक टीम उसके घर पर भी छानबीन करने पहुंची है। एसीबी टीम में डिप्टी महेश श्रीमाली, इंस्पेक्टर अजय कुमार, डुह्लद्व बजरंग सिंह, हेड कांस्टेबल राजवीर सिंह, राजेंद्र कुमार, कांस्टेबल अनिल कुमार, मनोहर लाल, रतन सिंह हरिराम, भगवान दास आदि शामिल थे।

सरकारी हॉस्पिटल की गैलरी में दौड़ाई स्कूटी

बाड़मेर, 26 मार्च। सरकारी हॉस्पिटल की गैलरी में इलेक्ट्रिक स्कूटी दौड़ाई गई। हैरानी की बात यह है कि हॉस्पिटल में 35 सिक्योरिटी गार्ड कार्यरत हैं। इसके बावजूद किसी ने स्कूटी सवार को नहीं रोका। गैलरी से गुजर रही स्कूटी को देखकर मरीज और उनके परिजन भी चौंक गए। यह वीडियो बाड़मेर मेडिकल कॉलेज के गवर्नमेंट हॉस्पिटल का है। वीडियो सामने आने के बाद हॉस्पिटल प्रशासन की सुरक्षा व्यवस्था की पोल खुल गई। वीडियो में ओला की इलेक्ट्रिक स्कूटी हॉस्पिटल की पुरानी बिल्डिंग में वार्डों की गैलरी में से गुजरती दिख रही है। केवल स्कूटी का आगे का हिस्सा, स्पीड मीटर और गैलरी में आते-जाते मरीज व उनके परिजन ही नजर आ रहे हैं। पंजाबी सॉन्ग भी सुनाई दे रहा है। 14 सेकेंड के वीडियो को युवक ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर रील के रूप में शेयर किया है। पीएमओ डॉ. बीएल मंसूरिया का कहना है- यह वीडियो 16 मार्च को प्रकाश सेन नाम युवक ने इंस्टाग्राम पर खुद की आईडी से अपलोड किया है। वीडियो में किसी का चेहरा नहीं दिख रहा है। हॉस्पिटल के सीसीटीवी कैमरे भी चेक कर रहे हैं। युवक के बारे में जानकारी जुटाई जा रही है। उसके खिलाफ पुलिस में शिकायत दर्ज करवाएंगे। सुरक्षा में चूक के सवाल पर पीएमओ ने कहा- सुबह के समय पुरानी बिल्डिंग गेट के आगे सिक्योरिटी गार्ड को लगाया जाता है। लेकिन, रात को यह गेट बंद हो जाता है। यह हॉस्पिटल पहले भी कई बार सुरक्षा को लेकर विवादों में रह चुका है। करीब चार साल पहले हॉस्पिटल के पोस्ट ऑपरेटिव वार्ड से 3 दिन का बच्चा चोरी हो गया था। मामले में हॉस्पिटल प्रशासन की लापरवाही सामने आई थी। मामले में जिला अस्पताल के मातृ एवं शिशु वार्ड में सीसीटीवी कैमरों की जांच की गई तो वे खराब मिले थे।

पंचायत की दीवार पर घूमता दिखा लेपर्ड

उदयपुर, 26 मार्च। उदयपुर के मावली उपखंड क्षेत्र की मांगथला ग्राम पंचायत में सोमवार रात लेपर्ड दिखने से ग्रामीणों में दहशत का माहौल है। लेपर्ड ग्राम पंचायत ऑफिस की दीवार पर घूमता नजर आया। रात के समय एक स्थानीय ग्रामीण ने वीडियो बनाया, जिसमें लेपर्ड दीवार पर चढ़ता नजर आ रहा है।ग्रामीणों के शोर-शराबा के बाद लेपर्ड वहां से भाग गया। सरपंच युधिष्ठिर पुरोहित ने बताया- आस-पास जंगल होने से पिछले कई समय से लेपर्ड का लगातार मूवमेंट बना हुआ है। शनिवार को मवेशी का शिकार करते हुए एक लेपर्ड पुलिया के नीचे सीमेंट पाइप के अंदर फंस गया था, जिसे वन विभाग की टीम ने ट्रेंकुलाइज कर बाहर निकाला। फिर उसे उदयपुर बायोलॉजिकल पार्क में छोड़ा। अब दो दिन बाद फिर से लेपर्ड दिखाई देने से आस-पास के लोग डरे हुए हैं। हालांकि तीन दिन पहले वन विभाग ने इस एरिया में एक पिंजरा लगा दिया है लेकिन लेपर्ड उसमें नहीं आया। इधर, ग्रामीण रात में बाहर निकलने से डर रहे हैं।

खेतड़ी पुलिस ने इनामी बदमाश को दबोचा

खेतड़ी, 26 मार्च। आरोपी नरेंद्र पुत्र सुरेश कुमार ने अपने साथियों के साथ मिलकर भवानी सिंह के घर में घुसकर तोड़फोड़ की थी। आरोपी ने पहले भवानी सिंह की पिक-अप गाड़ी पर लगे डाले और डीजे सिस्टम को नुकसान पहुंचाया था। जब भवानी सिंह ने डीजे वापस मांगा तो आरोपी ने अपने साथियों जेपी और अनिल के साथ मिलकर रात में उनके घर में घुसकर मेन गेट तोड़ दिया। साथ ही खड़ी कार के शीशे भी तोड़ दिए और जान से मारने की धमकी देकर फरार हो गए। थानाधिकारी विजय कुमार चंदेल के नेतृत्व में एक टीम का गठन किया गया। आरोपी की गिरफ्तारी के लिए 10 हजार रुपए का इनाम घोषित किया गया। वह नेपाल, पटना, आगरा, बीकानेर और जयपुर में छिपता रहा। फसल कटाई के लिए जब वह घर लौटा, तब मुखबिर की सूचना पर पुलिस ने नंगली सलेदी सिंह से उसे पकड़ लिया। पुलिस के अनुसार आरोपी राजलदेसर में एक तस्करी के मामले में भी वांछित है। गिरफ्तारी में थानाधिकारी विजय कुमार चंदेल के अलावा एएसआई रमेश कुमार, एचसी राजेश कुमार, कॉन्स्टेबल मनीष कुमार, अमरचंद और नेमीचंद शामिल थे।

पीलीबंगा में बिजली की लाइन से तार चोरी

हनुमानगढ़, 26 मार्च। हनुमानगढ़ के पीलीबंगा में बिजली के तारों की बड़ी चोरी सामने आई है। स्विफ्ट कार में सवार होकर आए चार-पांच अज्ञात बदमाशों ने करीब तीन लाख रुपए कीमत के बिजली के तार चोरी कर लिए। घटना 12 मार्च की रात करीब 3 बजे की है। चोरों ने रामपुरा से चक 35 एसटीजी के बीच बिछाई गई बिजली लाइन के करीब ढाई किलोमीटर लंबे तीनों तार चुरा लिए। चोरी के समय इन तारों में थ्री फेस बिजली सप्लाई चालू थी। जीएस खोसा कंपनी के मैनेजर लवप्रीत सिंह ने पीलीबंगा थाने में शिकायत दर्ज कराई है। उन्होंने बताया कि उनकी कंपनी ने रघु सैल्स कंपनी से रामपुरा फीडर से चक 35 एसटीजी में गता फैक्ट्री तक बिजली लाइन बिछाने का टेंडर लिया था। पीड़ित कंपनी ने अपने स्तर पर चोरों की तलाश की, लेकिन कोई सुराग नहीं मिला। पुलिस ने भारतीय विद्युत अधिनियम 2003 के तहत मामला दर्ज कर लिया है। जांच हैड कॉन्स्टेबल अशोक कुमार को सौंपी गई है।

जैसलमेर में पाकिस्तानी जासूस पकड़ा

जैसलमेर, 26 मार्च। जैसलमेर के मोहनगढ़ नहरी इलाके से सुरक्षा एजेंसियों ने एक पाकिस्तानी जासूस को पकड़ा है। पकड़े गए जासूस पर भारत की खुफिया जानकारियां पाकिस्तान भेजने का शक है। सुरक्षा एजेंसियों ने पुलिस के साथ मिलकर इस कार्रवाई को अंजाम दिया।

पकड़ा गया जासूस पठान खान (40) निवासी करमो की ढाणी, चांधन जैसलमेर है। जिसे सोमवार देर रात 3 बजे नहरी इलाके की जीरो आरडी से पकड़ा है। सुरक्षा एजेंसियां पठान खान से पाकिस्तान भेजी गई खुफिया जानकारियों को लेकर पड़ताल कर रही है। पठान खान के रिश्तेदार पाकिस्तान में रहते हैं। पठान खान साल 2019 में पाकिस्तान भी जाकर आया था। इसके बाद से वह लगातार पाकिस्तान सूचनाएं भेज रहा था। शक के चलते सुरक्षा एजेंसियां भी उस पर नजर बनाए हुई थी।

सूत्रों के अनुसार मोहनगढ़ नहरी इलाके के जीरो आरडी में पठान खान का खेत है। पिछले काफी समय से पठान खान आर्मी क्षेत्र के वीडियो और फोटो पाकिस्तान भेज रहा था। सुरक्षा एजेंसियां उसके मोबाइल की जांच कर रही है।

पाली में कार ने बाइक सवार को कुचला, मौत

पाली, 26 मार्च। पाली में तेज रफ्तार कार ने आगे चल रही बाइक को टक्कर मार दी। टकराने से बाइक सवार युवक सड़क पर गिर गया। कार का पहिया युवक के सिर के ऊपर से गुजर गया। युवक की मौके पर ही मौत हो गई। पुलिस ने बॉडी बांगड़ हॉस्पिटल की मॉर्च्युरी में रखवाकर जांच शुरू की। पुलिस के अनुसार पाली जिले के रोहट थाना क्षेत्र के खारड़ा बांध गांव निवासी भगाराम (28) पुत्र सोहनलाल अपनी बाइक से मंगलवार दोपहर फैक्ट्री जा रहा था। इस दौरान हाईवे पर झाला पेट्रोल पम्प के पास पीछे से आ रहे एक कार ड्राइवर ने बाइक को टक्कर मार दी। भगाराम उछलकर नीचे गिर गया और कार का पहिया उसके सिर के ऊपर से गुजर गया। उसे तुरंत इलाज के लिए पाली के बांगड़ हॉस्पिटल लाया गया। जहां जांच के बाद मृत घोषित कर दिया गया। पुलिस ने बॉडी हॉस्पिटल की मॉर्च्युरी में रखवाई। परिजन ने बताया-भगाराम खारड़ा के पास एक पाइप फैक्ट्री में काम करता था। वह खाना खाकर वापस फैक्ट्री जा रहा था। इस दौरान यह हादसा हो गया। उन्होंने बताया कि भगाराम की शादी 3 साल पहले जोधपुर जिले के वोहरावास गांव में हुई। उसे 2 साल का बेटा रौनक है। भगाराम 3 भाई बहनों में दूसरे नंबर पर था। उसकी दो बहनें हैं तरुणा और रेखा। दोनों की शादी हो चुकी है। घटना की जानकारी मिलने पर परिजनों का रो-रो कर बुरा हाल है।

खाना खाते समय परिवार पर जानलेवा हमला

हनुमानगढ, 26 मार्च। किराड़ा बड़ा क्षेत्र में एक परिवार पर रविवार रात करीब 8 बजे जानलेवा हमला हुआ। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। हनुमानगढ़ के किराड़ा बड़ा क्षेत्र में एक परिवार पर रविवार रात करीब 8 बजे जानलेवा हमला हुआ। कुरड़ाराम जाट के परिवार के सदस्य खाना खा रहे थे। इसी दौरान बाइक से आए रामकुमार, उसके बेटे बलवान और पत्नी कृष्णा ने हमला कर दिया। आरोपी कुल्हाड़ी, लोहे की रॉड और सरिया लेकर आए थे। कृष्णा देवी ने लोहे की रॉड से सुखमहेन्द्र के सिर पर वार किया। रामकुमार ने कुल्हाड़ी से हमला किया, लेकिन पीड़ित ने कुल्हाड़ी छीन ली। बलवान ने सरिए से वार किए। शोर सुनकर पड़ोसी मौके पर पहुंचे और पीड़ित परिवार को बचाया। हमलावर भागते समय अपनी बाइक वहीं छोड़ गए। आरोपियों ने पीड़ित की जेब से 2200 रुपए और उनकी पुत्रवधू का लॉकेट भी छीन लिया। गंभीर रूप से घायल सुखमहेन्द्र को भादरा के सरकारी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। भादरा पुलिस ने महिला सहित तीनों आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है। एएसआई जगदीश प्रसाद मामले की जांच कर रहे हैं।

डिस्पोजल सामान की दुकान में लगी भीषण आग

सिरोही 26 मार्च। सिरोही के शिवगंज शहर के छावनी क्षेत्र में स्थित प्रिया डिस्पोजल की दुकान में सोमवार रात को अचानक आग लग गई। दुकान के मालिक प्रवीण कुमार प्रकाश चंद अग्रवाल की दुकान में रखा लाखों रुपए का डिस्पोजल सामान जलकर राख हो गया।

घटना की सूचना मिलते ही शिवगंज पुलिस मौके पर पहुंची। आग की लपटों को देखते हुए शिवगंज और सुमेरपुर से फायर ब्रिगेड की गाड़ियों को बुलाया गया। गोदाम में डिस्पोजल सामान होने के कारण आग तेजी से फैल गई। धुएं का गुबार आस पास के बड़े क्षेत्र में फैल गया। स्थानीय लोगों ने आग बुझाने का प्रयास किया, लेकिन आग इतनी तेज थी कि कोई गोदाम के अंदर नहीं जा सका। आग बुझाने के दौरान एक युवक की तबीयत अचानक बिगड़ गई। उसे तुरंत अस्पताल ले जाया गया। प्राथमिक इलाज के बाद उसकी गंभीर स्थिति को देखते हुए उसे रेफर कर दिया गया। पुलिस मामले की जांच कर रही है। प्रारंभिक जांच में आग का कारण शॉर्ट सर्किट बताया जा रहा है। हालांकि अभी तक आग लगने का कारण सामने नहीं आया है।

एसओजी टीम की कार्रवाईचुन रक्षक भर्ती

6 लाख में पत्नी के लिए खरीदा था पेपर, कांस्टेबल पति गिरफ्तार

बाड़मेर वन रक्षक भर्ती 2020 पेपर लीक मामले में शामिल आरोपियों पर एसओजी लगातार शिकंजा कस रही है। फर्जी तरीके से वन रक्षक बनी पत्नी टीमों देवी की गिरफ्तारी के बाद सोमवार को एसओजी की टीम ने उसके कांस्टेबल पति लिखमाराम को भी गिरफ्तार किया है।

अब पति और पत्नी दोनों ही एसओजी की गिरफ्त में है। पूछताछ में नया खुलासा होने की संभावना जताई जा रही है। वन रक्षक टीमों देवी की गिरफ्तारी के बाद से उसका कांस्टेबल पति लिखमाराम फरार हो गया था। चौहटन थाने में कांस्टेबल पद पर लिखमाराम कार्यरत है। वन रक्षक भर्ती परीक्षा 2020 की परीक्षा पास कर वन रक्षक बनी टीमों देवी भी वर्तमान में चौहटन क्षेत्र में कार्यरत है।

कांग्रेस नेता नरेश देव सहारण द्वारा किए गए खुलासे और परीक्षार्थियों के नाम के बाद एसओजी की टीम ने चौहटन में कार्यरत टीमों देवी को गिरफ्तार किया। टीमों देवी से पूछताछ की। जिसमें उसने अपने पति कांस्टेबल लिखमाराम का नाम बताया।

झुंझुनूं के बीहड़ के पास ट्रक से टकराई कार

ड्राइवर गंभीर रूप से हुआ घायल, स्थानीय लोगों ने पहुंचाया हॉस्पिटल

झुंझुनूं, 26 मार्च। झुंझुनूं जिले के बीहड़ इलाके में एक सड़क हादसा हो गया। एक कार बेकाबू होकर ट्रक से टकरा गई। इस टक्कर में कार चालक गंभीर रूप से घायल हो गया।

हादसे के बाद मौके पर मौजूद स्थानीय लोगों ने तुरंत उसे निजी वाहन से अस्पताल पहुंचाया। प्राथमिक उपचार के बाद उसकी हालत गंभीर देखते हुए डॉक्टरों ने उसे जयपुर रेफर कर दिया। घटना की जानकारी मिलते ही सदर थाना पुलिस मौके पर पहुंची और स्थिति का जायजा लिया। सदर थाना इंचार्ज नारायण सिंह ने बताया कि हादसा बीहड़ क्षेत्र में हुआ था, जहां एक तेज रफ्तार कार बेकाबू होकर ट्रक से जा भिड़ी। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि कार के परखच्चे उड़ गए और चालक गंभीर रूप से घायल हो गया। हादसे के बाद स्थानीय लोगों की मदद से घायल को झुंझुनूं के एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया। वहां प्राथमिक उपचार के बाद डॉक्टरों ने उसे बीडीके अस्पताल रेफर कर दिया। लेकिन हालत में सुधार न होने के कारण उसे जयपुर के लिए रेफर कर दिया गया। प्राप्त जानकारी के अनुसार, घायल युवक की पहचान महेंद्र यादव के रूप में हुई है, जो श्रीमाधोपुर के अरणिया गांव का निवासी है। बताया जा रहा है कि वह कोर्ट के किसी काम से चिड़ावा गया हुआ था और वहां से लौटते समय यह हादसा हुआ। फिलहाल उसका इलाज चौमूं के बराला अस्पताल में चल रहा है। इस सड़क हादसे के बाद स्थानीय लोगों ने प्रशासन से मांग की है कि बीहड़ क्षेत्र में सड़क की स्थिति में सुधार किया जाए और दुर्घटनाओं को रोकने के लिए ट्रैफिक नियमों का कड़ाई से पालन कराया जाए।

बच्चों के साथ जा रहे हैं पेंच राष्ट्रीय उद्यान देखने

यात्रा के समय इन बातों का रखें ध्यान

बच्चों को अगर आप प्रकृति और वन्यजीवों के बारे में बताना चाहते हैं, तो राष्ट्रीय उद्यान उनके लिए बेस्ट है। बच्चे यहां शेर, हाथी, हिरण, पक्षी और अन्य जानवरों को करीब से देख सकते हैं। बच्चों को जीव जंतुओं को देखना अच्छा लगता है। वह ऐसी चीजें शहरों में केवल फोन और किताबों में ही देख पाते हैं, ऐसे में राष्ट्रीय उद्यान ही ऐसी जगहें होती हैं, जहां उन्हें करीब से देखने का मौका मिलता है। यहां बच्चों को जंगल सफारी, बर्ड वॉचिंग, नेचर वॉक जैसी गतिविधियां भी कर सकते हैं।

पेंच राष्ट्रीय उद्यान में देखने को मिलेंगे इस तरह के जानवर

साल 1993 में इस उद्यान को टाइगर रिजर्व घोषित किया गया था। इस उद्यान में आपको लगभग 210 प्रजातियों के पक्षियों और तरह-तरह के जानवर देखने को मिलेंगी। यह सिवनी और छिंदवाड़ा जिलों में स्थित है। यह उद्यान 758 वर्ग किलोमीटर के विशाल क्षेत्र में फैला हुआ है। इसका आधा हिस्सा महाराष्ट्र में पड़ता है। इसलिए यहां आपका पूरा दिन कब निकल जाएगा, आपको पता भी नहीं चलेगा। सफारी के दौरान आप इस उद्यान का लगभग आधा जंगल सफर कर लेंगे।

पेंच राष्ट्रीय उद्यान समय

यह पार्क 1 मार्च -30 अप्रैल के बीच सुबह 05.30 बजे से 09.30 बजे तक आप यात्रा कर सकते हैं। इसके बाद दोपहर 03.00 बजे - शाम 07.00 बजे तक आप यात्रा कर सकते हैं।

ध्यान रखें कि जून से सितंबर के बीच यह उद्यान पर्यटकों के लिए बंद कर दिया जाता है। इसके अलावा सफारी का समय सुबह 11 बजे से दोपहर 3 बजे तक है। ध्यान रखें कि जीप सफारी महंगी है। यहां आपको 2000 से 3000 रुपये तक खर्च करने पड़ सकते हैं।

यहां आपकोहाथी सफारीकरने का भी मौका मिलेगा। अगर आप सफारी पर खर्चा नहीं कर सकते हैं, तो पैदल भी इस उद्यान में घूमने जा सकते हैं।

मथुरा के आसपास में स्थित हैं ये रोमांटिक जगहें, पार्टनर के साथ आप भी पहुंच जाएं

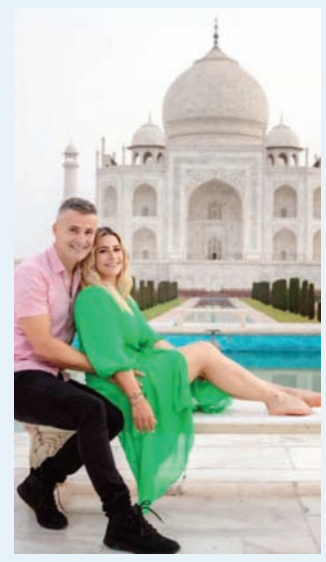

यमुना नदी के किनारे स्थित मथुरा को देश का एक पवित्र धार्मिक स्थल भी माना जाता है। मथुरा में ऐसी कई पवित्र और खूबसूरत जगहें मौजूद हैं, जहां देश के हर कोने से पर्यटक घूमने के लिए पहुंचते हैं। मथुरा में जब कपल्स के घूमने के लिए रोमांटिक जगहों की बात होती है, तो ऐसी बहुत कम ही जगहें मौजूद हैं, जहां कपल्स पहुंचते हैं। इसलिए मथुरा के हजारों कपल्स आसपास की जगहों का ट्रिप बनाते हैं।

भरतपुर

मथुरा के आसपास में स्थित किसी ऐतिहासिक जगह पार्टनर के साथ घूमने की बात होती है, तो कई कपल्स सबसे पहले भरतपुर ही पहुंचते हैं। भरतपुर, राजस्थान का एक ऐतिहासिक शहर है, जो अपने शाही मेहमान नवाजी से हर दिन दर्जन से अधिक कपल्स को आकर्षित करता है। अगर आप मथुरा से सुबह-सुबह भरतपुर घूमने के लिए निकलते हैं, तो शाम तक आराम से घूमकर वापस आ सकते हैं। भरतपुर में आप पार्टनर के साथ भरतपुर महल, केवलादेव राष्ट्रीय उद्यान और लोहागढ़ किला जैसी जगहों पर घूमने के लिए जा सकते हैं। केवलादेव नेशनल पार्क में आप पार्टनर के साथ जंगल सफारी का भी लुत्फ उठा सकते हैं।

आगरा

मथुरा के आसपास में स्थित किसी विश्व प्रसिद्ध रोमांटिक जगह घूमने की बात होती है, तो कई कपल्स सबसे पहले आगरा ही पहुंचते हैं, क्योंकि प्यार की निशानी %ताजमहल% आगरा में ही मौजूद है। आगरा में ताजमहल देखने सिर्फ मथुरा से नहीं, बल्कि मथुरा के आसपास के अन्य कई शहरों से भी कपल्स घूमने और क्वालिटी टाइम स्पेंड करने के लिए पहुंचते हैं। आगरा में आप पार्टनर के साथ ताजमहल के अलावा अन्य कई जगहों को भी एक्सप्लोर कर सकते हैं। जैसे- आगरा फोर्ट, बुलंद दरवाजा, मेहताब बाग, अकबर का मकबरा और फतेहपुर सीकरी को भी एक्सप्लोर कर सकते हैं।

धौलपुर

धौलपुर, राजस्थान का एक प्रमुख और खूबसूरत शहर है। यह शहर अपने इतिहास के साथ-साथ कई बेहतरीन चीजों के लिए जाना जाता है। खासकर, धौलपुर लाल रंग के सैंडस्टोन के लिए पूरे भारत में प्रसिद्ध माना जाता है। धौलपुर को कपल्स के लिए एक रोमांटिक डेस्टिनेशन भी माना जाता है। खासकर, जो कपल्स शांत वातावरण में पार्टनर के साथ समय बिताना चाहते हैं, उनके लिए बेस्ट रोमांटिक डेस्टिनेशन माना जाता है।

मार्च खत्म होने से पहले इस टूर पैकेज में करें साईं बाबा के दर्शन, खर्चा होगा कम

मार्च खत्म होने से पहले कई लोग हैं, जो घूमने का प्लान बना रहे हैं। क्योंकि, इस महीने में लोग अपनी बची हुई छुट्टियों यूज करना चाहते हैं। अगर आप इस महीने में शिर्डी साईं बाबा के दर्शन का प्लान बना रहे हैं, तो आप पैकेज से यात्रा का प्लान बना सकते हैं। पैकेज में आपको बाबा के दर्शन में हर तरह की सुविधा मिलेगी। इसलिए आप आसानी से दर्शन कर पाएंगे। सबसे अच्छी बात यह है कि जब आप ट्रेन से उतरते हैं, तो उतरने के बाद रेलवे स्टेशन के बाहर ही आपको कैब की सुविधा भी मिलेगी। ऐसे में आपको होटल तक जाने के लिए कोई साधन ढूंढना नहीं पड़ेगा। इसके साथ ही होटल से निकलने के बाद मंदिर तक जाने के लिए भी आपको बस और कैब की सुविधा नीचे ही मिल जाएगी। इसलिए अगर आरामदायक यात्रा ढूंढ रहे हैं, तो पैकेज से यात्रा जरूर करें।

साई शिवम टूर पैकेज

इस पैकेज की शुरुआत 28 मार्च से हो रही है। अगर आपको मार्च में ही घूमना है, तो आप इस पैकेज को बुक कर सकते हैं।

पैकेज 3 रात और 4 दिनों का है।

पैकेज शुरू होने के बाद आप हर शुक्रवार टिकट बुक कर सकते हैं। इसमें आपको नासिक और शिरडी घुमाया जाएगा। पैकेज की शुरुआत बसर, हैदराबाद, कामारेड्डी, निजामाबाद और सिकंदराबाद से हो रही है। पैकेज का नाम साई शिवम है। आप पैकेज का नाम सर्च करके भी इसके बारे में पढ़ सकते हैं।भारतीय रेलवे की आधिकारिक वेबसाइट से टिकट बुकिंग का तरीका आसान है। आईआरसीटीसी के टूर पैकेज में मिलने वाली सुविधाएंपढ़ने के बाद टिकट बुक करें।

पैकेज फीस

अगर आप अकेले घूमने का प्लान बना रहे हैं, तो इस पैकेज के लिए आपको 8840 रुपये देने होंगे। 2 लोगों के साथ यात्रा करने पर प्रति व्यक्ति पैकेज फीस 7470 रुपये है। तीन लोगों के साथ यात्रा करने पर प्रति व्यक्ति पैकेज फीस 7450 रुपये है। बच्चों के लिए पैकेज फीस 7350 रुपये है। आईआरसीटीसी के टूर पैकेज में मिलने वाली सुविधाएं पढ़ने के बाद टिकट बुक करें। भारतीय रेलवे की आधिकारिक वेबसाइटसे टिकट बुकिंग का तरीकाआसान है।

भारत की इन प्रसिद्ध दरगाह में हिन्दू भी पहुंचते हैं इबादत करने ...

इस समय देश में रमजान का महीना चल रहा है। रमजान का महीना मुस्लिम लोगों के लिए एक पवित्र और पाक महीना माना जाता है। इसी महीने में मुस्लिम लोगों द्वारा ईद-उल-फितर भी सेलिब्रेट किया जाता है।

रमजान के इस पाक महीने में मुस्लिम लोग चर्चित दरगाह, मस्जिदों और ऐतिहासिक जगहों पर नमाज पढ़ने के लिए पहुंचते रहते हैं। रमजान के महीने में कई लोग देश की प्रसिद्ध दरगाहों में इबादत करने भी पहुंचते हैं। हम आपको देश में स्थित प्रसिद्ध दरगाहों के बारे में बताने जा रहे हैं, जहां रमजान के महीने में सिर्फ मुस्लिम लोग ही नहीं, बल्कि हिन्दू लोग भी इबादत करने के लिए पहुंचते हैं।

अजमेर शरीफ दरगाह

भारत में स्थित विश्व प्रसिद्ध दरगाह की बात होती है, तो कई लोग सबसे पहले अजमेर शरीफ दरगाह का ही जिक्र करते हैं। यह सूफी संत ख्वाजा मोइनुद्दीन चिश्ती का मकबरा है। यह मुस्लिम लोगों के लिए एक महत्वपूर्ण धार्मिक स्थल भी है। अजमेर शरीफ एक ऐसी दरगाह है, जहां सिर्फ मुस्लिम ही नहीं, बल्कि हिन्दू से लेकर अन्य धर्मों के लोग भी इबादत के लिए पहुंचते हैं। इस दरगाह में देश की कई बड़ी-बड़ी हस्तियां भी पहुंचती हैं। रमजान के महीने में हर दिन हजारों लोग पहुंचते हैं।

पता- अजमेर, राजस्थान

कैसे पहुंचें-सबसे पास में अजमेर रेलवे स्टेशन मौजूद है। दिल्ली से नियमित अजमेर के लिए ट्रेन चलती रहती है।

हाजी अली दरगाह

महाराष्ट्र में स्थित हाजी अली दरगाह एक विश्व प्रसिद्ध दरगाह है। यह पीर हाजी अली शाह बुखारी का स्मारक है। यहां आम दिनों में हर दिन हजारों लोग घूमने और शुक्रवार को मुस्लिम लोग नमाज पढ़ने के लिए पहुंचते हैं। हाजी अली एक ऐसी भी दरगाह है, जो सभी धर्मों के लोगों के लिए खुली रहती है। यहां हिन्दू लोग भी चादर चढ़ाने और इबादत करने के लिए पहुंचते रहते हैं। हाजी अली दरगाह, महाराष्ट्र का एक प्रमुख पर्यटन स्थल भी माना जाता है।

पता- मुंबई, महाराष्ट्र

कैसे पहुंचें-हाजी अली दरगाह के सबसे पास में मुंबई सेंट्रल स्टेशन या महालक्ष्मी स्टेशन है।

हजरत निजामुद्दीन दरगाह

हजरत निजामुद्दीन, मुस्लिम सूफी और विश्व प्रसिद्ध सूफी संत निजामुद्दीन औलिया की दरगाह और मस्जिद परिसर है। यह मुस्लिम लोगों के लिए एक महत्वपूर्ण धार्मिक स्थल है, जहां हर दिन लोग इबादत के लिए पहुंचते रहते हैं। हजरत निजामुद्दीन दरगाह के बारे में कहा जाता है कि यहां जो भी सच्चे मन से इबादत करने पहुंचता है, उसकी सभी मुरादें पूरी हो जाती हैं। यहां मुस्लिम लोगों के अलावा, अन्य सभी धर्मों के लोग भी इबादत करने के लिए पहुंचते रहते हैं।

पता-निजामुद्दीन, दिल्ली

कैसे पहुंचें- सबसे पास में निजामुद्दीन रेलवे स्टेशन है। इसके अलावा, नई दिल्ली रेलवे स्टेशन।

शेख सलीम चिश्ती दरगाह

शेख सलीम चिश्ती की दरगाह भी भारत की एक प्रसिद्ध दरगाह है, जहां सिर्फ मुस्लिम लोग ही नहीं, बल्कि हिन्दुओं के अलावा अन्य कई धर्मों के लोग भी इबादत करने पहुंचते हैं। कहा जाता है कि शेख सलीम चिश्ती मुगल साम्राज्य के सूफी संत थे। रमजान के महीने में यहां हर दिन हजारों लोग घूमने भी पहुंचते हैं। इस दरगाह को आगरा का प्रमुख पर्यटन स्थल भी माना जाता है।

पता-फतेहपुर सीकरी शहर, आगरा

कैसे पहुंचें-सबसे पास में आगरा रेलवे स्टेशन है। आगरा के लिए कई शहरों से नियमित ट्रेन चलती रहती है।

ये दरगाह भी हैं प्रसिद्ध

देश में अन्य और भी कई दरगाह मौजूद हैं, जहां सभी धर्मों के लोग इबादत के लिए पहुंचते हैं।

जैसे-जम्मू कश्मीर में स्थित हजरतबल दरगाह, बीजापुर में स्थित इब्राहिम रौज़ा की दरगाह और उत्तराखंड के रुड़की में स्थित पिरान कालियार शरीफ।

मां वैष्णो देवी मंदिर के पास में स्थित इन अनदेखी जगहों का क्या आपने दीदार किया?

मां वैष्णों का दर्शन करना लगभग हर हिन्दू का सपना होता है। यह एक ऐसा तीर्थस्थल है, जहां देश के हर कोने से श्रद्धालु अपनी-अपनी मुरादें लेकर मां के दरबार में पहुंचते हैं। देश में धार्मिक पद यात्रा पर जाने की बात होती है, तो कई लोग मां वैष्णो देवी की यात्रा का जिक्र जरूर करते हैं। जब भक्त वैष्णो यात्रा पर जाते हैं, तो सिर्फ मां का दर्शन करके भी वापस लौट जाते हैं और आसपास की जगहों पर घूमना भूल जाते हैं।

पंचारी

वैष्णो देवी आयर कटरा के आसपास में घूमने की बात होती है, तो कई लोग पटनीटॉप हिल स्टेशन का नाम लेते हैं, लेकिन पटनीटॉप से कुछ ही दूरी पर स्थित पंचारी के बारे में बहुत कम लोग ही जानते होंगे। जम्मू की वादियों में स्थित पंचारी एक खूबसूरत और मनमोहक पर्यटन स्थल है। जम्मू कश्मीर के उधमपुर जिले में स्थित पंचारी एक खूबसूरत और शांत वातावरण गांव भी है। इसके जम्मू-कश्मीर का पहला पर्यटन गांव भी माना जाता है। इस गांव को प्रकृति प्रेमियों के लिए जन्नत भी माना जाता है। यहां आप प्रकृति का लुत्फ उठाने के साथ-साथ ट्रैकिंग, हाईकिंग और कैम्पिंग का भी लुत्फ उठा सकते हैं।

धार शिव गढ़

जम्मू-कश्मीर के उधमपुर की हसीन वादियों में स्थित धार शिव गढ़ एक पर्वतीय स्थान है, जहां घूमना लगभग हर किसी का सपना हो सकता है। धार शिव गढ़ को उधमपुर का छिपा हुआ खूबसूरत खजाना भी माना जाता है। बादलों से ढके ऊंचे-ऊंचे पहाड़, घने जंगल, बड़े-बड़े देवदार के पेड़ और झील-झरने धार शिव गढ़ की खूबसूरती में चार चांद लगाने का काम करते हैं।

बटोत

जम्मू कश्मीर के रामबन जिले में स्थित बटोत एक खूबसूरत बस्ती है, जिसे कई लोग बटोत हिल स्टेशन के नाम से भी जानते हैं। समुद्र तल से करीब 6 हजार भी अधिक फीट की ऊंचाई पर मौजूद बटोत में घूमना लगभग हर किसी का सपना हो सकता है।

अप्रैल में पार्टनर के साथ देश की इन हसीन जगहों पर पहुंचें रोमांटिक पल बिताने

अप्रैल साल का एक ऐसा महीना होता है, जब देश के कई शहरों में भीषण गर्मी पड़ने लगती है। अप्रैल में जब चिलचिलाती गर्मी पहाड़ी है, तो कई लोग पहाड़ों यानी ठंडी-ठंडी जगहों पर घूमने का प्लान बनाते हैं। अप्रैल के महीने में कपल्स भी गर्मी से दूर हसीन और ठंडी-ठंडी जगहों की तलाश करते हैं, जहां सुकून और रोमांटिक पल बिता सकें।

सोनमर्ग

अप्रैल की चिलचिलाती गर्मी से दूर जम्मू कश्मीर की हसीन वादियों में जब किसी ठंडी जगह रोमांटिक पल बिताने की बात होती है, तो कई कपल्स सबसे पहले सोनमर्ग का ही रुख करते हैं। सोनमर्ग जम्मू कश्मीर का एक खूबसूरत हिल स्टेशन और रोमांटिक डेस्टिनेशन माना जाता है। अप्रैल के महीने में सोनमर्ग का तापमान 2 एष्ट से लेकर 15 एष्ट के बीच रहता है, इसलिए यहां सिर्फ कपल्स ही नहीं, बल्कि अन्य लोग भी घूमने पहुंचते हैं। सोनमर्ग की हसीन वादियों में आप थजवास ग्लेशियर, कृष्णासर झील, विशनसर झील और बालटाल घाटी जैसी रोमांटिक जगहों को एक्सप्लोर कर सकते हैं।

स्पीति वैली

हिमाचल प्रदेश की हसीन वादियों में ऐसी कई शानदार और हसीन जगहें मौजूद हैं, जहां अप्रैल में महीने में भारी संख्या में पर्यटक घूमने के लिए पहुंचते हैं। हिमाचल की स्पीति वैली भी एक ऐसी जगह है, जो अप्रैल में रोमांटिक डेस्टिनेशन का काम करती है।

गंगटोक

अगर आप अप्रैल में पूर्व भारत में पार्टनर के साथ घूमने के लिए किसी हसीन और रोमांटिक जगह की तलाश कर रहे हैं, तो फिर आपको गंगटोक पहुंच जाना चाहिए। सिक्किम की राजधानी गंगटोक, पूर्व भारत का एक टॉप क्लास डेस्टिनेशन माना जाता है, बादलों से ऊंचे-ऊंचे पहाड़, घने जंगल और झील-झरने गंगटोक की खूबसूरती में चार चांद लगाने का काम करते हैं।

सार समाचार

मरुधरा किसान यूनियन ने सौंपा ज्ञापन

अलवर, 26 मार्च (निसं)। पंजाब में शांतिपूर्ण आंदोलन कर रहे किसानों के साथ विश्वासघात करने वाली भगवंत मान की सरकार के खिलाफ कार्यवाही करने के लिए मरुधरा किसान यूनियन राजस्थान के प्रदेश अध्यक्ष दीपक बालियान के निर्देश पर प्रदेश सचिव रघुवीर सैनी के नेतृत्व में अलवर जिला अध्यक्ष सुरेन्द्र सिंह व महिला मोर्चा से सत्यवती देवी, दीपक मीणा कठूमर युवा ब्लॉक महासचिव ने अलवर कलेक्टर कार्यालय में ज्ञापन दिया।

बालियान ने बताया कि पंजाब और हरियाणा बार्डर पर किसान शांतिपूर्ण तरीके से आन्दोलन कर रहे थे इस आन्दोलन को एक वर्ष से ज्यादा समय हो गया था, पंजाब सरकार ने वार्ता करने के लिए किसान नेताओ को चंडीगढ बुलाकर धोखे से गिरफ्तार करके आंदोलन को निर्ममता पूर्वक कुचलने का काम किया। बहुत से किसान साथी लापता है और बहुत से किसानों के ट्रैक्टर ट्रोली और अन्य कीमती सामान लापता है।

रात के अंधेरे में पंजाब पुलिस ने जो निहत्थे किसानों पर जुल्म किया है वह बहुत ही पीड़ादायक और लोकतंत्र विरोधी है मरुधरा किसान यूनियन राजस्थान ने मांग की है कि जुल्म और अत्याचारी भगवंत मान सरकार के खिलाफ कठोर कार्रवाई करे दोषी पुलिस और प्रशासनिक अधिकारियों को बर्खास्त करे और निर्दोष किसानों को रिहा करे। किसानों की मांगों पर अमल करे।

अस्पताल में युवक ने दिया ईमानदारी का परिचय

बहरोड़, 26 मार्च (निसं)। जिला अस्पताल बहरोड़ में बच्चों का इलाज करवाने पहुंचे गांव भीमपुरा निवासी युवक ने चिकित्सक रूम में मिला पर्स कार्यालय में जमा करवाकर ईमानदारी का परिचय दिया।

भीमपुरा निवासी युवक जय प्रकाश जांगिड़ ने बताया कि वह बच्चों को दिखाने जिला अस्पताल बहरोड़ गया था। जहां चिकित्सक रूम में एक खाली पड़ी चेयर पर लेडीज पर्स रखा हुआ दिखाई दिया। पहले वहां आस-पास लोगों से पूछा कि किसी का पर्स खोया है क्या। किसी ने भी नहीं बताया तो लैब टेक्निशियन यशपाल के माध्यम से जिला अस्पताल के कार्यालय में जमा करवा दिया।

महिला चोरों ने सुनार को लगाया लाखों का चूना

बहरोड़, 26 मार्च (निसं)। शहर के नया बस स्टैंड के पास कबाड़ी गली में एक ज्वैलर की दुकान पर ज्वैलरी खरीद करने आई पपांच महिलाओं ने ज्वैलरी खरीद के बहाने चोरी की घटना को अंजाम दिया। चोरी की पूरी घटना सीसीटीवी में कैमरे में कैद हो गई।

ज्वैलर धीरज सोनी ने कोतवाली पुलिस थाना में मामला दर्ज करवाया। ज्वैलर धीरज सोनी पुत्र भरपूर सिंह सोनी ने रिपोर्ट दर्ज करवाई है कि 19 मार्च को सायं 3.10 बजे नया बस स्टैंड के कबाड़ी गली में स्थित मेरी दुकान में चोरी हो गई। जिसमें 30 सोने की बाली के पैकेट, 20 ग्राम सोने की चैन चोरी हो गई। चोरी के समान की कीमत लगभग 5 लाख रूपये है। कोतवाली पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

खाद्य पदार्थ कारोबारियों को फोसटेक ट्रेनिंग

बहरोड़, 26 मार्च (निसं)। आयुक्त खाद्य सुरक्षा एवं औषधि नियंत्रक, खाद्य सुरक्षा अतिरिक्त आयुक्त, मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी कोटपुतली-बहरोड़ आशीष सिंह शेखावत के निर्देशानुसार खाद्य पदार्थ कारोबारियों को फोसटेक ट्रेनिंग 25 मार्च को सोतनाला में मेसर्स मनीष फूड्स एवं बहरोड़ के होटल हाइवे प्रिंस में दिया गया। इस ट्रेनिंग में करीब 160 लोगों ने भाग लिया।

खाद्य सुरक्षा अधिकारियों द्वारा बताया गया कि इस ट्रेनिंग के दौरान खाद्य कारोबारकर्ताओं को स्वच्छ व शुद्ध सामग्री के निर्माण, भंडारण, विक्रय, परिवहन के लिए फोस्टेक फूड सेफ्टी प्रशिक्षण व सर्टिफिकेशन कार्यशाला आयोजित की गई। यह प्रशिक्षण नि:शुल्क कराया गया। साथ ही इस प्रशिक्षण के माध्यम से सभी खाद्य कारोबारकर्ताओं की जागरूकता बढ़ेगी, खाद्य पदार्थ के रखरखाव के तरीके का पता रहेगा जिससे छोटे व्यापारियों को भी लाभ मिलेगा। प्रशिक्षण कार्यक्रम में खाद्य सुरक्षा अधिकारी नेहा शर्मा, शशिकांत शर्मा एवं फास्टैक ट्रेनर वारूणी शामिल रहे।

पेयजल समस्या के लिए पानी की टंकी पर चढ़ी महिलाएं

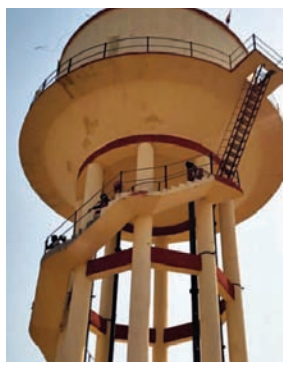

नीमराणा, 26 मार्च (निसं)। मांढ़ण क्षेत्र के गांव महतावास में जल जीवन मिशन के तहत बन रही पानी टंकी सप्लाई की पाइपलाइन का काम चल रहा है, लेकिन महिलाओं के पक्ष ने सरपंच प्रतिनिधि के आपसी भेदभाव का आरोप लगाया।

महिलाओं का कहना है कि पैसे सरकार ने दिए लेकिन सरपंच के अनदेखी की वजह से ग्रामवासी परेशानी का सामना कर रहे हैं। वहीं ठेकेदार घटिया सामग्री उपयोग में ले रहा है। इसी को लेकर एक पक्ष ने मंगलवार को प्रदर्शन किया। अभी गर्मियों का मौसम पूर्ण रूप से शुरू भी नहीं हुआ है। लेकिन गांव में पानी की किल्लत शुरू होने की खबर आ गई है।

बाबा त्रिलोक दास महाराज का मेला

बहरोड़, 26 मार्च (निसं)। क्षेत्र के गांव गुगड़िया स्थित पीपलहोडी आश्रम मे बाबा त्रिलोक दास महाराज ग्रामीणों के सहयोग से मेले, भंडारे और सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन हुआ।

मेला कमेटी सदस्यों ने बताया सुबह हवन-यज्ञ कर बाबा का भोग लगाकर भंडारे का शुभारंभ किया। इस दौरान आस पास के श्रद्धालुओं ने बाबा के दर में धोक लगाकर मन्नत मांगी और पंगत में बैठकर प्रसादी ग्रहण की। सांस्कृतिक कार्यक्रम में तरुण बालयान, रिंकू चौधरी एंड पार्टी द्वारा धार्मिक, सांस्कृतिक और ऐतिहासिक रागनियों के माध्यम से बाबा की महिमा का गुणगान किया गया। कार्यक्रम का संचालन होशियार अध्यापक और सहीराम अध्यापक ने किया।

मेले में पूर्व सरपंच कृष्ण मीणा, उपसरपंच महेन्द्र स्वामी, पूर्णसिंह कैप्टन, रामधन, हनुमान सिंह, थानसिंह, शेर सिंह, सरजीवन, फूलचंद, रामकुमार, ताराचंद, नन्दलाल, बालाराम, दिनेश ठेकेदार, जलेसिंह जांगिड़ सहित नवयुवक मंडल सदस्य मिन्टू, कर्ण सेठ, राहुल, कुलदीप, विकास, कृष्ण, जसवंत आदि मौजूद रहे।

बीजवाड़ नरूका में गणगौर मेले पर कुश्ती दंगल 31 को

मालाखेड़ा, 26 मार्च (निसं)। बिजवाड़ नरूका पंचायत मुख्यालय पर 31 मार्च को कुश्ती दंगल व मेले का आयोजन किया जाएगा। जिसकी तैयारी जोरों पर की जा रही है। मेले के सफल आयोजन के लिए कमेटी का गठन किया गया है। उसकी मीटिंग भी आयोजित हो चुकी है।

मेला कमेटी की ओर से निर्णय लिया गया है कि मेले में सड़क मार्ग पर अतिक्रमण नहीं हो तथा विभिन्न प्रकार की दुकान इस प्रकार से लगाई जाए की आने जाने वालों को परेशानी नही हो तथा कुश्ती दंगल में पहलवान अपने आधार कार्ड लेकर पहुंचे। जिससे उनकी सही पहचान बनी रहे। कुश्ती दंगल में भाग लेने वाले पहलवानों को किसी भी प्रकार का किराया भाड़ा नहीं दिया जाएगा।

सभी विभागों के कार्य समन्वय से पूरा करने के निर्देश

कोटपूतली-बहरोड़, 26 मार्च (निसं)। जिला कलक्टर कल्पना अग्रवाल ने कलेक्ट्रेट सभागार में बजट घोषणाओं की क्रियान्विति की समीक्षा करते हुए कहा कि सभी राजस्व अधिकारी बजट घोषणाओं की क्रियान्विति को गति देने के लिए संबंधित विभागों से समन्वय करते हुए भूमि चिन्हिकरण, भूमि आवंटन, डीपीआर, टैंडर प्रक्रिया को शीघ्र पूरा करते हुये विकास कार्यों को समय पर पूरा करें। जिससे विकास कार्यों का लाभ आमजन को समयबद्ध मिल सके।

उन्होंने बजट घोषणाओं के प्रगतिरत कार्यों की नियमित मॉनिटरिंग करने को कहा। निर्देशित किया कि बजट 2025-26 में जिले के संबंध में की गई घोषणाओं को धरातल पर उतारने के लिए आवश्यक व भविष्य में सुगमता को देखते हुए उपयुक्त भूमि का चिन्हीकरण करते हुए आवश्यक कार्यवाही सुनिश्चित करें। घोषणाओं में जिले को मिले आईटीआई (बर्डोद), केवी जीएसएस, नवीन कन्या महाविद्यालय, बस स्टैंड, स्वास्थ्य केंद्र, छात्रावास आदि हेतु स्थान का चयन करते समय आमजन की पहुंच व सुविधाओं का विशेषता से ध्यान रखें। जिला कलक्टर ने निर्देशित किया कि जिले में राजस्व अधिकारी राजस्व से संबंधित सभी प्रकार के प्रकरणों का विहित समय में निस्तारण करें, ताकि आमजन को जल्द से जल्द राहत मिल सके। सभी उपखण्ड अधिकारी अपने दायित्वों का पालन करते हुए अपने क्षेत्र में संचालित समस्त गतिविधियों की समीक्षा करे।

उन्होंने संपरिवर्तन प्रकरणों, भूमि अवाप्ति, गैर खातेदारी प्रकरण, आरओडब्लयू पोर्टल, लंबित नामांतरण, सीमाज्ञान, अवैध खनन की प्रभावी मॉनिटरिंग, मासिक सारांश रिपोर्ट, राजस्व सहित न्यायालयों व अदालतों के लंबित प्रकरण, एल आर/पीडीआर एक्ट प्रकरण, जीएलएमएसी से संबंधित प्रकरण, जीसीएमएस पोर्टल, सहायता संबंधित बकाया प्रकरण, गिरदावरी, अतिक्रमण, राजस्व वसूली, संपर्क पोर्टल के लंबित प्रकरणों पर विस्तार से समीक्षा करते हुए सभी अधिकारियों को संबंधित विभागों से समन्वय करते हुए समयबद्ध निस्तारण करने, डिस्पोजल समय कम करने के निर्देश दिए। ई-फाइलों के समयबद्ध निस्तारण एवं अपने अधीनस्थ व विभागीय कार्यालयों के समय-समय पर निरीक्षण कर सभी आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

उन्होंने समस्त तहसीलदारों को एलआर सेक्शन से समन्वय करते हुए लंबित प्रकरण निपटाने व पोर्टल पर जानकारी अपडेट करने को कहा। कहा कि राजकीय कार्यों में लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

उपखंड अधिकारियों को उपखंड क्षेत्र में संचालित किए जा रहे फॉर्मर रजिस्ट्री शिविरों में अधिकाधिक किसानों का रजिस्ट्रेशन सुनिश्चित करने हेतु प्रभावी मॉनिटरिंग और विशेष कार्ययोजना के साथ कार्य करने को कहा।

न्यायालय एवं लाइट्स पोर्टल, राजस्व न्यायालयों में लंबित वादों के निस्तारण की समीक्षा की। अतिरिक्त जिला कलक्टर ओमप्रकाश सहारण ने गत बैठक में दिए गए निर्देशों की पालना के बारे में चर्चा करते हुए अन्य बिंदुओं पर विस्तारपूर्वक समीक्षा कर सभी प्रकरणों को समयसीमा के भीतर नियमानुसार निस्तारित करने के लिए कहा। बैठक के दौरान उपखंड अधिकारी कोटपूतली बृजेश कुमार, नीमराना महेंद्र सिंह, विराटनगर अमिता मान, बानसूर अनुराग हरित, बहरोड़ रामकिशोर मीणा एवं पावटा एसडीएम कपिल कुमार सहित संबंधित तहसीलदार उपस्थित रहे।

मंडावर कस्बे में बंदरों का भारी आतंक

मंडावर, 26 मार्च (निसं)। उपखंड मुख्यालय सहित आसपास के गांवों में बंदरों का आतंक इस कदर बढ़ गया कि अब लोगो का घरों से बाहर निकलना तो मुश्किल हो ही रहा है लेकिन घर बैठे भी बंदर आए दिन महिला,पुरुष सहित बच्चों पर भी धावा बोलकर घायल कर देते है।

स्थानीय लोगों द्वारा बार-बार प्रशासन को अवगत कराने के बाद भी समस्या का कोई समाधान नहीं होने पर लोगों में प्रशासन के खिलाफ रोष व्याप्त है। वही सोमवार को कस्बे के समीप गांव गढ़ हिम्मत सिंह में बंदरों ने घर बैठी हुई एक वृद्ध महिला पर हमला कर घायल कर दिया। जिसे परिजनों ने घायल अवस्था में मंडावर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती करवाया।

जानकारी के अनुसार सोमवार को संपत्ति देवी मीणा उम्र 78 वर्ष पत्नी किशन मीणा अपने घर पर छप्परपोश मकान में बैठी हुई थी। तभी बंदरों के झुंड ने लड़ते हुए महिला पर धावा बोलकर उसे गंभीर रूप से घायल कर दिया। उसके बाद महिला के चिल्लाने पर परिजन दौड़कर आए और महिला को बंदरों के चुंगल से छुड़ाया तब तक महिला को बंदरों द्वारा जगह जगह घाव करके घायल कर दिया। जहां परिजनों ने महिला को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती करवाकर उपचार करवाया।

ग्रामीण भीमसिंह, बनवारी, कपिल, लोकेश,रिंकू सहित अन्य ने बताया कि गांव में बंदरों का आतंक इस कदर बढ़ गया है कि आए दिन ये लोगों पर हमला करके घायल कर रहे है। उन्होंने प्रशासन से मांग करते हुए कहा कि क्षेत्र में बंदरों के आतंक को रोकने के लिए प्रशासन को शीघ्र ही इन्हें पकड़वाने की व्यवस्था की जाए जिससे इनके आतंक से आमजन को निजात मिल सके। गौरतलब है कि क्षेत्र में बंदरों का आतंक इस कदर है कि उनके हमले से पूर्व में मंडावर उपखंड मुख्यालय सहित गांवों में लगभग आधा दर्जन के आसपास लोग मौत के मुंह में समा गए है

नगरपालिका क्षेत्र मंडावर में भी बंदरों का आतंक लोगों के लिए मुसीबत बन गया है। सैकड़ों बंदरों के झुंड हर समय घूमते रहते है। कहीं भी किसी समय तोड़फोड़ कर घरों में घुसकर उत्पात मचाना, खाने पीने की वस्तु सहित कपड़ों को फाड़ना और नुकसान पहुंचाना आम बात हो गई है। जिससे बुजुर्ग, नौजवान, बच्चे महिला सभी बंदरों के आतंक से भय भीत रहते हैं। वहीं स्थानीय लोग कई बार नगर पालिका प्रशासन सहित वन विभाग से शिकायत कर चुके हैं। लेकिन अभी तक कोई कार्रवाई नहीं हो रही है।

बंदरों की बढ़ती तादाद आमजन के जीवन को भी संकट में डालने का काम कर रही है।बंदरों के आतंक और हमले से अब तक दर्जनों लोग घायल हो चुके हैं। वहीं बच्चों को पैदल स्कूल जाने में भी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। राह चलते लोगों से सामान को झपट्टा मार कर ले जाना आम बात हो गई है वहीं मकानों के छतों पर पानी की टंकियों का ढक्कन भी तोड़ रहे है। नगर पालिका कार्यालय, रेलवे स्टेशन, पुलिस स्टेशन, डाक बंगला, तहसील ऑफिस, उपखंड कार्यालय, डाक घर, खंडेलवाल धर्मशाला की गली सहित अनेक स्थानों पर दिन में बंदरों के झुंड देखे जा सकते हैं। जहां आम जनता का आना-जाना लगा रहता है आए दिन बंदरों द्वारा झपट्टे मारने की वारदात होती रहती है परंतु जिम्मेदार गहरी नींद में सोया हुआ है।

छात्रों ने दी मशरूम खेती की जानकारी

खैरथल, 26 मार्च (निसं)। कृषि महाविद्यालय, मांचा किशनगढ़-बास द्वारा आयोजित सात दिवसीय एनएसएस शिविर के चौथे दिन, 25 मार्च 2025 को मांचा गाँव के किसानों के लिए 'मशरूम की खेती' पर एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

कृषि महाविद्यालय की प्राचार्य कुमारी डॉक्टर आशा ने बताया कि इस कार्यक्रम का उद्देश्य किसानों को मशरूम की खेती की आधुनिक तकनीकों से अवगत कराकर उनकी आय बढ़ाने में सहायता करना था।

प्रशिक्षण सत्र के दौरान कॉलेज के छात्रों ने मशरूम की खेती की विधियां, उसकी पोषण आवश्यकताएं, रोग प्रबंधन एवं विपणन संबंधी जानकारी साझा की। किसानों को बताया गया कि कम लागत में अधिक मुनाफा देने वाली यह खेती किस प्रकार पारंपरिक खेती का एक अच्छा विकल्प बन सकती है।

कार्यक्रम में किसानों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया और छात्रों से महत्वपूर्ण जानकारी प्राप्त की। कार्यक्रम के अंत में, किसानों और छात्रों के बीच विचार-विमर्श हुआ, जिसमें किसानों ने अपनी शंकाओं का समाधान प्राप्त किया।

श्याम बाबा के दर पर पहुंचे श्रद्धालु

मालाखेड़ा, 26 मार्च (निसं)। कस्बे स्थित श्री श्याम बाबा के दरबार पर सुबह से ही भक्तों का आना-जाना लगा रहा। चैत्र कृष्ण पक्ष एकादशी को हारे के सहारे श्याम बाबा हमारे और विष्णु भगवान के जयकारे से पूरा पंडाल गूंज उठा। मंदिर परिसर में आने वाले सभी श्रद्धालुओं ने मिश्री, मखाने, और नारियल का प्रसाद अर्पित किया। विभिन्न प्रकार के पुष्प श्याम बाबा के चरणों में भेंट किये। और सुख समृद्धि की कामना की।

आसपास के गांव के लोग बड़ी संख्या में अपनी श्रद्धा को लेकर यहां पहुंचे। महीने में दो बार ग्यारस पर यहां बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंचे। इस बार एकादशी पर खेती-बाड़ी का काम अधिक होने के कारण ग्रामीण क्षेत्र से श्रद्धालु महिलाएं कम पहुंची। श्री श्याम बाबा के मंदिर पर आए हुए श्रद्धालु राजेंद्र जोशी, पप्पू शर्मा, सतीश कुमार चौधरी, जगदीश, कमलेश शर्मा सहित अन्य लोगों ने बताया बाबा के दर पर बड़ी संख्या में श्रद्धालु आते हैं।

हरसौली संतदासजी के मेले में कुश्ती दंगल

हरसौली, 26 मार्च (निसं)। हरसौली कस्बे स्थित संतदासजी मंदिर में मंगलवार को संतदास जी महाराज जी का मेला उत्साह और उमंग के साथ भरा। मेले में दूरदराज से श्रद्धालुओ ने मंदिर में धोक लगाकर मन्नत मांगी। इस दौरान मेले में कुश्तियो का भी आयोजन किया गया। कुश्ती का अंतिम कामड़ा एक लाख रुपयो का कलुआ गुर्जर एवं रोहित गुल्ला के बीच हुआ था। जो बराबरी पर छूटा। एक लाख कामड़े के अलावा 51 रुपए, 101 रुपए, 501 रुपए 11सौ, 21सौ, 51सौ, 11 हजार, 21 हजार एवं 51 हजार की लगभग दो दर्जन कुश्तियां कराई गई । मेले से भी एक दिन पूर्व से ही दूर दराज से श्रद्धालुओं का निशान लेकर बाबा के मंदिर में चढ़ाने का सिलसिला शुरू हो जाता है। इसी तरह श्रद्धालुओं का भी एक दिन पहले से ही मेले में आने का सिलसिला शुरू हो जाता है।

कुश्ती के दौरान क्षेत्रीय विधायक दीपचंद खेरिया, कोटकासिम पंचायत समिति प्रधान विनोद कुमारी सागवान, सरपंच ओमेश चौधरी, हरसोली ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष दीपक चौधरी, परगना अध्यक्ष जीतराम नंबरदार, खैरथल पार्षद विक्की चौधरी, पूर्ण दादा आदि ने कामड़े की कुश्ती के पहलवानो का हाथ मिलवाया।

रैफरी के रूप में सूबेदार मोहन दहिया, सूरत सिंह, महेंद्र दहीया आदि रहे इस मौके पर निर्मल दास, महंत गरीबदास, पूर्ण झाबुला, हवासिंह चौधरी, रणसिंह नेहरा, धर्मपाल तिवाढ़ी कपूर चौधरी, लालाराम पहलवान, पूर्ण वैध, रामानंद, रूपराम, हरिसिंह, नरेंद्र महलावत, हरिसिंह झाबूला सहित बडी संख्या में कस्बावासी एवं श्रद्धालु मौजूद रहे।

राजस्थान दिवस का महिला सम्मेलन से आगाज

खैरथल, 26 मार्च (निसं)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में राज्य सरकार किसान, युवा, महिला एवं गरीब के कल्याण एवं उत्थान एवं आमजन के लिए गुड गवर्नेंस हेतु प्रतिबद्ध है। इसी क्रम में राज्य राजस्थान दिवस (30 मार्च, 2025 चैत्र शुक्ल प्रतिपदा) वृहद् स्तर पर मनाएगा।

प्रदेश का प्रत्येक नागरिक राजस्थान दिवस के कार्यक्रमों में उत्साह एवं उमंग के साथ भाग ले और राजस्थान को विकसित प्रदेश बनाने के लिए समर्पण एवं सेवा-भाव से कार्य करे इस हेतु राज्यभर में 31 मार्च तक सप्ताहभर विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। इसी क्रम में कार्यक्रम का आगाज़ मंगलवार को महिला सम्मेलन के साथ हुआ। जिला स्तरीय कार्यक्रम का आयोजन जिला सचिवालय खैरथल तिजारा के सभागार में जिला कलेक्टर किशोर कुमार की अध्यक्षता में किया गया। इस दौरान बड़ी संख्या में महिलाएं उपस्थित रही। कार्यक्रम में खैरथल-तिजारा जिला, बाड़मेर के राज्य स्तरीय कार्यक्रम में वर्चुअली उपस्थित रहा।

जिला स्तरीय कार्यक्रम में काली बाई भील मेधावी छात्रा स्कूटी वितरण योजना के तहत 6 लाभार्थियों को स्कूटी का सांकेतिक वितरण किया गया साथ ही पीएम सूर्य घर योजना के तहत 5 लाभार्थी महिलाओं को इंडेक्शन कुक टॉप का सांकेतिक वितरण किया गया तथा जिले में कुल 50 लाभार्थियों को इंडक्शन कुकटॉप वितरित किए जाएंगे।

राज्य स्तरीय कार्यक्रम में महिला सम्मेलन में लाडो प्रोत्साहन योजना के तहत 7.5 करोड़ रूपये की राशि की पहली किश्त का डीबीटी हस्तांतरण, महिला समूहों को लगभग 100 करोड़ रुपये की सी.आई.एफ. राशि का हस्तान्तरण, 3 हजार महिलाओं को इंडेक्शन कुक टॉप का वितरण, कालीबाई भील योजना के अन्तर्गत 5 हजार मेधावी छात्राओं को स्कूटी वितरण, गार्गी पुरस्कार, बालिका प्रोत्साहन एवं मुख्यमंत्री हमारी बेटियां योजना के अन्तर्गत 31 हजार 790 बालिकाओं को 13.16 करोड़ का डीबीटी, विवेकानंद स्कॉलरशिप योजना के लाभान्वित मेधावी छात्राओ को स्वीकृति, 1.10 करोड़ महिला प्रमुख परिवार को 200 करो? रुपये की एल.पी.जी. सब्सिडी राशि का डीबीटी हस्तांतरण किया गया। साथ ही अति कुपोषित बच्चों के लिए टेक होम राशन में दूध 15 ग्राम से 25 ग्राम देने के दिशा निर्देश, सोलर दीदी हेतु दिशा-निर्देश, प्रथम चरण में 1000 ग्राम पंचायतों में बर्तन बैंक योजना के दिशा-निर्देश भी जारी किए गए।

जिला स्तरीय कार्यक्रम में अतिरिक्त जिला कलेक्टर शिवपाल जाट, नगर परिषद सभापति हरीश रोघा, भाजपा जिला अध्यक्ष महासिंह चौधरी, नगर परिषद उपसभापति वरुण डाटा, जिला स्तरीय अधिकारी, कर्मचारी एंव लाभार्थी छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे। मंच का संचालन अभिषेक कौशिक ने किया।

सार समाचार

नीलगायों की प्राण रक्षा हेतु अहिंसा के पक्षधरों को जागना होगा

अलवर, 26 मार्च (निसं)। देश के विख्यात श्वेतांबर जैन आचार्य सम्राट श्री शिवमुनि जी महाराज की सुशिष्याएं साध्वी समर्थ श्री जी, साध्वी संबुद्ध श्री जी व साध्वी साधिका श्री जी ने कहा कि जब सत्ताधीश संवेदनहीन बने है, तब बेजुबान वन्यजीव नीलगायों कीप्राण रक्षा हेतु खासकर जैन नर-नारियों सहित अहिंसा, दया व करूणा के पक्षधरों को जागना होगा। मूक जीवों की प्राण रक्षा से बड़ी कोई भक्ति व धर्म नहीं है।

जैन साध्वियां महावीर भवन में धर्मचर्चा कर रही थी। उन्होंने कहा कि अप्रैल माह में भगवान महावीर की जयंती का पावन अवसर आ रहा है और ऐसे पवित्र मौके पर राजस्थान की गौभक्त सरकार को खुद आगे आकर नीलगाय हत्या जैसे क्रूर कानून को वापस लेकर एतिहासिक पहल करनी चाहिए। यह सुअवसर है, जब सत्ताधीश न सिर्फ राजस्थान वरन पूरे देश में पुण्य व सत्कर्म की पहल और प्रभु महावीर के महान अहिंसा धर्म का हकीकत में गौरव बढ़ा सकते है।

फसल रक्षा के नाम पर नीलगायों की हत्या का मेहनतकश किसान भी कभी समर्थक नहीं हो सकता क्योंकि उसके भीतर भी असील दया व करूणा का भाव है। यह दुखद पूर्ण है कि उन भूमि पुत्रों की आड में मीट लॉबी के हितों में नीलगायों की हत्या हेतु कानूनी छूट है। यह क्रूरता ही नहीं बल्कि घोर पाप है। अब सभी अहिंसा पक्षधरों को मिलजुलकर जागना और जगाना होगा जिससे नीलगायों को भी गाय, शेर, हिरण, सांभर आदि की तरह जीने का हक मिल पाए। अहिंसा का ध्वज ऊंचा हो सके।

एकादशी पर महिलाओं ने किया भजन कीर्तन

सकट, 26 मार्च (निसं)। कस्बे के श्री बांके बिहारी मंदिर में मंगलवार को चैत्र कृष्ण एकादशी के मौके पर सखी मंडल की महिला श्रद्धालुओं ने भजन कीर्तन किया। साथ ही एकादशी का उपवास रखकर महिला श्रद्धालुओं ने भगवान की पूजा अर्चना कर मत्था टेक मनौती मांगी। मंदिर के महंत देवादास त्यागी महाराज ने बताया की एकादशी पर्व को लेकर महिला श्रद्धालुओं का सुबह से ही मंदिर पहुंचने का सिलसिला शुरू हो गया था। जो देर शाम तक जारी रहा।

यहां महिला श्रद्धालुओं ने ढोलक झांझ मजीरे आदि वाद्य यंत्रों की धुनों के बीच भगवान शिव पार्वती, राधा कृष्ण, हनुमान जी, खाटू श्याम जी वह माता के भजनों की मधुर मधुर प्रस्तुतियां दी इस दौरान कई महिलाएं श्रद्धालुओं ने भजनों पर नृत्य किया। महाराज ने बताया कि भजन संध्या कार्यक्रम का समापन आरती के साथ शाम 4 बजे किया गया। इस मौके पर मंदिर में विराजित भगवान राधा कृष्ण जी हनुमान जी, गणेश जी, शिव जी आदि देवी-देवताओं की प्रतिमाओं की सुगंधित पुष्पों से झांकी सजाई गई। कार्यक्रम के अंत में श्रद्धालुओं को प्रसाद वितरित किया गया।

शैक्षिक भ्रमण व्यावसायिक शिक्षा में महत्वपूर्ण

मालाखेड़ा, 26 मार्च (निसं)। पृथ्वीपुरा स्थित महात्मा गांधी गवर्नमेंट सीनियर सेकेंडरी स्कूल इंग्लिश मीडियम के छात्र-छात्रा ने शैक्षिक भ्रमण के लिए सरस डेयरी पहुंचे। इस भ्रमण का उद्देश्य विद्यार्थियों को औद्योगिक प्रक्रियाओं और व्यावसायिक दक्षताओं के क्षेत्र में व्यावहारिक अनुभव प्रदान करना था। स्कूल के प्रिंसिपल ग्रेवेश बगड़िया और पूर्व सरपंच इंद्रमल मीणा ने बस को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया।

इस दौरान विद्यार्थियों ने दूध प्रसंस्करण, गुणवत्ता नियंत्रण, विपणन रणनीतियों और वितरण प्रणालियों की जानकारी प्राप्त की। यह भ्रमण विद्यार्थियों के लिए एक महत्वपूर्ण अवसर साबित हुआ। विद्यालय प्रशासन का मानना है कि ऐसे भ्रमण विद्यार्थियों को उनके भविष्य के व्यावसायिक जीवन के लिए तैयार करने में सहायक होते हैं।

इस अवसर पर रविंद्र सिंह नरूका, दीनदयाल शर्मा ,महावीर सिंह राजपूत, देवी सिंह राजपूत, वाइस प्रिंसिपल सीमा रानी मीणा ,अजय सिंह, कुंवर सिंह आदि शिक्षक मौजूद रहे।

ठेकेदार संघ ने किया निर्माण कार्यों का बहिष्कार

अलवर, 26 मार्च (निसं)। नगर विकास न्यास ठेकेदार संघ के शिष्ट मंडल ने निर्माण कार्य एवं ठेकेदारों के भुगतान संबंधी समस्याओं को लेकर सचिव नगर विकास न्यास, अलवर से चर्चा करने पर अपनी हठधर्मिता का परिचय देते हुए शिष्टमंडल से दुर्व्यवहार किया।

इसके पश्चात न्यास ठेकेदार संघ ने मीटिंग आयोजित कर न्यास के आगामी निर्माण कार्यो की निविदाओं के बहिष्कार का निर्णय लिया। जब तक ठेकेदारों की समस्याओं का निवारण नहीं किया जाता तब तक न्यास के समस्त कार्यों का बहिष्कार लागू रहेगा। साथ ही संघ की चुनाव प्रक्रिया को आगामी एक माह में संपन्न कराये का भी निर्णय लिया।

नारायणपुर को नेशनल हाइवे से जोड़ने की मांग तेज

नारायणपुर, 26 मार्च (निसं)। नारायणपुर उपखंड को नेशनल हाइवे 248ए से जोड़ने की मांग को लेकर ग्रामीणों ने अभियान तेज कर दिया है। इसको लेकर ग्रामीणों ने हस्ताक्षर और पोस्टकार्ड अभियान शुरू किया है, जिसके माध्यम से वे केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी और सांसद राव राजेंद्र सिंह को पत्र लिखकर अपनी मांग पहुंचा रहे हैं।

मंगलवार को रामलीला मैदान में इस अभियान के तहत 150 पोस्टकार्ड लिखे गए और 130 से अधिक लोगों ने हस्ताक्षर किए। यह अभियान प्रतिदिन सुबह 10 बजे से शाम 6 बजे तक चलेगा और इसमें 2,000 पोस्टकार्ड भेजने का लक्ष्य रखा गया है। ग्रामीणों के इस आंदोलन को जनप्रतिनिधियों का भी समर्थन मिल रहा है। विधायक देवीसिंह शेखावत ने भी केंद्रीय मंत्री और सांसद को पत्र लिखकर मार्ग में संशोधन की मांग की है। वर्तमान में प्रस्तावित हाइवे थानागाजी से तोलावास, बामनवास कांकड़ होते हुए तालवृक्ष तक जाता है, जिसकी दूरी 17.4 किमी है। विधायक का सुझाव है कि यदि हाइवे को बसई जोगियान होते हुए नारायणपुर से निकाला जाए, तो इसकी दूरी 21 किमी होगी, लेकिन इससे क्षेत्र के 63 गांवों को सीधा लाभ मिलेगा।

ग्रामीणों की मांग है कि सरकार इस मार्ग का पुन: सर्वे करवाए ताकि अधिक से अधिक गांवों को फायदा मिल सके। इस आंदोलन के तहत बड़ी संख्या में ग्रामीण और सामाजिक कार्यकर्ता जुड़ रहे हैं। इस मौके पर मोनू शर्मा, अशोक सोनी, महेश जांगिड, भाजपा मंडल अध्यक्ष संदीप सैनी, सौरभ शर्मा, सुनील शर्मा, मंगत खटाना, महेश सैनी, नवीन सैनी, पोखर गुर्जर, सुरेश सैनी, जयराम सैनी, देवेश आत्रेय सहित कई लोग मौजूद रहे। ग्रामीणों का कहना है कि यदि उनकी मांग पूरी नहीं हुई तो वे आंदोलन को और तेज करेंगे।

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक सरोज शर्मा के लिए सांध्य ज्योति दर्पण प्रिंटर्स, डी.एल.टॉवर3-ए, विद्याश्रम इंस्टीट्यूशनल एरिया, जे.एल.एन. मार्ग, जयपुर से मुद्रित करा कर सांध्य ज्योति दर्पण कार्यालय केडलगंज , अलवर से प्रकाशित है। संपादक सी.पी. सैनी, फोन नं. 0144-2335105, 2701531 जयपुर कार्यालय : संसार चन्द्र रोड, जयपुर, सम्पादक : महेन्द्र यादव - फोन : 2364412, 2361816, फैक्स : 0141-2361816। नागौर कार्यालय - 1/44 व्यास कॉलोनी, नागौर - सम्पादक : रमेश जैन, फोन : 240071 फैक्स- 01582-240071, भरतपुर कार्यालय - कोतवाली रोड, भरतपुर- सम्पादक : जगदीश अग्रवाल, फोन : 223780, पोस्टल रजि.नं. आरजे-779, आरएनआई नं. 48648/90